फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 148 प्रभात जयपुर, गुरुवार 29 दिसम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

The Shackles of the Raj... When Japanese posters urged Indians to destroy

The poster reads, "The English claim to understand and care for Indians. But the 300 years of exploitation..."

An Earnest Effort

Long Covid Rehab Program | Active and better quality of life

जर्मनी में वैज्ञानिक एक मृत सुमात्रन राइनो से नई जीवित कोशिकाएं बना रहे हैं ताकि गंभीर रुप से संकटग्रस्त इस प्रजाति को लुप्त होने से बचाया जा सके। जर्मनी के मैक्स डैलब्रुक सैंटर फॉर मॉलिक्युलर मैडिसन में शोधकर्ता सुमात्रन राइनो के प्रजनन के लिए स्पर्मटाज़ोआ निर्मित करने का तरीका ढूंढ रहे हैं। उन्होंने 2019 में मरे, केरतम नाम के मलेशिया के आखिरी नर सुमात्रन राहनो की त्वचा के सैम्पल्स का उपयोग किया है, स्टैम सैल्स और मिनी ब्रेन विकसित करने के लिए। शोध के मुख्य लेखक वेरा जायविट्ज़ा ने कहा, हमारा काम असंभव को संभव बनाने जैसा लग सकता है, क्योंकि जो जानवर संभवतया लुप्त हो गए हैं, हम उनका सरवाइवल सुनिश्चित करना चाहते हैं। पर यह काम अपवाद स्वरुप ही होना चाहिए इसे नियम नहीं मान लेना चाहिए। केरतम असल में बोर्नियो का एक युवा सुमात्रन राइनो था, जिसका जीनोम सीक्वैंस किया गया है। ज्ञातव्य है कि, कभी दक्षिण पूर्व एशिया में सुमात्रन राइनो बेहद आम थे। पर अवैध शिकार और आवास विनाश ने इस प्रजाति को विलुप्ति के कगार पर ला दिया। अधिकृत अनुमानों के अनुसार इस प्रजाति के विश्व में मात्र 80 राइनो ही बचे हैं। ये सभी इण्डोनेशिया के जंगलों में तथा कुछ एक अभयारण्य में रहते हैं। प्राकृतिक आवास में प्रजनन दर कम होने के कारण भी इनकी आबादी को खतरा है, क्योंकि राइनो बहुत कम संख्या में एकसाथ रहते हैं और वो भी एक दूसरे से बहुत दूर। संरक्षित केन्द्रों में भी मादा की प्रजनन क्षमता घट रही है। शोधकर्ताओं ने नॉर्दन वाइटराइनो की वापसी के लिए भी यही तरीका अपनाया है। उन्होंने त्वचा की कोशिकाओं का उपयोग किया जो अनन्त बार विभाजित हो सकती हैं और कभी नहीं मरती हैं। वैज्ञानिक इन कोशिकाओं से शरीर के किसी भी अंग की कोशिकाएं बना सकते हैं। वैज्ञानिकों ने केरतम की जैनटिक जानकारी संरक्षित की और भविष्य में प्रजनन के लिए स्पर्मटाज़ोआ तैयार किए। चूंकि सूमात्रन राइनो से जो शुक्राणु लिए गए थे, उनकी गुणवत्ता अच्छी नहीं थी, इसलिए प्रयोगशाला में तैयार स्पर्मटाज़ोआ अच्छा विकल्प बन सकते हैं। सुमात्रन राइनो का 1980 के दशक में संरक्षित प्रजनन शुरु हुआ था, लेकिन मिश्रित परिणाम ही मिले। अब जर्मनी व इण्डोनेशिया के वैज्ञानिक संरक्षण केन्द्रों में आधुनिक विज्ञान व तकनीक का प्रयोग कर सुमात्रन राइनो को बचाने में लगे हैं।

'केन्द्रीय सरकार में तमिल लोगों की नियुक्ति हो'

तमिलनाडू के मु.मंत्री स्टालिन ने प्र.मंत्री को पत्र लिखकर यह मामला उठाया

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। भाजपा जिस तरह से चुनावी राजनीति में मदद के लिये भावोत्तेजक मुद्दे के रूप में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण पर भरोसा करती दिखाई देती है, ठीक उसी तरह तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक (डी.एम.के.) जब-तब भाषा का मुद्दा उठा देती है ताकि यह भावोत्तेजक मुद्दा जीवन्त बना रहे और चुनावों में इसे फायदा पहुँचाये। यह पार्टी, जो बहुत पहले, 1960 के दशक में हिन्दी-विरोध के सहारे सत्ता में आई थी, और पार्टी जिन दो बिन्दुओं पर उत्तेजना बढ़ाने का अवसर कभी नहीं गँवाती, वे दो बिन्दु हैं-हिन्दी का थोपा जाना तथा देश की अन्य भाषाओं की कीमत पर हिन्दी भाषा को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाना।

- **स्टालिन का तर्क है, केन्द्रीय सरकार की नियुक्तियों में दक्षिण भारत के लोगों का हिस्सा केवल 4.5 प्रतिशत है।**
- **स्टालिन ने जोर दिया कि, नैशनलाइज़्ड बैंक, रेलवे रिक्रूटमैंट बोर्ड तथा केन्द्रीय सरकार के स्टाफ सलैक्शन कमीशन की, उम्मीदवारों के चयन के लिये आयोजित बैठकें साउथ इंडिया में होनी चाहिये। अभी चयन प्रक्रिया, हिन्दी भाषी लोगों के पक्ष में झुकी हुई है।**
- **अगर पी.एस.यू. के दफ्तर साउथ इंडिया में हैं, तो बेहतर सेवा के लिये तमिल भाषी उम्मीदवारों को प्राथमिकता देनी चाहिये।**
- **चुनाव को नज़दीक आता देख, डी.एम.के. व अन्नाद्रमुक आदि सभी द्रविड मूल की पार्टियां, हिन्दी भाषा थोपने का ''भावनात्मक मुद्दा'' जरूर उठाती आयी हैं।**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक के प्रमुख एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में केन्द्र सरकार तथा सरकार द्वारा संचालित निकायों की भर्ती प्रक्रिया में चल रहे असन्तुलन को ठीक करने के मामले में हस्तक्षेप किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में केन्द्र सरकार तथा इन निकायों का झुकाव हिन्दी भाषा में दक्ष लोगों के पक्ष में हैं क्योंकि इन विभागों एवं प्रतिष्ठानों में विभिन्न पदों के लिये होने वाली भर्ती की परीक्षाएं भी हिन्दी में आयोजित की जाती हैं, तमिल जैसी भाषाओं में नहीं, जो तमिलनाडु की लोक भाषा है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिन्ता व्यक्त की है कि केन्द्र सरकार तथा केतु के अधीनस्थ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में दक्षिण भारत, खासतौर से तमिलनाडु के उम्मीदवारों की भर्ती बहुत कम होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि विभिन्न केन्द्रीय भर्ती एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाएं तमिल में भी आयोजित की जायें।

द्रविड़ पार्टियों, जिनमें ए.आई.ए.डी.एम. के. (अन्नाद्रमुक) भी शामिल है, तमिल को लेकर की गई जोरदार वकालत के दबाव के फलस्वरूप, भाजपा बचाव की मुद्रा में आ गई तथा वाराणसी में तमिल-समर्थक समारोह आयोजित करने के लिये मजबूर हो गई, जिसमें तमिलनाडु के लोगों ने अपने राज्य एवं नगरों की संस्कृति एवं परम्पराओं को प्रस्तुत किया तथा उन्हे भिन्न भाषा एवं संस्कृति वाले लोगों के साथ घुलने-मिलने का अवसर मिला। भाजपा ने ''तमिल समागमों'' को बड़ा भारी महत्व दिया तथा भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु में इस आयोजन का जमकर प्रचार-प्रसार किया। भाजपा की नजरें अगले आम चुनावों के लिये तमिलनाडु एवं पुदुचेरी की 40 लोकसभा सीटों पर लगी हुई हैं तथा दक्षिण में भाजपा को लेकर उत्तर भारतीय हिन्दी-समर्थक पार्टी जो छवि बनी हुई है, उसे झाड़कर, स्वयं से अलग कर देने के लिये, वह हर सम्भव कोशिश कर रही है।

लेकिन स्टालिन की ओर से फैंकी गई यह गुगली कुछ इस प्रकार की है, जिसे भाजपा नेताओं और केन्द्र सरकार को खेलना ही होगा क्योंकि यह तो स्पष्ट है कि द्रमुक एक भावोत्तेजक मुद्दे के रूप में, इस मुद्दे का राग अलापती ही रहेगी तथा अपने स्वर को और भी ऊँचा करती रहेगी, ठीक उसी तह से, जैसे भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भ्रष्टाचार के आरोपों से ध्यान हटाने के लिये कर्नाटक/महाराष्ट्र सीमा पर विवाद उकसाया गया है'

कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी. शिव कुमार ने खुला आरोप लगाया, कर्नाटक के मु.मंत्री बोम्मई व महाराष्ट्र की चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे सरकार पर

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। अगले साल मई में होने वाले महत्वपूर्ण कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले, सत्तारूढ़ भाजपा पर इस बात के लिये दबाव बढ़ता ही जा रहा है कि वह बेलागावी के सीमा-विवाद का समाधान करे क्योंकि इस मुद्दे ने चुनावी राजनीति पर अपनी छाया डालना शुरू कर दिया है।

विपक्षी कांग्रेस खेमा लगातार यह आरोप लगा रहा है कि भाजपा शासित इन दोनों राज्यों के बीच यह पूरा सीमा-विवाद "गढ़ा" हुआ है, ताकि असली मुद्दो, जैसे कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे के भ्रष्टाचार से लोगों का ध्यान हटाया जा सके। इस आरोप से अलग हटकर भी देखें तो भाजपा पर दबाव इस बात का है। कि

- **पर, अब दबाव भाजपा पर ज्यादा है, इस विचार के कारण, क्योंकि भाजपा इस क्षेत्र में हमेशा भारी पड़ती आई है, अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में।**

वह एक ऐसे क्षेत्र के मुद्दे का समाधान नहीं कर पा रही है, जहाँ पिछले काफी वर्षों से इसका राजनैतिक दबदबा रहा है।

जहाँ कर्नाटक सरकार आक्रामक रूख अपनाते हुये कह रही है कि वह महाराष्ट्र को अपनी एक इंच जमीन भी नहीं देगी, वहीं महाराष्ट्र सरकार की ओर से भी ऐसी ही प्रतिक्रिया आ रही है तथा दोनों ही तरफ के इन आक्रामक बयानों ने मतदाताओं को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर एवं "लोकनीति नैटवर्क" के नेशनल को आर्डिनेटर तथा राजनैतिक विश्लेषण सन्दीप शास्त्री का कहना है कि सब कुछ इस बात निर्भर करेगा कि कांग्रेस तथा सत्तारूढ़ भाजपा इस मुद्दे पर क्या रूख अपनाती हैं, जिसकी छाया इस समय इस राज्य की राजनीति पर पड़ रही है। शास्त्री का मानना है कि इस मुद्दे को एकाएक उभारने का काम महाराष्ट्र ने किया है, जो स्वयं भी शिवसेना के दोनों गुटों के बीच की लड़ाई का साक्षी बना हुआ है। इधर विपक्ष भी महाराष्ट्र सरकार को परेशानी में डालना चाहता है तथा इसलिये वह भी इस मुद्दे पर माहौल को गर्मा रहा है एवं उत्तेजना पैदा कर रहा है।

प्रोफेसर शास्त्री ने कहा कि इस समय ज्यादा दबाव भाजपा पर है कि वह इस क्षेत्र पर अपना नियन्त्रण कैसे कामय रखती है, जिस क्षेत्र पर उसका सदैव अच्छा प्रभाव रहा है। वहीं इस समय कांग्रेस बहुत प्रसन्न है तथा कह रही है कि उसने सीमा-विवाद सदैव ही बहुत अच्छी तरह हल किये हैं तथा स्थिति को नियन्त्रण में रखा है, जबकि उसके विपरीत, भाजपा कर्नाटक के हितों को सुरक्षित रखने असमर्थ है।

कांग्रेस नेता तथा के.पी.सी.सी. अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार का मानना है कि यह मुद्दा तो तय हो चुका मुद्दा है तथा इस मुद्दे से सम्बन्धित महाजन आयोग की सिफारिशें का सम्मान हो रहा है। "कर्नाटक एवं भाजपा नेताओं द्वारा की गई मैच फिक्सिंग तथा उनके उसाने वाले बयानों" के कारण यह मुद्दा एकाएक धधक उठा है।

शिव कुमार ने कहा कि पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भगवान कृष्ण ने दिया गणतंत्र, हमने उसमें जन्म लिया'

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.सं.)। हम सोभाग्यशाली हैं कि, हम गणतंत्र में हैं। यह हमें बोलने की आजादी देता है। यह गणतंत्र व्यवस्था भगवान श्री कृष्ण ने दी है। गणतंत्र व्यवस्था ही हमें अपने मन में चलने वाले विचारों को व्यक्त करने का अधिकार देती है। ये विचार बुधवार को मालवीय नगर स्थित पाथेय भवन के महर्षि नारद सभागार में संस्कार

- **संस्कार भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व महाभारत सीरियल में भगवान कृष्ण का किरदार निभाकर प्रसिद्ध हुए नीतीश भारद्वाज ने पाथेय भवन में आयोजित कला संवाद में कहा।**

भारती की ओर से आयोजित कला संवाद में संस्कार भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीतीश भारद्वाज ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए।

सर्वविदित है कि, नीतीश भारद्वाज ने बीआर चोपड़ा की महाभारत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनवरी में जोर पकड़ेगा कोविड

पुराना अनुभव है कि, पूर्वी एशिया में तांडव करने के 30-35 दिन बाद कोविड भारत में जोर-शोर से प्रवेश करता है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। स्वास्थ्य मन्त्रालय के अधिकारियों का कहना है कि भारत में जनवरी में कोविड़-19 केसों के बढ़ने की सम्भावना है। उन्होंने कहा, "पहले भी यह देखा गया है कि कोविड़ की नई लहर के पूर्वी एशिया में आने के लगभग 30-35 दिन बाद, यह भारत में अपना असर दिखाती है।"

किन्तु वैज्ञानिकों ओर डॉक्टरों का मानना है कि ऑमिक्रोन बी एफ-7 वैरिएंट, सम्भावित रूप से, भारत में कम गम्भीर असर दिखायेगा तथा नई लहर में, अस्पताल में भर्ती रहने तथा मृत्यु की स्थितियां न्यूनतम रहने की सम्भावना है।

पिछले कुछ दिनों में, भारतीय हवाई अड्डों पर उतरे जिन 6000 की कोविड़ जाँच की गई, उनमें 39 यात्री कोविड पॉजिटिव पाये गये। इसके कारण भारत सरकार के स्तर पर अहतियाती उपाय बरतने के मामले में हलचल शुरू हो गई है। सरकार ने शनिवार से प्रत्येक अन्तर्राष्ट्रीय उड़ान के किन्ही भी 2 प्रतिशत यात्रियों की जांच करने की

- **कोविड के इलाज के रूप में "नेज़ल स्प्रे" नाक के म्यूकस में मौजूद करोना वायरस को टारगेट करता है, तथा वायरस को फेफड़े में जाने से रोकता है।**

व्यवस्था की है। स्वास्थ्य मन्त्रालय के अधिकारियों ने कहा कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हाँगकाँग, बैंकॉक तथा सिंगापुर से आने वाले अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिये अगले सप्ताह से "एयर सुविधा फॉर्म" भरना तथा 72 घंटे पहले आर.टी.पी.सी. आर. टैस्टिंग कराना जरूरी होगा।

केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से भी कहा है कि वे किसी भी सम्भाव्य स्थिति के लिये तैयार रहें। ऐसी आशा की जा रही है कि स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मन्डाविया इस सप्ताह स्वयं दिल्ली हवाई अड्डे पर जाकर कोविड-जाँचों तथा स्क्रीनिंग सुविधाओं का जायजा लेंगे। पिछले चंद रोज में ही, प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्वास्थ्य मन्त्री के साथ कई मीटिंग की हैं ताकि कोविड-केसों की नई उछाल से निपटने की तैयारियों का ऑकलन किया जा सके।

नई कोविड लहर से निपटने की क्रियाशील तैयारियों की चैकिंग के लिये, मंगलवार को पूरे देश के अस्पतालों में मॉक ड्रिल की गई।

इस बीच, स्वास्थ्य मन्त्रालय ने भारत बायोटैक की इन्ट्रानेज़ल कोविड वैक्सीन को मंजूरी दे दी है जिसका प्रयोग उन लोगों, जिन्होंने प्राथमिक वैक्सीनेशन श्रृंखला पूरी कर ली है, की वैक्सी प्रभावशीलता को वापसी के लिये बूस्टर डोज के रूप में किया जा सकता है। इन्ट्रानेज़ल वैक्सीन नाक के मस्कस में मौजूद वायरस को निशाना बनाती है तथा इस स्टेज पर वायरस को फैंफड़ों में पहुँचने से रोकती है। डॉक्टरों का कहना है कि यह वैक्सीन करोना वायरस संक्रमण को प्रारम्भ में ही रोक देगी तथा वायरस के ट्रान्समिशन को प्रभावी रूप से कम कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रणथम्भौर में टाइगर टी-24 की मौत

उदयपुर, 28 दिसम्बर (कासं)। वर्ष 2015 में रणथम्भौर से बायोलॉजिकल पार्क लाकर 'एनक्लोजर' में रखे टाइगर टी-24 उर्फ "उस्ताद" की दहाड़ अरावली की वादियों में अब सुनाई नहीं देगी। बुधवार को 'उस्ताद' की बीमारी के कारण मौत हो गई। बताया जाता है कि उस्ताद बोन कैंसर से पीड़ित था, हालांकि विभाग ने

- **उस्ताद नाम से विख्यात टाइगर टी-24 बोन कैंसर से पीड़ित था।**

इस बीमारी से मौत होने की पुष्टि नहीं की है। उपवन संरक्षक, वन्यजीव अजय चित्तौड़ा के अनुसार उस्ताद की उम्र 17 साल थी तथा वृद्ध होने के कारण कमजोर होने के कारण उसका सर्वाइवल मुश्किल हो रहा था। चित्तौड़ा ने बताया कि, इस वर्ष के जुलाई माह में उस्ताद के पैर में सुजन एवं हड्डी बढ़ने लगी थी। जिस पर 4 चिकित्सकों की टीम गठित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यात्रा के दौरान दिल्ली में कई स्थानों पर राहुल का सुरक्षा घेरा टूटा'

कांग्रेस महासचिव ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर शिकायत की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर। कांग्रेस ने वर्तमान में चल रही भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सुरक्षा में कई बार हुई चूक होने का मुद्दा आज केन्द्र सरकार के समक्ष उठाया और यात्रा का नेतृत्व कर रहे राहुल गांधी को उचित सुरक्षा दिए जाने की मांग की।

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गृह मंत्री अमित शाह को लिखे एक पत्र में कहा कि शनिवार को यात्रा में कई मौकों पर सुरक्षा में चूक हुई। राहुल गांधी, जिनकी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी राष्ट्र विरोधी ताकतों द्वारा मारे गए थे, के समक्ष मौजूद खतरों को देखते हुए पार्टी द्वारा गृह मंत्री को लिखा गया पत्र मायने रखता है। इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थीं तब 31 अक्टूबर 1984 को उनकी हत्या कर दी गई थी और राजीव गांधी जब विपक्ष के नेता थे और एक चुनावी रैली को संबोधित करने जा रहे थे तब 21 मई 1991 को तमिल उग्रवादियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

पत्र में कहा गया है कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली दिल्ली पुलिस भारत जोड़ो यात्रा में आयी लोगों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और ज़ैड प्लस सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाने में विफल रही।

पत्र में आगे कहा गया है कि यह स्थिति इतनी गंभीर थी कि राहुल गांधी के साथ चल रहे भारत यात्रियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाना पड़ा पत्र में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली पुलिस इस दौरान "मूक दर्शक" बनी रही।

कांग्रेस ने यह आरोप भी लगाया कि यात्रा में भाग ले चुके लोगों से इन्टैलीजेंस ब्यूरो (आई.बी. पूछताछ करता रहता है।

- **वेणुगोपाल ने पत्र में यह भी लिखा कि, अब यात्रा, पंजाब व कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में जायेगी। अतः राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है।**
- **सुरक्षा व्यवस्था इतनी लचर है कि, सहयात्रियों को स्वयं राहुल गांधी के चारों ओर घेरा डालकर सुरक्षा की व्यवस्था करनी पड़ी।**
- **वेणुगोपाल ने यह भी शिकायत की कि, आई.बी. के कर्मचारी, भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े यात्रियों से लगातार पूछताछ भी कर रहे हैं।**
- **सोहना में कई पुलिसकर्मी, गैर-कानूनी तरीके से भारत जोड़ो यात्रा में काम आ रहे कन्टेनरों में घुसे। इस घटना की कांग्रेस ने एफ.आई.आर. भी लिखवाई है।**

वेणुगोपाल ने पुलिस में दर्ज एक प्राथमिकी का भी हवाला दिया जो कांग्रेस ने हरियाणा के गुड़गांव में दर्ज करवायी थी। यह शिकायत हरियाणा के स्टेट इंटैलीजेंस से संबंधित उन अज्ञात शरारती तत्वों को लेकर है जो भारत जोड़ो यात्रा के ट्रकों में अवैध रूप से घुस आए हैं।

पत्र में कहा गया कि भारत के प्रत्येक नागरिक को पूरे भारत में घूमने का संवैधानिक अधिकार है। इसमें आगे कहा गया कि "भारत जोड़ो यात्रा एक पदयात्रा है जो देश में शांति और सद्भाव कायम करने के लिए की जा रही है। सरकार को प्रतिशोधात्मक राजनीति नहीं करनी चाहिए और कांग्रेस नेताओं की रक्षा एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करना चाहिए।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सहित कांग्रेस नेताओं के देश की एकता की खातिर किए बलिदानों का जिक्र करते हुए पार्टी ने मांग की कि यात्रा जब पंजाब और जम्मू व कश्मीर में प्रवेश करे तब उसे और बेहतर सुरक्षा प्रदान की जाए।

पत्र में कहा गया कि "जनवरी से शुरू हो रहे अगले चरण में भारत जोड़ो यात्रा पंजाब और जम्मू कश्मीर जैसे संवेदनशील राज्यों में प्रवेश करने जा रही है। इस संदर्भ में मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ज़ैड प्लस सुरक्षा प्राप्त राहुल गांधी तथा भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने वाले नेताओं और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के कदम आप तुरन्त प्रभाव से उठाएं।"

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने मीडिया को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि यात्रा को रोकने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि "यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चाइनीज़ मांझे की 16 चरखियां जब्त कर नष्ट की गईं

बीदासर, 28 दिसम्बर (निसं)। चाइनीज़ मांझे से नागरिकों के घायल होने की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया तथा बुधवार को पालिका के कनिष्ठ अभियंता मुकेश

- **खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया बीदासर प्रशासन।**

कुमार स्वामी के नेतृत्व मे टीम ने बाजारों में खुले आम बिक रहे चाइनीज मांझे पर छापे मारकर अवैध चाइनीज मांझे की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है, बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

संबंधों की हत्या- तीव्र सामाजिक प्रदूषण एवं पतन कैसे रुके

आये दिन मीडिया में चोरी, डकैती, अपहरण, बलात्कार और हत्या के समाचार पढ़ कर मन बोझिल होता है। अभूतपूर्व रूप से विकसित इलेक्ट्रोनिक व प्रिंट मीडिया द्वारा द्रुतगति से प्रचार-प्रसार कर देना भी एक कारण है। अपराध पहले भी थे, परंतु उनकी जघन्यता एवं वीभत्सता इतनी सामान्यतः कभी नहीं थी। समय-समय पर कई देशों में कुख्यात डाकुओं की चर्चा रही है। पर कई कुख्यात दस्यु अपनी ईमानदारी, आदर्शों व सिद्धांतों के लिये विख्यात भी रहे हैं। लेडी रोबिनहुड, ठाकुर मानसिंह, फूलनदेवी व सुल्ताना डाकू आदि के नाम इतिहास की तरह चर्चित रहे हैं। लगभग सभी पर फिल्म भी बनी हैं। इन लोगों को डाकू के बजाय जनता बागी कहती रही है, याने विद्रोही। इनमें से अधिकांश ने समाज के अत्याचारों व शोषण के खिलाफ विद्रोह किया। इन लोगों का उस जाति, वर्ग और सम्प्रदाय के लोगों से ही अधिक वैर था जिन्होंने उन पर अत्याचार किया। कुछ ने औरतों पर कभी हाथ नहीं डाला। इसके विपरीत उन्होंने कई दीन-दुखियों व गरीबों की मदद की। यह सभी कुछ उनका प्रशस्ति गान नहीं है। वे अपराधी थे और अपराधी माने जायेंगे। इनमें से कई ज़मीन के झगड़ों से डाकू बने। और इन झगड़ों में अदालत का खर्च न उठाने के कारण बंदूक थाम ली। चंबल घाटी के कई डाकू इसी तरह बने। परन्तु आज कारण बदल गये हैं और तौर-तरीके भी।

आज लाखों-करोड़ों के घोटाले सफेदपोश तथा कथित सभ्य व संभ्रांत कहे जाने वाले व उच्च वर्ग के लोग हैं। ये उन डाकुओं से भी गये-गुज़रे हैं। क्योंकि इनका कोई आदर्श व सिद्धांत नहीं है और विशुद्ध स्वार्थ, केवल धन लिप्सा ही इनका ध्येय है। जनता का धन लूटते हैं, हर गलत कार्य करते हैं। जमीनों पर अतिक्रमण करते हैं, ज़हरीली शराब बनाते हैं। ये खाद्य पदार्थों में भी हानिकारक मिलावट करते हैं। कोई आतंकवाद फैलाता है या आतंकियों के माध्यम से हत्या करवाता है। गलत अफवाहें फैलाना और दंगे फ़साद, लड़ाई-झगड़ा तोड़-फोड़, हिंसा और लूटपाट कराना इनका काम है। ये उन डाकुओं से भी बदतर हैं।

दो दशाब्दियों पूर्व कुत्सित व घृणित अपराधों की संख्या कम थी। भोगवाद की संस्कृति पनपने के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार महिलाओं पर होने लगे। हिंदू सनातन धर्म में स्त्री पूज्या थी। वह पुरुष पर आर्थिक दृष्टि से आश्रित थी, परंतु निर्धनतम परिवारों में भी उसका सम्मान व उसका महत्वपूर्ण स्थान था। वह गृहलक्ष्मी तो थी ही, कई बार पुरुष को आर्थिक सम्बल भी खूब देती थी। अपहरण भी था, कभी-कभी बलात्कार व घरेलू हिंसा का भी वह शिकार होती थीं। परंतु संबंधों की पवित्रता व प्रगाढ़ता तथा संयुक्त परिवार की परम्परा के कारण संबंधों की हत्या की शिकार वह इतनी नहीं थी, जितनी आज है।

संयुक्त परिवार का विघटन हुआ है, इसके कई कारण हैं। पहले अधिकांश आबादी कृषि पर आधारित थी जो संयुक्त परिवार की धुरी थी। औद्योगीकरण के दौर में और प्रमुख रूप से शहरीकरण के कारण भी परिवार बिखरने लगे। उधर शिक्षा में सुधार न होने के कारण श्रम की निष्ठा व अन्य नैतिक मूल्यों का ह्रास हुआ। दूसरी और संचार क्रांति तथा आवागमन के साधनों में जल, थल, नभ में तीव्र गति से यंत्र चालित वाहनों के कारण भी बहुत परिवर्तन आया। सबसे अधिक परिवर्तन संचार तकनीक से हुआ। संचार व वाहन क्रांति ने दुनिया ही बदल दी। बढ़ती आबादी ने परिवार नियोजन की अवधारणा को जन्म दिया।

केन्द्र व राज्य सरकारें ज़बरन धर्म परिवर्तन पर अंकुश लगावें। पढ़े-लिखे लोग भी एक संतान अथवा निःसंतान की धारणा से बचें, संयुक्त परिवार के महत्व को समझें और संयुक्त न भी रह सकते हैं तो अपने बच्चों को सामाजिक निवेश और संबंधों की पवित्रता पर मार्ग निर्देशन दें।

हम दो, हमारे दो और अब हमारा एक अथवा एक भी नहीं का प्रचलन विशेष रूप से शिक्षित समाज में आया और जो संयुक्त परिवार पहले ही टूट रहे थे उनमें संबंधों का ज्ञान, उनका सान्निध्य, उनकी मधुरता और उनकी उपयोगिता विस्मृत होती गई। निश्चय ही संबंधों की पवित्रता भी क्षीण होने लगी। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते भी कलंकित होने लगे। यह भी सुनने में आया कि सगे भाई-बहन विवाह बंधन में बँधे। गर्लफ्रेण्ड, बोय फ्रेन्ड (महिला मित्र और पुरुष मित्र) की अनैतिक परम्परा खूब पनपने लगी। इनकी मर्यादा का अतिक्रमण होकर शारीरिक संबंध तथाकथित प्रगतिशील समाज में आम बात हो गई। इसे आधुनिकता माना जाने लगा। माता-पिता की व्यस्तता, उनकी लापरवाही तथा घर और बाहर संस्कार न मिलने के कारण लिव इन रिलेशनशिप (बिना विवाह साथ रहना) भी प्रचलित हुई। ड्रग्स व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री आदि पर पूर्ण नियंत्रण के अभाव व सरकारों की अकर्मण्यता और समाज के भ्रष्टाचार ने भी संबंधों की हत्या को बढ़ावा दिया।

प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या, अवैध संबंधों के कारण, व मादक पदार्थों के सेवन से पति-पत्नी की हत्या, तलाक, आदि बहुत बढ़ने लगे। निश्चय ही परिवार के सम्पदा के झगड़ों ने भी संबंधों की हत्या में योगदान किया। भावना से भगवान है और उसी भावना से संबंध भी बनते बिगड़ते हैं।

हमारे देश में स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता से जोड़ दिया गया है। उद्दंडता, उच्छृंखलता, और अनुशासन हीनता प्रत्येक स्तर पर स्थापित हो गई है। अनुशासन हीनता और नियम तोड़ना हमारी प्रकृति बन गई है। संबंधों की हत्या में कहीं न कही ये सभी सहायक हैं। इसके अतिरिक्त समुदायों में व्याप्त एक-दूसरे के प्रति घृणा भी घनीभूत हो रही है। एक ही समुदाय में संबंधों की हत्या के साथ दो समुदायों के लोगों द्वारा प्रेमी-प्रेमिका बनकर, पति-पत्नी बनकर अत्याचार एवं जघन्य व लोमहर्षक हत्याओं का प्रमुख कारण कहीं न कहीं धोखा देने व घृणा की भावना से संबंधित है। लगता है जैसे यह एक सोची-समझी साजिश है। यूं तो परिवार के प्रत्येक संबंध की हत्या के उदाहरण हैं परंतु मुख्यतः पति-पत्नी, प्रेमी-प्रेमिका के प्रसंग हैं। जिसे हम प्रेम कहते है, वह अधिकांशतः मात्र लैंगिक आकर्षण व शारीरिक सुख की इच्छा होती है। उसमें भावना की दृष्टि से समर्पण व त्याग की भावना नहीं होती। एक-दूसरे की सेवा तो दूर-दूर तक नहीं। हमारी शिक्षा ज्ञान प्रधान मात्र है और वह ज्ञान भी अधूरा। उसमें कर्म व भावना आवश्यक है। परंतु वह श्रम की निष्ठा के बजाय मात्र कमाना, और वह भी बिना श्रम किये, सिखाती है। भावना का सीधा संबंध नैतिक मूल्यों से है जो शिक्षा से पूर्णतः दूर है। प्रत्येक स्तर पर शिक्षा का स्वरूप बदल कर, हम इन हत्याओं को रोक सकते हैं। शिक्षकों व अभिभावकों को अधिकाधिक जागरूक होना होगा तथा विशेषतः प्रेम प्रसंगों में अधिक जागरूक होकर सावधानी बरतें यह आवश्यक है। प्रेम विवाह अथवा पारंपरिक अरेन्ज्ड विवाह की सफलता सेवा, प्रेम, त्याग तथा समर्पण के आधार पर निर्भर करती है। कहावत है– **'पानी पीजिये छानकर और मित्र बनायें जानकर'।** अतः महिला और पुरुष मित्र बनायें तो अच्छी तरह जान कर, समझ कर। परिणामों को देखते हुए अंतः समुदाय (हिंदू-मुस्लिम) विवाह से बचें। केन्द्र व राज्य सरकारें ज़बरन धर्म परिवर्तन पर अंकुश लगावें। पढ़े-लिखे लोग भी एक संतान अथवा निःसंतान की धारणा से बचें, संयुक्त परिवार के महत्व को समझें और संयुक्त न भी रह सकते हैं तो अपने बच्चों को सामाजिक निवेश और संबंधों की पवित्रता पर मार्ग निर्देशन दें।

कहीं पत्नी के, कहीं ताई के और कहीं प्रेमिका के दस, पैंतीस या, अधिक टुकड़े कर के रसोई के कचरे की तरह जंगल-तालाब में फेंकने के समाचार हृदय विदारक हैं। उन्हें फ्रिज में रखकर सहेजने व सुरक्षित रख के अपराध छिपाने के प्रयास किये जा रहे हैं। असहनीय है यह क्रूरता व नृशंस दानवता का यह कृत्य। क्या जनता, प्रशासन, सरकारें एवं न्यायपालिका इसके प्रति गंभीर है। अपराधी को दण्ड हेतु वर्षों-चलती प्रक्रिया से तो गंभीरता लगती नहीं और इसी कारण ऐसे कृत्यों में वृद्धि हो रही है। सभी पक्षों को सोचना है, जागना है, सतर्क और जागरूक होकर अपना-अपना कर्तव्य तीव्र गति से करना है, जिससे यह पाशविक प्रवृत्ति रोकी जाकर नेस्तनाबूद की जा सके। समाज के इस घोर प्रदूषण एवं पतन को रोकना ही होगा अन्यथा हमारे समस्त पारिवारिक संबंध ही नहीं, संपूर्ण मानवीयता का अस्तित्व ही समाप्त हो जायगा।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

(29 दिसंबर- गुरु गोविंद सिंह जयंती विशेष)

वीरता, साहस, शौर्य एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति गुरु गोविंद सिंह

पन्नालाल मेघवाल

- **गुरु गोविंद सिंह के दो पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहन्द के नवाब ने जिंदा दीवारों में चुनवा दिया था**

सिखों के आध्यात्मिक गुरु गोविंद सिंह का जन्म पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को हुआ था। आज गुरु गोविंद सिंह की जयंती है। आज देश में जगह-जगह खालसा पंथ की झांकियां निकाली जाती हैं। इस दिन खासतौर पर लंगर का आयोजन किया जाता है। आज के दिन पटना साहिब गुरुद्वारे में संगतों की भारी भीड़ उमड़ती है। गुरु गोविंद सिंह के जन्मोत्सव को सिख धर्म के लोग धूमधाम से मनाते हैं।

सिखों के दसवें आध्यात्मिक गुरु गोविंद सिंह वीरता, शौर्य, साहस, त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति थे। वे एक महान कर्म-प्रणेता, अद्वितीय धर्मरक्षक, निर्भय योद्धा, दार्शनिक एवं कवि थे। उनमें ज्ञान, त्याग, बलिदान, भक्ति एवं शक्ति का अद्भुत मिश्रण था। राष्ट्रधर्म की रक्षा, मानव समाज के उत्थान एवं नैतिक मूल्यों की रक्षा के प्रति दृढ़ संकल्पित थे।

गुरु गोविंद सिंह का जन्म पटना साहिब में हुआ था। उनके पिता का नाम गुरु तेग बहादुर सिंह और माता का नाम गुजरी था। उनके पिता सिखों के नवें गुरु थे। गुरु गोविंद सिंह का बचपन का नाम गोविंद राय था। जब उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिंह ने इस्लाम धर्म में परिवर्तित होने से इनकार कर दिया तब नवम्बर 1675 में औरंगजेब ने उनका सर कलम कर शहीद कर दिया तब मात्र 9 वर्ष के गुरु गोविंद सिंह को औपचारिक रूप से सिखों के दसवें गुरु के रूप में 11 नवंबर 1675 ईस्वी में गादी पर बैठाया गया।

गोविंद सिंह ने 1699 ईस्वी में वैशाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की। यही नहीं उन्होंने सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब को पूरा किया था। उन्होंने खालसा पंथ की रक्षा के लिए मुगलों और उनके सहयोगियों से चौदह युद्ध लड़े थे। उन्होंने अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए पूरे परिवार का बलिदान दिया। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत दी। वहीं अपने दो पुत्रों बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहन्द के नवाब ने जिंदा दीवारों में चुनवा दिया। गुरु गोविंद सिंह का 7 अक्टूबर 1708 ईस्वी में स्वर्गारोहण हुआ। इससे पहले उन्होंने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब ही अब से सिखों के स्थाई गुरु होंगे।

गुरु गोविंद सिंह ने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए हैं जिन्हें पंच ककार कहा जाता है। पांच चीजों को गुरु गोविंद सिंह के सिद्धांतों के अनुसार सभी खालसा सिखों को धारण करना होता है। गुरु गोविंद सिंह ने सिखों के लिए केश, कड़ा, कृपाण, कंघा, और कच्छा। इसके बिना खालसा वेश पूर्ण नहीं माना जाता है। केश सबसे पहले आते हैं। उन्होंने हर सिख के लिए कृपाण या श्री साहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया। वहीं गुरु गोविंद सिंह ने ही खालसा वाणी दी, जिसे वाहेगुरुजी का खालसा, वाहेगुरुजी की फतेह कहा गया।

गुरु गोविंद सिंह बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। उनके बारे में लिखा गया है- सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियों सों मैं बाज तड़ऊं, तबे गोविंद सिंह नाम कहाऊं। गुरु गोविंद सिंह की गिनती महान लेखकों और रचनाकारों में होती है। उन्होंने जाप साहिब, अकाल उस्तत, विचित्र नाटक चंडी चरित्र, शास्त्र नाम माला, अथ पंख्या चरित्र लिख्यते, जफरनामा और खालसा महिमा जैसी रचनाएं रची। विचित्र नाटक उनकी आत्मकथा माना जाता है। गुरु गोविंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम दसम ग्रंथ है।

गुरु गोविंद सिंह ने कहा था कि जहां पांच सिख एकत्र होंगे वहीं वे निवास करेंगे। गुरु गोविंद सिंह ने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर उनमें आत्म सम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को डरना नहीं चाहिए और न ही उसे दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने कहा कि मै काहू को देत नहि, नहि भय मानत आन। गुरु गोविंद सिंह का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग सत्य का मार्ग है। उनका मानना था कि गुरु के बिना किसी भी व्यक्ति को ईश्वर की प्राप्ति नहीं हो सकती है। प्रत्येक मनुष्य को जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

यदि आज भारत में सद्भाव, भाईचारा एवं धर्म स्थापित है तो उसका पूरा श्रेय गुरु गोविंद सिंह को जाता है। इस देश के साधु संत और महात्मा हमेशा अपने मठों में या मंदिरों में ही रहे। वे अपनी पूजा-पाठ और परंपराओं में ही उलझे रहे, समाज के लिए कुछ नहीं किया। जो लोग समाज सेवा करते थे और सच्चे सिपाही थे वह धर्म से कोसों दूर थे, उनके अंदर कोई साधुत्व नहीं था। तब गुरु गोविंद सिंह ने कहा था– मन में साधु बनो, व्यवहार में मधुरता लाओ और भुजाओं में सैनिक की वीरता लाओ। तब उन्होंने संत सिपाही का नारा दिया और वे स्वयं सबसे पहले संत सिपाही बने इसीलिए जब भी कोई व्यक्ति गुरु गोविंद सिंह का नाम सुनता है तो उनकी संत-सिपाही की छवि सामने आ जाती है।

पन्नालाल मेघवाल,
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार।

पटवार भवन में परिवार सहित रह रहा कब्जाधारी

उनियारा, (निसं)। राजस्व विभाग तथा उच्चाधिकारियों की लापरवाही के चलते हुए नगरफोर्ट तहसील मुख्यालय सहित क्षेत्र की सिवायचक भूमि, चारागाह भूमि सहित सरकारी भूमि पर अतिक्रमण होना अब आम बात हो गई है। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद भी तहसील के उच्चाधिकारी तथा पटवारी अपना ध्यान देना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। ऐसा ही एक बड़ा मामला सामने आया कि रानीपुरा ग्राम पंचायत के विजयनगर (कारोलाई) में लाखों रुपए की लागत से बने पटवार भवन पर गांव के एक व्यक्ति ने 20 साल से कब्जा कर अपना निज आवास बना रखा है। जिसकी जानकारी तहसीलदार, पटवारी सहित अन्य को होने पर भी मामला ज्यों का त्यों ही बना हुआ है। हद तो तब हो गई जब कब्जाधारी व्यक्ति भवन में अपने परिवार सहित कब्जा कर रहने लगे है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने 20 साल पहले पटवार भवन का निर्माण करवाया था। जिसमें निर्माण के बाद से एक बार भी पटवारी पटवार भवन में नहीं बैठा है। सबसे बड़ी बात यह देखने में मिल रही है कि आमजनों को अतिक्रमण हटवा कर राहत पहुंचाने वाला विभाग ही आज अपनी सम्पत्ति को अतिक्रमण से मुक्त करने में बौना साबित हो रहा है। जिससे सरकार को लाखों रूपये की चपत लगने की संभावना बनी हुई है।

मालपुरा में 138वां स्थापना दिवस मनाना भूले कांग्रेसी

- **ब्लॉक कार्यालय के नहीं खुले ताले**
- **सोशल मीडिया पर भी नहीं दिखी कांग्रेस नेताओं की पोस्ट**

मालपुरा, (निसं)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के 138वें स्थापना दिवस पर देश-प्रदेश व जिले सहित ब्लॉक स्तर तक कार्यालयों में झण्डा लहराने एवं स्थापना दिवस मनाए जाने के संगठन के आदेशों के बावजूद मालपुरा में ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर ताले लटके रहे। कांग्रेस संगठन की ओर से सम्पूर्ण ब्लॉक में कही कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। मालपुरा विधानसभा क्षेत्र से भी दर्जनों कांग्रेस के नेता भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो राहुल गांधी के साथ फोटो खिंचवा सोशल मीडिया पर राहुल को मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के राजनैतिक हालातों से परिचित करवाया। 2023 में मालपुरा विस. में कांग्रेस का विधायक बनाने के दावे किये जा रहे हैं।

मालपुरा नगरपालिका में कांग्रेस का बोर्ड होने व टोंक जिला मुख्यालय से कांग्रेस विधायक होने के बावजूद मालपुरा में पार्टी के स्थापना दिवस पर किसी प्रकार का कोई आयोजन होना तो दूर सोशल मीडिया पर भी कांग्रेस के सफेद पोश नेताओं द्वारा एक भी बधाई संदेश तक पोस्ट नहीं किया गया।

आखिर कैसे मजबूत होगी कांग्रेस, आखिर कैसे मालपुरा विधानसभा में जीतेगी कांग्रेस, प्रदेश में कैसे बनेगी कांग्रेस की सरकार यह सब सवाल मालपुरा शहर की चौपाटियों पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। मामले को लेकर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामदेव बैरवा से पूछा गया तो ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि उनके पास संगठन के कोई निर्देश नहीं हैं। इसीलिए कोई कार्यक्रम नहीं मनाया गया। ब्लॉक अध्यक्ष के इन बयानों में कितनी सच्चाई है यह तो जिलाध्यक्ष अथवा पीसीसी ही जाने।

शिल्पग्राम उत्सव में पं. विश्वमोहन भट्ट तथा अनवर खां मांगणियार ने प्रस्तुति दी

'केसरिया बालम' सुना कर राजस्थान की अनूठी संस्कृति से परिचित करवाया

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम उत्सव में बुधवार को मुक्ताकाशी रंगमंच पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तथा ग्रैमी अवार्ड से सम्मानित पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भट्ट तथा लोक गायकी के सिद्धकंठी पद्मश्री अनवर खां मांगणियार द्वारा मोहन वीणा वादन और गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं उत्सव में ही शिल्प वस्तुओं की खरीददारी का सिलसिला जोरों पर रहा। नवें दिन 'लोक धार' में लोक कला प्रस्तुतियां होगी।

उत्सव के आठवें दिन हाट बाजार में कलात्मक वस्तुओं की खरीददारी का सिलसिला मंगलवार की तरह परवान पर रहा । दिन में बंजारा मंच पर कालबेलिया, चकरी, कच्छी घोड़ी, भपंग वादक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। शिल्पग्राम उत्सव पर फोटो प्रतियोगिता हुई जिसकी प्रविष्ठियां 31 दिसम्बर तक ली जायेंगी।

लगभग 85 देशों में मोहन वीणा तथा विश्व वीणा से लोगों को मंत्रमुग्ध करने वाले प. भट्ट के साथ सबसे पहले अनवर खां की चिरपिरिचित आवाज में 'केसरिया बालम' सुना कर राजस्थान की अनूठी संस्कृति परिचित करवाया। इसके बाद 'झिरमिर बरसे मेघ' से वर्षा ऋतु में बूदों की छम छम का आभास अपने संगीत से करवाया। इसके बाद राग किरवानी में निबद्ध लोक गीत 'हिचकी' में यादों का सुरीला अहसास करवाया।

कार्यक्रम में भजन 'पायो जी मैने राम रतन धन पायो' की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे तथा लोगों ने करतल ध्वनि से दोनों विभूतियों का अभिवादन किया। इसके बाद राग बागेश्री में रचित तथा बाबा रामदेव की आराधना में कामड़ जाति के लोगों द्वारा गाया जाने वाला भजन 'हेलो म्हारो सुणो..' सुरीली पेशकश बन सकी।

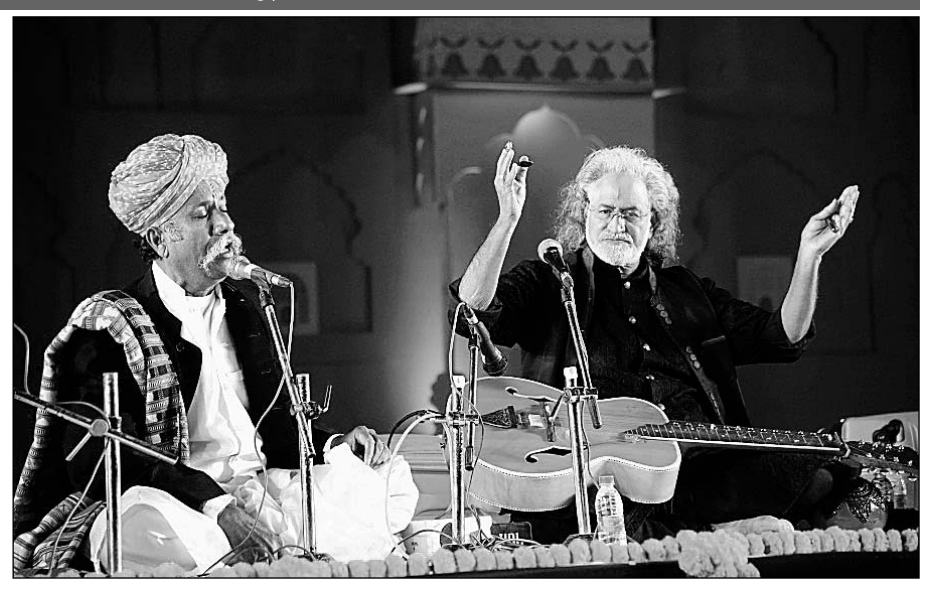

शिल्पग्राम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पं. विश्वमोहन भट्ट व अनवर खां मांगणियार ने प्रस्तुति दी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 29 दिसम्बर, 2022

पौष मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र दिन 11:44 तक, व्यतिपात योग दिन 11:45 तक, गर करण प्रातः 8:01 तक, चन्द्रमा मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृष, बुध-मकर, गुरू-मीन, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा सांय 7:18 से शुक्रवार प्रातः 6:56 तक रहेगी। बुध वक्री दिन 3:00 पर होगा। शुक्र मकर राशि में सांय 4:03 पर प्रवेश करेगा। आज गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती, व्यतिपात पुण्य और पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:36 तक, चर 11:11 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:03 तक, शुभ 4:21 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:39

मेष

पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। आज वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कर्क

धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

'किसान और नौजवान कौम को एकजुट रहकर जन विरोधी कांग्रेस सरकार को 2023 में विदा करना हैं'

जयपुर/झुंझनूं। वीरों की धरती झुंझुनूं जिले के खेतड़ी में जन आक्रोश महासभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित करते हुये कहा कि, कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के शासन में 18 हजार से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम करके राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने वादाखिलाफी की पराकष्ठा की है, अब 2023 में किसान सरदारी का यही आक्रोश राजस्थान से कांग्रेस के पतन का कारण बनेगा।

खेतड़ी में जन आक्रोश सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित किया।

- मां-बाप परिश्रम करते हैं, उधार लेते होंगे, खेत गिरवी रखते होंगे, लेकिन उस दिन आपके दिल पर क्या गुजरी होगी जब बच्चा परीक्षा देने गया और पता लगा कि पेपर लीक हो गया, क्या यह पाप नहीं है : डॉ.सतीश पूनियां

उन्होंने कहा कि इस सभा में किसान सरदारों के बीच में, नौजवानों के बीच में अमर शहीद रामकुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं। और आज पहली बार नहीं आया, बरसों बरस शहादत को नमन करने का यह अटूट रिश्ता शायद ऊपर वाले ने बनाया है। मेरे छोटे भाई समान धर्मपाल को इस शानदार आयोजन के लिये धन्यवाद देता हूं कि जिन्होंने मुझे एक पवित्र शहादत के स्थान पर बुलाया है। किसान सरदारों, नौजवान भाइयों आप लोग कितनी बड़ी ताकत और तादाद में आए, आपके मन में बहुत सारी उत्कंठाएं भी हैं, बहुत सारे प्रश्न हैं, बहुत सारी जिज्ञासा है और मन में बहुत सारा आक्रोश भी रहा होगा।

पूनिया ने कहा कि मैं देख रहा हूं कि बहुत सारी यहां पर किसान बिरादरी है, मैंने जब तिरंगे का नाम लिया, आपके चेहरे पर खुशी आई, आपके चेहरे पर ओज आया, आपके रोंगटे खड़े हो गए, क्यों ना होते, इतने सारे लोग हो, कोई ऐसा शख्स नहीं है जो कि तिरंगे का मान नहीं करता हो। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से आज किसान सम्मान निधि 6 हजार रुपए साल के कोई कल्पना नहीं कर सकता, किसान के सीधे खाते में पैसे जमा हो जाएं, बैंक का खाता आज तो साधारण लगता है, लेकिन 2014 से 2022 के बीच में 45 करोड बैंक के खातों ने भ्रष्टाचार पर भी अंकुश खड़ा किया और गरीब को उसके हक का पैसा सीधे खाते में पहुंचाया।

उन्होंने कहा कि आज में एक ऐसी किसानों की पंचायत में खड़ा हुआ हूँ, किसी से पूछूं कि 2018 में ऐसे भी लोग थे जिन्होंने यह कहा था कि 10 तक गिनती गिनेंगे और राजस्थान के सभी किसानों का पूरा कर्जा माफ कर दूंगा, किसी एक भी किसान का कर्जा माफ़ हो गया हो तो बताइए, प्रदेश के किसान राहुल गांधी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस झांसे में आ गये। मैंने विधानसभा में एक सवाल लगाया था और विधानसभा में राज्य सरकार को पूछा था कि कितने किसानों की जमीनें नीलाम हुई, इसी कांग्रेस पार्टी की सरकार का जवाब था कि 18 हजार से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम हो गयी, मैंने एक और सवाल पूछा कि कितने किसानों ने आत्महत्या की, उन्होंने आंकड़ा बताया कि लगभग 300 किसानों ने राजस्थान में कर्ज के कारण आत्महत्या कर ली। प्रदेश में 70 लाख बच्चों ने परीक्षा दी और नौकरी कितनों को दी है, 1 लाख से नीचे का आंकड़ा मुख्यमंत्री बताते हैं और 69 लाख बच्चों और उनके परिजनों पर क्या बीतती होगी। आप परिश्रम करते हो, उधार लेते हो, खेत गिरवी रखते हो, कुछ भी करते होंगे, लेकिन शहर में इस उम्मीद के साथ भेजते होंगे कि बच्चे को रोजगार मिलेगा, उस दिन आपके दिल पर क्या गुजरी होगी जब परीक्षा देने गया होगा और आपको पता लगा कि बच्चे का पेपर लीक हो गया, क्या यह पाप नहीं हैं।ब हनुमानगढ़ के नोहर में एक बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, जब पर्चा लीक हुआ तो उसने कहा कि मैंने इतनी मेहनत की थी मैं अपने मां-बाप को क्या मुंह दिखाऊंगा, इसलिए वह अपनी जिंदगी से खेल गया। आप लोगों को मजबूती के साथ में खड़ा होना होगा, क्योकि राजस्थान के साथ अब अन्याय बहुत हो लिया कांग्रेस सरकार में, यह अन्याय अब और ज्यादा नहीं सहेंगे, वो लोक-लुभावन बातें करेंगे, झूठ बोलेंगे, पाखंड करेंगे। मैं आपको सच कहने और जगाने के लिये आया हूं, यही जन आक्रोश है, कांग्रेस सरकार का बदलना तय है 2023 में, जो किसानों और युवाओं के इरादे से बदलेगी, मुझ पर आप निरंतर ताकत और आशीर्वाद बनाये रखें। इतने वर्षों में समझ जाओ कि आप कि कांग्रेस शासन में यह लूट और झूठ का खेल है, इसे बंद करेंगे।

पूनिया ने कहा कि कांग्रेस के लोग कोई भी बातें करेंगे, कोई भी नारे लगाएंगे, कुछ भी घोषणा करेंगे, वह सब थोती होंगी, उनकी तरफ ध्यान देने की जरुरत नहीं है, किसान और नौजवान कौम को एकजुट रहना है और जनविरोधी कांग्रेस सरकार को 2023 में विदा करना है।

जाम्बिया में भारतीय उच्चायुक्त से की राजस्थान में निवेश पर चर्चा

- जाम्बिया में भारतीय उच्चायुक्त अशोक कुमार ने राजस्थान चैम्बर के सदस्यों के साथ निवेश एवं द्विपक्षीय व्यापार विकास पर वृहद चर्चा की

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एन्ड इण्डस्ट्री में जाम्बिया में भारतीय उच्चायुक्त अशोक कुमार ने राजस्थान चैम्बर के सदस्यों के साथ भारत एवं विशेषकर राजस्थान में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की एवं दोनों देशों के मध्य आयात और निर्यात की अपार संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर राजस्थान चैम्बर के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने राजस्थान चैम्बर में जाम्बिया में भारतीय उच्चायुक्त का साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया एवं कहा कि जाम्बिया के साथ मुख्यत: जेम एण्ड ज्वैलरी स्टील खनिज पदार्थ खाद्य कृषि व कृषि आधारित उद्योग, दुग्ध उत्पादन आदि क्षेत्रों से जुड़े व्यापारियों के लिए व्यापार की अपार संभावनाएं हैं। इसके अलावा उन्होंने निवेश की रणनीति पर भी अपने विचार रखे।

जान्विया में भारतीय के उच्चायुक्त ने राजस्थान के उद्योगपतियों को वहाँ निवेश की संभावनाओं की जानकारी देते हुए वहाँ निवेश करने हेतु आमंत्रित किया तथा उद्योगपतियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि जाम्बिया में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इस अवसर पर राजस्थान चैम्बर के अध्यक्ष डॉ. के. एल. जैन ने राजस्थान की आर्थिक, व्यापारिक नीति और पर्यटन के संबंध के साथ ही राजस्थान चैम्बर की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर राजस्थान चैम्बर के सदस्यों के अलावा जैम एण्ड ज्वेलरी एवं डेयरी व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों ने जाम्बिया में निवेश की संभावनाओं की चर्चा की। जाम्बिया में भारतीय उच्चायुक्त ने चैम्बर के सदस्यों को डेलिगेशन लेकर आने के लिए आमंत्रित किया।

इस अवसर पर राजस्थान चैम्बर के उपाध्यक्ष आर एस जैमिनी, राजीव जैन, मानद महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. अरुण अग्रवाल, महासचिव आनंद महरवाल, आर पी बटवाडा एन के जैन एवं लोटस डेयरी के अमित अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे तथा व्यापार व निवेश की संभावनाओं पर विचार विमर्श किया।

'लोग पूछते हैं कि गहलोत-पायलट का क्या हुआ, तो हमें चुप्पी साधनी पड़ती है'

मोहन प्रकाश बोले, " ऐसे में सरकार की योजनाओं को लेकर चर्चा बंद हो जाती है"

- अधिवेशन में पायलट को बोलने का मौका नहीं दिया, स्वागत भी अंत में कराया गया
- एक ओर अनुशासन का पाठ पढ़ाया जा रहा था, तो दूसरी ओर बयानबाजी का दौर जारी था
- भाषणों में गहलोत को सरकार रिपीट का भरोसा, तो कार्यकर्ताओं ने सरकार की पोल खोली

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर में कांग्रेस अधिवेशन के दौरान जहां राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने राजस्थान में अनुशासन को प्राथमिकता देने की बात की, वही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोई भी सरकार के खिलाफ बात नहीं करें कि सरकार रिपीट नहीं होने वाली। लेकिन इन सब बातों से उलट कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता मोहन प्रकाश ने कहा कि हम जब लोगों से राजस्थान सरकार की चिरंजीवी योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बात करते हैं,तो उसके बाद अचानक कोई व्यक्ति बोल उठता है की योजनाएं तो ठीक है, लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट का क्या होगा। इसके बाद हमें चुप होना पड़ता है। यानी की पूरी की पूरी चर्चा और फीडबैक अशोक गहलोत और सचिन पायलट के झगड़े पर आकर ठहर गया।

दरअसल जिस दिन से राजस्थान में प्रभारी पद पर सुखजिंदर सिंह रंधावा आए हैं, वह अनुशासन को लेकर लगातार कह रहे हैं, कि उनके लिए अनुशासन सबसे पहले है, उसके बाद बाकी सारी बातें हैं। जब तक राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा चली,तब तक अनुशासन नजर भी आया, लेकिन भारत जोडो यात्रा के राजस्थान से गुजरने के साथ ही नेताओं की बयानबाजी शुरू हो चुकी है। जिनमें हरीश चौधरी, बद्री जाखड़ तो शामिल है ही, वहीं बुधवार को मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने भी पेपर लीक प्रकरण में सरकार पर निशाना साध दिया है। ऐसे में यह तो तय है कि अनुशासन किस तरह और कितना पार्टी में है, नजर आ चुका है।

इस बीच जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में रखे गए कांग्रेस अधिवेशन के दौरान जहां सबको साथ लेकर चलने की बातें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने की और दावा किया कि यदि सभी की बातें सुनी जाए और कार्यकर्ताओं की बात की जाए तो कोई कारण नहीं कि सरकार रिपीट नहीं हो सकती।

वही प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने राजस्थान में अनुशासन की पालना को लेकर बड़ी बातें की, वही कहा कि जिसे भी शिकायत हो वह मुझे सीधे बात कर सकता है, तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी कहा कि किसी को भी इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट नहीं हो रही।

इन सब बातें और भाषणों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता मोहन प्रकाश ने कहा कि कांग्रेस चाहे जितने प्रयास कर ले जब तक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमे के बीच कोई राजनीतिक हल नहीं खोजा जाएगा तब तक राजस्थान में कांग्रेस सरकार का रिपीट होना शायद संभव नहीं होगा।

वैसे भी मंच पर जिस तरह से सिर्फ तीन नेताओं प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर गोविंद सिंह डोटासरा प्रभारी के तौर पर सुखजिंदर सिंह रंधावा और मुख्यमंत्री के तौर पर अशोक गहलोत की ही भाषण हुए और अन्य नेताओं को बोलने का मौका नहीं देकर पहले से तय किए हुए प्रतिनिधियों को मंच पर बोलने का मौका दिया गया।

यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि राजस्थान के तमाम मंचों पर सचिन पायलट को मौका दे दिया जाता रहा है,वही बुधवार को अधिवेशन में सचिन पायलट को बोलने का ना तो मौका दिया गया और जब अभिनंदन और स्वागत की बात हुई, तो भी अंत में उनका स्वागत किया गया। ऐसे में अधिवेशन के बाहर निकलते हुए अधिकांश लोगों की जुबान पर यही चर्चा थी कि आखिरकार सचिन पायलट को बोलने का मौका क्यों नहीं दिया गया। क्या कारण रहा कि सचिन पायलट का स्वागत भी सबसे अंत में किया गया।

इसी तरह से एक चर्चा और रही कि जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाषण दे रहे थे,उस दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा लगातार सचिन पायलट से चर्चा कर रहे थे। ऐसे में कांग्रेस नेताओं से लेकर कांग्रेस पदाधिकारी और अन्य कार्यकर्ता भी लगातार कंफ्यूज रहे कि जिन सचिन पायलट को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा और जिन सचिन पायलट का स्वागत सबसे अंत में किया गया। आखिरकार मंच पर मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान प्रभारी उनसे बात करके क्या संदेश देना चाहते हैं।

मोतीडूंगरी गणेशजी को लगाया पौषबड़े का भोग

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में पौष बड़ा महोत्सव बुधवार को मनाया गया। मंदिर महंत कैलाश शर्मा के सान्निध्य में हजारों श्रद्धालुओं को दौना प्रसादी वितरित की गई। दोपहर से शुरू हुआ प्रसाद वितरण का सिलसिला रात्रि नौ बजे तक चला।

नकल गिरोह के सरगना ने 3-4 माह पूर्व खरीदी थी करोड़ों की प्रोपर्टी

- पुलिस ने आरोपी भूपेन्द्र की पत्नी व प्रेमिका समेत गिरफ्तार 6 लोगों में से पांच को रिमांड पर लिया, एक आरोपी को जेल भेजा

जयपुर, (का.सं.)। द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती पेपर लीक गिरोह के मास्टर माइंड भूपेन्द्र सारण की पत्नी, उसके भाई की पत्नी और प्रेमिका सहित गिरफ्तार छह आरोपियों में से 5 को पुलिस ने चार दिन के रिमांड पर लिया है, जबकि एक आरोपी को जेल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से कई विश्वविद्यालयों व कॉलेजों की 40 से ज्यादा फर्जी डिग्रियां व सर्टिफिकेट बरामद किये थे।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी भूपेन्द्र व उसके भाई गोपाल सारण ने तीन-चार माह पहले बगरू इंडस्ट्रीयल एरिया में 1500 वर्ग मीटर जमीन पर बनी हुई फैक्ट्री खरीदी थी। जहां पर यह लोग भी अपना कुछ काम शुरू करने वाले थे। करोड़ों रुपये की इस प्रॉपर्टी का खुलासा होने के बाद जयपुर पुलिस टीम आरोपियों से अन्य जानकारियां जुटाने में लगी है। यह जानकारी उदयपुर पुलिस के साथ ही साझा की जायेगी।

ज्ञात रहे कि जयपुर कमिश्नरेट की पुलिस टीम ने मंगलवार को करणी विहार क्षेत्र स्थित मकान पर दबिश देकर भूपेन्द्र सारण के 5 परिजनों भूपेन्द्र की पत्नी एलची सारण, उसके भाई गोपाल की पत्नी इंदुबाला, मोटाराम, दिनेश कुमार खीचड़, रमेश कुमार खीचड़ को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इनके घर से राजस्थान यूनिवर्सिटी समेत कई राज्यों के विश्वविद्यालयों व कॉलेजों की 18 मार्कशीट जब्त की थी। इसी प्रकार भूपेंद्र की प्रेमिका प्रियंका विश्नोई के मानसरोवर स्थित मकान पर तलाशी में श्रीनगर की इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड वोकेशनल ट्रेनिंग बड़गांव (जम्मू-कश्मीर) की 9 मार्कशीट, हिमालय यूनिवर्सिटी ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश) की 3 मार्कशीट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग नागपुर की 8 मार्कशीट तथा ओपीजेएस यूनिवर्सिटी चुरू की दो मार्कशीट बरामद हुईं थी।

प्रदेश में सात नए करोना संक्रमित मिले

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को तीन जिलों में 7 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच केवल 2 ही मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 88 हो गए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में 5 तथा प्रतापगढ़ और उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले राज्य में मंगलवार को मात्र एक ही मरीज पाया गया था। इधर आज जयपुर में जवाहर नगर और वैशाली नगर में 1-1 नया मरीज मिला है। वहीं 3 संक्रमितों का पता गलत होने पर उन्हें ट्रेस नहीं किया जा सका है। राज्य में बुधवार को 8 हजार से ज्यादा जांचे की गई है।

हालांकि इस बीच प्रदेश में केवल 2 मरीज ही ठीक होने से एक्टिव केस बढ़कर 88 हो गए हैं। इनमें जयपुर में 73 लोगों का इलाज चल रहा हैं। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

685 नवीन पद सृजित

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 10 चिकित्सा महाविद्यालयों में विभिन्न श्रेणी के चिकित्सकों के 685 नवीन पदों के सृजन को मंजूरी प्रदान की है।

'पेपर लीक की हो सीबीआई जाँच'

जयपुर। भाजपा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पुलिस की छापेमारी से कुछ हासिल नहीं होगा, क्योंकि भूपेन्द्र सारण और सुरेश ढाका एसओजी की मिलिभगत से सुरक्षित जगह पर पहुंच चुके हैं। जिस अधिकारी ने दोनों की मदद की है उसका नाम मैं पहले ही एडीजी अशोक राठौड़ को दे चुका हूं। पेपर लीक में दोनों की लिप्तता रात को ही सामने आ गई थी तो तुरंत गिरफ्तार क्यों नहीं किया? दोनों को भागने का मौका क्यों दिया गया? पुरानी मिलिभगत की पुख्ता सूचना होने के बाद भी एडीजी ने अधिकारी पर कार्रवाई क्यों नहीं की?

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 2023 के लिए भारत सरकार का कैलेंडर जारी किया

जयपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज वर्ष 2023 के लिए भारत सरकार का आधिकारिक कैलेंडर जारी किया। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने कहा कि कैलेंडर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के भरोसे का प्रतिबिंब है।

- कैलेंडर की 11 लाख प्रतियां छापी जाएंगी, 2.5 लाख क्षेत्रीय भाषाओं में होंगी
- 13 भाषाओं में छापा गया कैलेंडर देश भर के सभी सरकारी कार्यालयों और पंचायतों में वितरित किया जाएगा

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को वर्ष 2023 के लिये भारत सरकार का अधिकारिक कैलेंडर जारी किया।

उन्होंने जोशपूर्ण तरीके से आगे बढ़ रहे भारत को दर्शाने वाली 12 छवियों के एक प्रभावशाली संग्रह वाले कैलेंडर की सराहना की। उन्होंने कहा कि 12 महीनों के लिए 12 थीम सरकार द्वारा लोक कल्याण के लिए किए गए ज़ोरदार प्रयासों की एक झलक है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने याद दिलाया कि कैलेंडर को दो साल के अंतराल के बाद वास्तविक रूप से कागज पर मुद्रित किया जा रहा है, जबकि दो वर्ष तक कैलेंडर केवल डिजिटल रूप में लाया गया। ठाकुर ने इसे सरकार की सर्वश्रेष्ठ कृतियों में से एक बताते हुए कहा कि इस वर्ष कैलेंडर डिजिटल और भौतिक दोनों रूपों में उपलब्ध है जो सरकार के प्रयासों व कल्याणकारी उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए एक प्रसार माध्यम होगा। उन्होंने कहा कि इस संदेश के वितरण का उद्देश्य देश में सभी पंचायतों को कैलेंडर वितरित करके जमीनी स्तर तक ले जाना है।

हम अखंड भारत के पुजारी : निम्बाराम

जयपुर। स्वाधीनता संग्राम 1857 से शुरू हुआ। आजादी की बलिवेदी पर लाखों प्राण प्रसून चढ़े हैं। सेठ साहूकारों से लेकर किसान,मजदूर, जनजातीय समाज व पुरूष ही नहीं महिलाएं भी इसमें शामिल थीं। तीन लाख से अधिक लोगों ने यह स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। महात्मा गांधी तो 1915 में आए। इससे पहले डॉ.हेडगेवार स्वयं क्रांतिकारियों के नेता थे, जिन्होंने आगे चलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। जो लोग आज भारत जोड़ने की बात करते हैं, तो सवाल उठता है कि तोड़ा किसने। हम अखंड भारत के पुजारी हैं। विभाजन केवल राष्ट्र का ही नहीं हुआ बल्कि राष्ट्र गीत वंदेमातरम का भी हुआ और राष्ट्र का ध्वज भी बदल दिया गया। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने जयपुर में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में व्यक्त किए।

लेखक याजवेंद्र यादव द्वारा लिखित पुस्तक 'तुष्टिकरण की यात्रा 1921-2021-सैक्युलर्स एंड लिबरल्स' पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा यह पुस्तक एक प्रकार से शोध ग्रंथ है।

NAME CHANGE

I have changed my name from Ramesh Chand to Ramesh Chand Bhatia S/o Udho Dass Bhatia for all purpose. Resi.: 2/421, Jawahar Nagar, Jaipur

मैंने मेरा नाम हरीश कुमार से बदलकर हरीश बालानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी परिवर्तित नाम से जाना व पहचाना जाए। हरीश बालानी पुत्र जमनादास, तेली दरवाजा रोड, पोस्ट ऑफिस के सामने, सांभरलेक, जिला जयपुर (राज.)

PUBLIC NOTICE

Our House No-250/9, Pratap Enclave, Pratap Nagar Jaipur, RHB Original Allotment No - 1219 Issue Dated - 10/06/2009,are Lost Date..... if Meet any Person Contact-Pulkit Singhal & Harshit Singhal, Mobile No-9166888997

खोया पाया

आवास संख्या 124/258 मानसरोवर जयपुर का मूल अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। हेमलता, मो. 9983727879

हमारे मकान 32/186 प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर के Allotment Letter एवं Possession Letter कहीं खो गये है कृपया मिलने पर सूचित करें। विनीत पारीक, एकता पारीक 9982008880

राजस्थान आवासन मंडल, वृत प्रथम, प्रताप नगर जयपुर
क्रमांक: 13168 जाहिर आम सूचना दिनांक 28.12.2022
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 29/F-51(GF) (LIG), (एरिया 29.771 वर्गमीटर) का आवंटन श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव पत्नी स्व. श्री हरीशचन्द श्रीवास्तव को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 9923 दिनांक 12.12.2014 को जारी किया गया था। श्रीमती पुष्पा श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 22.07.2020 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री संजीव श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री हरीश चन्द श्रीवास्तव द्वारा आवासन मण्डल मे फ्लैट पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत: उक्तफ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री संजीव श्रीवास्तव पुत्र स्व. श्री हरीशचन्द श्रीवास्तव का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। **भवदीय**
संपदा प्रबंधक, वृत्त प्रथम, राज. आवा. मं. जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/5630 दिनांक-27.12.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा 15 प्रतिशत विकसित भूखण्ड संख्या 11/183, मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 162.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री बाबू नारायण पुत्र श्री हरिनारायण शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 0109 दिनांक 27.09.1996 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त भूखण्ड का भौतिक कब्जा दिनांक 28.09.1996 को प्राप्त कर लिया गया था। श्री बाबू नारायण पुत्र श्री हरिनारायण शर्मा के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्री सीताराम शर्मा एवं श्रीमती मिथलेश शर्मा को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 01.12.1999 को करवाया गया। श्रीमती मिथलेश शर्मा की मृत्यु दिनांक 20.01.2021 को हो जाने के कारण इनके पति/पुत्र श्री सीताराम शर्मा पुत्र श्री वृद्धि चन्द शर्मा एवं श्री समीर शर्मा पुत्र श्री सीताराम शर्मा ने 1/2 अविभाजित हिस्से का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त भूखण्ड के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री सीताराम शर्मा पुत्र श्री वृद्धि चन्द शर्मा एवं श्री समीर शर्मा पुत्र सीताराम शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(प.दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक-एफ6()उपा. राज-द्वितीय(सा.प्र.)/ननिज/2022/1630
सार्वजनिक सूचना दिनांक-28/12/2022
मूल भूखण्ड संख्या ए-22, मोती डूंगरी योजना, जयपुर का अर्बन इम्प्रूवमेंट बोर्ड, जयपुर द्वारा मेजर मलकित सिंह (एम.एस.जर्ग) के नाम से क्षेत्रफल 1567.2 वर्गगज भूमि का आवंटन एवं पट्टा जारी किया गया था। दिनांक 31.08.1965 को श्री एम.एस.जर्ग बहैसियत मुख्त्यारखास श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी श्री एम.एस.जर्ग द्वारा भूखण्ड संख्या ए-22, मोती डूंगरी योजना, जयपुर श्री महेश चन्द्र गोयल पुत्र श्री लुणकरण गोयल को बेचान किया गया। दिनांक 09.02.1966 को इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या ए-22, मोती डूंगरी योजना, जयपुर श्री एम.सी.गोयल के नाम से नाम हस्तान्तरण जारी किया गया। दिनांक 11.08.1966 को श्री महेश चन्द्र गोयल द्वारा भूखण्डसंख्या ए-22, मोती डूंगरी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 1567.2 वर्गगज श्रीमती ललिता जैन पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र जैन एवं श्री प्रकाश चन्द्र जैन पुत्र श्री राय शाहिब गुलाब चन्द्र जैन को बेचान किया गया। दिनांक 30.10.2013 को श्रीमती ललिता जैन पत्नी श्री प्रकाश चन्द्र जैन एवं श्री प्रकाश चन्द्र जैन पुत्र श्री राय शाहिब गुलाब चन्द्र जैन द्वारा भूखण्ड संख्या ए-22 मोती डूंगरी योजना, जयपुर क्षेत्रफल 1567.2 वर्गगज श्री आदित्य जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द्र जैन के पक्ष में रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड का निष्पादन किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड विक्रय पत्र, नाम हस्तान्तरण पत्र, रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री आदित्य जैन पुत्र श्री प्रकाश चन्द्र जैन के पक्ष में क्षेत्रफल 1567.2 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तान्तरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी। (सोहन राम चौधरी)
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

भाजपा नेता प्रशांत परमार के बेटे की अपहरण के बाद हत्या

नगर निगम ग्वालियर के कर्मचारी कर्ण वर्मा पर लगा हत्या का आरोप

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के बाड़ी विधानसभा के भाजपा के नेता और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की टिकट पर बाड़ी से विधायक पद की दावेदारी जता रहे प्रशांत परमार के बेटे प्रखर परमार की अपहरण के बाद हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

प्रशांत परमार के ग्वालियर जिले में कई कॉलेज संचालित हैं। प्रखर के अपहरण और हत्या का आरोप नगर निगम ग्वालियर के कर्मचारी करन वर्मा पर लगा है। आनन-फानन में पुलिस ने करन वर्मा के साथ उसके दो सहयोगियों को हिरासत में ले लिया है।

घटना को लेकर प्रशांत परमार का कहना है कि 26 घंटे से पुलिस के चक्कर लगा रहा हूं लेकिन पुलिस मेरे बच्चें की बॉडी मुझे नही दे पा रही है। बार-बार मेरे बेटे का हत्यारा करन वर्मा गुमराह कर रहा है।

प्रशांत परमार का कहना है उनके बेटे का हत्यारा उनके ही कॉलेज का पूर्व स्टूडेंट करन वर्मा है। प्रशांत का आरोप है कि उन्होंने जमीन के सिलसिले में करन को सात लाख रूपए दिए थे । वो उसे लौटा नही रहा था। कल करन का फोन आया था कि वो पैसे लौटाने को तैयार है । मैनें बेटे प्रखर को उसके पास भेज दिया और उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उसका अपहरण किया व उसकी हत्या कर दी है। प्रंशात का कहना है कि देर शाम तक प्रखर वापस नहीं लौटा। उसका फोन भी स्विच ऑफ था। प्रशांत ने देर शाम यूनिवर्सिटी थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने नगर निगम के बाहर से आरोपी की गाड़ी पकड़ी और फिर आरोपी करण को भी दबोच लिया।

मृतक प्रखर परमार

- आनन-फानन में पुलिस ने कर्ण वर्मा व दो सहयोगियों को हिरासत में लिया
- 'पुलिस मेरे बच्चें की बॉडी मुझे नही दे पा रही है'

करण ने पुलिस को बताया कि उसने अपने दो साथियों के साथ प्रखर को बुलाकर गाड़ी में बैठाया और उसके बाद ग्वालियर शहर से निकलते ही कट्टे से 2 गोलियां मारकर प्रखर को मौत के घाट उतार दिया। उसकी लाश को ले जाकर दतिया-झांसी के बीच ठिकाने लगा दिया। वहीं ग्वालियर एसपी ने इस मामले में चार पुलिस टीम का गठन किया है।

यूपी की महिला धौलपुर में फर्जी तरीके से ऑपरेशन कराते पकड़ी

यूपी के मरीज राजस्थान के रहने वाले लोगों के आधार कार्ड पर इलाज के लिए धौलपुर आ जाते हैं

धौलपुर, (निसं)। जिला अस्पताल धौलपुर में मुख्यमंत्री निशुल्क इलाज योजना के तहत वार्ड बॉय के साथ मिलकर एक महिला फर्जी तरीके से इलाज कराते पकड़ी गई। मरीज की उम्र संदिग्ध होने पर पीएमओ डॉ. समरवीर सिंह सिकरवार ने मामले की जांच की, जिससे फर्जीवाड़े के खुलासा हुआ। मरीज का ऑपरेशन कर रहे पीएमओ डॉक्टर समरवीर सिंह सिकरवार ने बताया कि बुधवार को एक महिला लीना (59) पत्नी रामविलास निवासी ताजपुरा बसेड़ी को पित्त की थैली के ऑपरेशन के लिए ऑपरेशन थिएटर में लाया गया । महिला को जब एनेस्थीसिया दिया जा रहा था, तब उसकी उम्र 30 से 32 साल लगी, वहीं मरीज के पर्चे में उम्र और वास्तविक उम्र के बीच काफी अंतर लगा।

मामले की जांच करने पर पता चला कि अस्पताल में प्राइवेट कंपनी द्वारा लगाए गए वार्ड बॉय रामगोपाल की मदद से उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के श्मशाबाद की रहने वाली महिला बर्फी देवी का नाम और पता बदलकर उसे राजस्थान का मूल निवासी बताया गया। जिसे ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल धौलपुर में लाया गया। मामले में पीएमओ ने ऑपरेशन थिएटर में कोतवाली पुलिस को बुला लिया। जहां से पुलिस ने महिला के साथ मौजूद उसके रिश्तेदार रामविलास, हरिओम और वार्ड बॉय रामगोपाल को पुलिस के हवाले कर दिया। पीएमओ ने बताया कि जिला अस्पताल में यूपी के मरीज निशुल्क इलाज कराने के लिए राजस्थान के रहने वाले लोगों के आधार कार्ड पर इलाज कराने के लिए धौलपुर आ जाते हैं।

अजमेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माँ हीराबेन की तबियत ख़राब होने के बाद अहमदाबाद के अस्पताल में भर्ती है। हीराबेन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए विश्व विख्यात सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में विशेष दुआ की गई । खादिम गद्दीनशीन सैयद इमरान चिश्ती ने हीराबेन के जल्द सही होने की दुआ की और कहा इस मुश्किल घड़ी में पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ है। हम सभी उनकी माँ के जल्द ठीक होने की दुआ करते हैं। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री सैयद मेहराज चिश्ती, सैयद अमान चिश्ती, सैयद सादिक अली आदि उपस्थित रहे।

बी.एस.एफ. ने की दो किलो हेरोइन जब्त

खाजूवाला पुलिस ने अवैध हेरोइन के पैकेट अपने कब्जे में लिए

बीकानेर, (कासं)। भारत-पाक सीमा पर खाजूवाला क्षेत्र में पाकिस्तान की बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए सीमा सुरक्षा बल की 114 वीं वाहिनी ने 2 किलो हेरोइन जब्त की।

बताया जा रहा है कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए हेरोइन की तस्करी करवाई जा रही थी। फिलहाल बीएसएफ की सूचना पर मौके पर पहुंची खाजूवाला पुलिस ने अवैध हेरोइन के पैकेट अपने कब्जे में लिए और आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार खाजूवाला से लगते पाक बॉर्डर पर स्थित संग्रामपुर बीओपी पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने केवाईएम गांव स्थित खेत में यह कार्रवाई की। बीएसएफ की इस कार्रवाई के बाद पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर खाजूवाला सीओ विनोद कुमार और थानाधिकारी अरविन्दसिंह शेखावत मौके पर पहुंचे और वहां मुआयना किया।

- बीएसएफ जवानों ने केवाईएम गांव स्थित खेत में यह कार्रवाई की
- हेरोइन की कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपए आंकी गई

खाजूवाला पुलिस ने अवैध बरामद हेरोइन के पैकेट अपने कब्जे में लिए और आगे की कार्रवाई शुरू की । फिलहाल इस प्रकरण में पुलिस एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई कर रही थी। बरामद अवैध हेरोइन की कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार के अनुसार करोड़ों रुपए आंकी गई है। गौरतलब है कि वर्ष, 2021 में भी सीमा सुरक्षा बल ने पाक सीमा के नजदीक बड़ी कार्रवाई कर 56 किलो हेरोइन बरामद की थी। इस मामले में नारकोटिक्स एजेंसी ने कई आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था।

पेपर लीक मामलाः 16 आरोपी पुनः पुलिस रिमांड पर

उदयपुर, (निसं) । सैकण्ड ग्रेड टीचर भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 55 आरोपियों में से बुधवार को 6 महिला आरोपियों सहित 16 आरोपियों की रिमांड अवधि समाप्त होने पर कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 6 महिला आरोपियों का रिमांड को दो दिन और बढाते हुए उन्हें फिर से पुलिस रिमांड में भेज दिया है वहीं सुखेर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार 10 आरोपियों के रिमांड की अवधि को 5 दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है।

उल्लेखनीय है की इन्हें 25 दिसम्बर को कोर्ट के सामने पेश किया गया था तब चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया था। वहीं, महिला अभ्यर्थियों को पूर्व में कोर्ट के समक्ष पेश किया था जहां से उनकी रिमांड अवधि को पहले भी दो दिन के लिए बढ़ा दिया गया था। अब इन्हें 30 दिसम्बर को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा।

महिला जनप्रतिनिधियों का घूंघट में होना बना चर्चा का विषय

पढ़ी लिखी महिलाओं का भी हक छीन रहे परिजन

डोबला खुर्द में सड़क शिलान्यास समारोह कार्यक्रम में घुंघट की ओट में मौजूद महिला जनप्रतिनिधि।

लालसोट, (निसं)। लालसोट विधानसभा क्षेत्र के डोबला खुर्द में सड़क शिलान्यास समारोह के दौरान महिला अधिकारों की नुमाइंदगी करने वाले जिम्मेदार लोगों के सामने महिला जनप्रतिनिधि ग्राम पंचायत गागल्यावास सरपंच मीरा देवी और पंचायत समिति सदस्य घीसी देवी घुंघट की आड में खड़े रही जो चर्चा का विषय बन गया।

रामगढ़ पचवारा इलाके की ग्राम पंचायतों में चुनी हुई ग्रेजुएट एवं पढ़ी लिखी महिला जनप्रतिनिधियों के अधिकारों को उनके पति, ससुर या परिजन अतिक्रमण करते नजर आते हैं। कुछ ग्राम पंचायत में सार्वजनिक रूप से जरूरी सरकारी दस्तावेजों पर चुनी हुई महिला सरपंचों के पति, परिजन गलत रूप से हस्ताक्षर करते देखे जाते हैं।

आर.पी ए.एस.सी ने जारी किया परिणाम

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2021 का परिणाम जारी किया गया। इस सबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं काउंसलिंग के बाद 207 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है। इस परीक्षा के अंतर्गत पात्रता की जांच के लिए विचारित सूची 30 सितंबर 2022 को जारी की गई थी।

कोहरे ने बदला बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट का समय

एयरलाइंस कंपनी ने पंद्रह जनवरी तक के लिए नया शिड्यूल जारी किया

बीकानेर, (कासं)। कोहरे के कारण बीकानेर-दिल्ली फ्लाइट का समय बदलना पड़ गया है। एयरलाइंस कंपनी ने पंद्रह जनवरी तक के लिए नया शिड्यूल जारी कर दिया है। इससे ये फ्लाइट करीब डेढ़ घंटे विलंब से दिल्ली से रवाना होगी और करीब इतनी ही देरी से बीकानेर से दिल्ली के लिए रवाना होगी। बीकानेर के नाल एयरपोर्ट पर भी सुबह के समय काफी कोहरा रहता है।

अब ये फ्लाइट सुबह 11 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होगी और दोपहर साढ़े बारह बजे बीकानेर पहुंचेगी। यहां से दोपहर एक बजे वापस रवाना होगी और ढाई बजे दिल्ली पहुंचेगी। ये समय बुधवार से 15 जनवरी तक रहेगा। तब तक कोहरा रहा तो फिर से नियमित शिड्यूल में बदलाव हो सकता है। फ्लाइट का समय आमतौर पर सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली से रवाना होने का है। ऐसे में फ्लाइट 11 बजे बीकानेर पहुंच जाती है। यहां से दोपहर 11.25 बजे फ्लाइट को वापस रवाना होना होता है। जो एक बजे दिल्लीपहुंच जाती है। उम्मीद की जा रही है कि पंद्रह जनवरी के बाद वापस ये समय हो जाएगा।

- बीकानेर व दिल्ली से करीब डेढ़ घंटे विलंब से रवाना होगी फ्लाइट

बीकानेर से हर रोज करीब पचास यात्री बीकानेर-दिल्ली और दिल्ली-बीकानेर फ्लाइट में यात्रा करते हैं। 72 सीट वाले इस हवाई जहाज में यात्रियों का भार कई बार बढ़ भी जाता है लेकिन आमतौर पर पचास यात्री ही रहते हैं। नई दिल्ली के बाद अब कोलकाता के लिए भी हवाई सेवा शुरू होनी है लेकिन ट्रेफिक कम होने की आशंका के चलते एयरलाइंस ये सेवा शुरू नहीं कर रही है।

भैरु बाबा मंदिर में साधु ने मूर्तियों से की तोड़फोड़

राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के चंदूपुरा ग्राम में भैरू बाबा के मंदिर में साधु द्वारा मूर्तियों से तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। ढिगावडा सरपंच कमलेश मीणा ने राजगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरपंच कमलेश मीणा ने मामला दर्ज कराया कि चंदूपुरा ग्राम में भैरू बाबा मंदिर में करीब 1 माह से तेजपाल सिंह पुत्र सुखविंदर सिंह स्वामी निवासी गलरोल पिपरिया जिला पीलीभीत यूपी मंदिर में साधु के वेश में रह रहा था। जिसने मंगलवार रात्रि को मंदिर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया एवं अखंड ज्योत को बाहर फेंक दिया। कथित साधु ने मंदिर की रैलिंग में भी तोड़फोड़ की । कथित साधु को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

- एक माह से रह रहा था साधु, सरपंच ने कराया मामला दर्ज

एसीबी जयपुर ग्रामीण ने हैड कांस्टेबल को रिश्वत लेते पकड़ा

कोटपूतली, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर जयपुर ग्रामीण ईकाई ने बुधवार को कोटपूतली में कार्यवाही करते हुए स्थानीय पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल शंकर लाल (338) को परिवादी से सात हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की जयपुर ग्रामीण ईकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके विरूद्ध पुलिस थाना कोटपूतली में दर्ज प्रकरण में मुल्जिमों के नाम हटाने तथा धारा कम करने की एवज में हैड कांस्टेबल शंकर लाल द्वारा 15 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है। एसीबी जयपुर ग्रामीण ईकाई के एएसपी आहद खान के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया व टीम द्वारा गिरफ्तार किया। टीम ने आरोपी हैड कांस्टेबल को श्याम मंदिर के पीछे से गिरफ्तार किया।

आरोपी शंकरलाल

दुष्कर्म मामले में महंत गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में स्थित घोडास गांव के प्रसिद्ध डांग के हनुमान मंदिर के महंत सरजूदास महाराज को बुधवार सुबह नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आश्रम से ले जाने के बाद महाराज ने कोई संदिग्ध बीज का सेवन कर लिया। इस पर पुलिस ने उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में ऐहतियात के तौर पर भर्ती कराया है।

आरोपी महंत सूरजदास

- पुलिस ने महंत को महात्मा गांधी अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया
- मांडल थाने पर रिजर्व पुलिस बल तैनात किया गया

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा ने बताया कि महंत को पोक्सो एक्ट के तहत हनुमान वाटिका से गिरफ्तार किया गया है। महाराज को गिरफ्तार करने से पहले वाटिका के पास तीन अलग-अलग गाडियां खडी हुई थी। इनमें से एक गाडी में सरजूदास महाराज को बिठाकर पुलिस अपने साथ ले गई। वही मांडल थाने पर एहतियात के तौर पर विभिन्न थानों के जाप्ते के साथ ही रिजर्व पुलिस बल तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि घोडास डांग के हनुमान जी के महंत सरजूदास पर एक नाबालिग बालिका के साथ यौन शौषण का मामला दर्ज करवाया गया था। डांग के हनुमान मंदिर के महाराज सरजूदास पर एक महिला ने पिछले दिनों एसिड फैंककर जलाने का भी आरोप लगाया है। महिला को जली हुई हालत में पिछले दिनों उपचार के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया था। इस मामले का भी अभी खुलासा नहीं हो पाया था कि एक नाबालिग ने महाराज पर कुटिया में ही दुष्कर्म करने का आरोप लगा दिया। अब उनकी गिरफ़्तारी चर्चा का विषय बनी हुई है।

नलकूप खुदाई का सर्वे शुरू

जोधपुर, (कासं) । भूंगरा गांव में 8 दिसम्बर शादी समारोह में हुए गैस ब्लास्ट मामलें में त्रासदी पिड़ित परिवारों के लिए केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा नलकूप खोदने से पूर्व मंत्रालय के निर्देशानुसार केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड जयुपर की एक टीम भूंगरा गांव पहुंची और सर्वे किया । पूर्व पंचायत समिति सदस्य सवाईसिंह इन्दा और पूर्व सरपंच पृथ्वीसिंह इन्दा ने बताया कि भूगंरा गांव में गत 08 दिसम्बर को सगतसिंह के पुत्र सुरेन्द्रसिंह के शादी समारोह में बारात रवाना होने से पूर्व हुऐ ब्लास्ट के कारण अब तक 35 लोगो की मौत हुई। इस पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने इन परिवारों की सहायता के लिए नलकूप स्वीकृत किए।

- गैस सिलिण्डर विस्फोट से प्रभावित परिवार की मदद के लिए की पहल

इन नलकूपों को खोदने से पहले यहां पर भूजल सर्वे करने के लिए भूजल वैज्ञानिक सुनीता देवी के निर्देशन में एक टीम आधुनिक यंत्रो के साथ भूंगरा गांव पहुंची। जहां पर सरपंच कानसिंह राठौड़ और उपसरपंच विशनसिंह भूंगरा के सहयोग से गांव में भूजल का सर्वे करवाया गया। यह टीम सर्वे करने के बाद रिपोर्ट देगी, जिस पर नलकूप खोदे जाएंगे।

आई.आई.एम. संस्थान में पैंथर शावक मिला

वन विभाग की टीम ने पैंथर शावक को मां से मिलवाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के बलीचा स्थित भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) में पैंथर शावक मिलने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दो दिन तक लगातार प्रयास करते हुए इस बिछड़े शावक को उसकी मां से मिलवाकर वन्यजीव प्रेम की एक मिसाल पेश की।

आईआईएम के कर्मचारी ने क्षेत्रीय वन अधिकारी (पश्चिम) विजेन्द्र सिंह सिसोदिया को दूरभाष पर सूचना दी कि एक पैंथर का बच्चा संस्थान की पहली मंजिल पर बैठा हुआ है। सूचना पर सिसोदिया ने वनरक्षक कमलाशंकर मीणा व पशु रक्षक मेहताब सिंह के साथ मौका स्थल पर पहुंचकर शावक को अपने कब्जे में लिया। उन्होंने स्टाफ के साथ आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। भारतीय प्रबंधन संस्थान के चारों ओर घना जंगल (बीड) है। इससे लगभग 1 किमी दूर वनखण्ड समर का वन क्षेत्र है।

- रात्रि 10 बजे पैंथर की मां मौके पर आयी तथा बच्चे को उठाकर जंगल में ले गयी

उदयपुर के बलीचा स्थित आई.आई.एम. संस्थान में पैंथर शावक मिला। जिसे वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर मां से मिलवाया।

स्टाफ ने घूम-फिरकर जंगल व आस-पास के क्षेत्र की गश्त की परन्तु उन्हें उसकी मां का मूवमेंट नहीं मिला। सुरक्षा के दृष्टिगत पैंथर शावक को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लेकर आ गये। वहां विशेषज्ञ पशु चिकित्सक की निगरानी में उसे रखा गया। शाम को क्षेत्रीय वन अधिकारी मय स्टाफ के शावक को लेकर आईआईएम के पास जंगल में पहुंचकर रात भर निगरानी रखी ताकि पैंथर की मां का पता चल सके मगर कोई मूवमेंट नहीं दिखने पर शावक को पुनः सुबह लाकर सज्जनगढ़ विशेषज्ञ पशु चिकित्सक की देखरेख में रखा गया।

मंगलवार शाम सिसोदिया विभाग के कार्मिक रवीन्द्र सिंह, सज्जन सिंह, कमलाशंकर मीणा, मेहताब सिंह व रणजीत आर्य वाहन चालक के साथ शावक को लेकर पुनः उसी स्थल पर पहुंचे तथा निगरानी रखी। पैंथर की मदर का लगभग 7.30 व 8.30 बजे मूवमेंट हुआ। रात्रि लगभग 10 बजे पैंथर की मां मौके पर आयी तथा पैंथर के बच्चे को उठाकर जंगल में ले गयी।

ट्रेन से पैंथर शावक की मौत

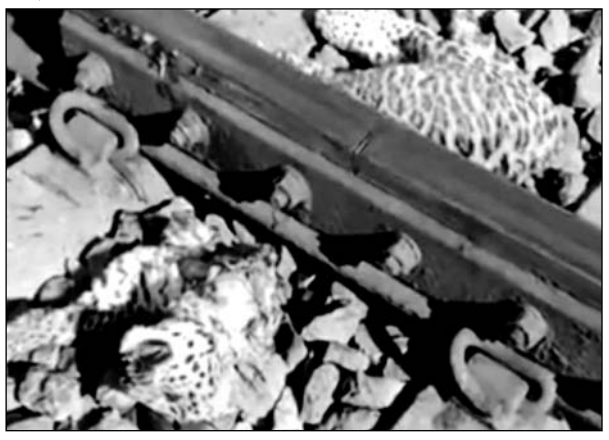

ट्रेन से कटकर पैंथर शावक के दो टुकड़े हो गए।

बौंली, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले के चौथकाबरवाड़ा के पास पाउडेरा रेलवे लाइन पर बुधवार को एक पैंथर के ट्रेन की चपेट में आने के बाद टुकड़े हो गए। इस दौरान वन विभाग की टीम पेट्रोलिंग करते हुए पाउडर रेलवे लाइन के पास पहुंची एवं शावक को मृत अवस्था में देख उसकी सूचना वन अधिकारी शकुंतला सैनी को दी। सूचना पाकर वन अधिकारी शकुंतला सैनी टीम के साथ मौके पर पहुंची एवं पैंथर शावक के शव को वेटरनरी डॉक्टर की टीम से सवाई माधोपुर में लाकर पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी ने बताया कि पैंथर शावक की उम्र करीब 6 माह है और वह जंगल से रेलवे लाइन क्रॉस करते समय किसी ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। यहां आस-पास पैंथरों की अच्छी तादाद है।

हरियाणा की शराब पर राजस्थान का लैबल लगाकर बेचने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार

पुलिस कमिश्नरेट की टीम ने चित्रकूट व श्याम नगर में दबिश देकर आरोपियों को दबोचा

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने चित्रकूट व श्याम नगर इलाके में शराब माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से भारी मात्रा में हरियाणा निर्मित शराब एवं शराब बिक्री के हजारों रुपये सहित परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन जब्त किया है। इसके अलावा एक अन्य आरोपी को भी हिरासत में लिया है, जो हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब को राजस्थान राज्य का लेबल प्रिंट कर उपलब्ध कराता था। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) परिस देशमुख ने बताया कि सीएसटी ने चित्रकूट और श्याम नगर इलाके में शराब माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए अजय विश्नोई निवासी नन्दपुरी हवा सड़क सोडाला, हेमंत कुमार निवासी गमाना जिला अलीगढ उत्तर प्रदेश हाल भृगु मार्ग वैशाली नगर जयपुर, नवीन कुमार निवासी गभाना जिला अलीगढ उत्तर प्रदेश हाल विद्युत नगर चित्रकूट जयपुर सहित पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से हरियाणा निर्मित अवैध महंगी अंग्रेजी शराब व बीयर की लगभग 7 पेटियां, शराब बिक्री के 43 हजार रुपये सहित परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपित हेमंत कुमार से पूछताछ में सामने आया कि वह अपने भाई नवीन व अजय के साथ हरियाणा से शराब मंगवाकर ऊंचे दाम पर ग्राहकों को डिमांड के अनुसार सप्लाई करता था। हरियाणा से इनके साथी नरेन्द्र अपनी कार से शराब सप्लाई करते थे।

प्रत्येक चक्कर के नरेंद्र को 10 हजार रुपये दिये जाते थे। गिरफ्तार आरोपियों को हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब की बोतलों पर राजस्थान का लेबल आरोपित पवन शर्मा द्वारा प्रिन्ट कर उपलब्ध कराना बताया, जिसकी एवज में पवन शर्मा भी रकम लेता था। फिलहाल पुलिस टीम गिरफ्तार आरोपियों से अवैध शराब के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है।

- आरोपियों के कब्जे से हरियाणा निर्मित शराब की 7 पेटियां और बिक्री के 43 हजार रुपये बरामद

जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने बुधवार को चित्रकूट व श्याम नगर इलाके में तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार किया।

सड़क हादसे में युवक की मौत

जयपुर। रामनगरिया इलाके में सड़क दुर्घटना में घायल हुए युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जांच-अधिकारी एएसआई इंद्राज सिंह ने बताया मृतक कैलाश चंद गुर्जर (21) निवासी गांव कैथुनियां थाना निवाई जिला टोंक का रहने वाला था। वह यहां निजी कंपनी में जॉब करता था और रामपुरा रोड पर किराए से रहता था। घटनाक्रम के अनुसार 24 दिसंबर को अप्रैल पार्क के पास एक कार ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उसे सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 27 दिसंबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है।

घर के बाहर खड़ी कार को फूंका

जयपुर (कासं)। प्रताप नगर इलाके में अज्ञात बदमाश घर के बाहर खड़ी कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया सन्नी नगर निवासी राकेश जाटव ने रिपोर्ट दी है कि 26 दिसंबर की रात करीब 10:30 बजे उसकी कार घर के बाहर खड़ी हुई थी। इस दौरान अज्ञात दो लड़के आए, जिन्होंने उस कार पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और फरार हो गए।

एसएमएस से निकले डॉक्टर अपने 25 वर्षों का अनुभव साझा करेंगे

जयपुर। सवाई मान सिंह मेडिकल कॉलेज के 1997 के बैच को 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस उपलक्ष्य में इस बैच के सभी डॉक्टर जयपुर में इकट्ठा हो रहे हैं। सभी डॉक्टर अब विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं, और वे मिलकर अपने 25 वर्ष के अनुभवों को साझा करेंगे। इससे उनका आपस का ज्ञान और अनुभव बढ़ेगा, और मरीजों के उपचार में सहायता मिलेगी। विदेश से आने वाले डॉक्टर वहां पर काम में ली जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों के बारे में भी अपने अनुभव साझा करेंगे।

आयोजन कर्ता डॉ अनिल यादव ने बताया कि देश-विदेश से डॉक्टर जयपुर पहुंच गए है। उनके स्वागत के लिए जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के भवन में आज कार्यक्रम रखा गया है। डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि आने वाले मेहमानों में अमेरिका से डॉ रमन बवेजा और डॉ मोहित बंसल और डॉ मनीषा गुप्ता है. कनाडा से डॉ करण ग्रोवर आए है। सिंगापुर से डॉ सारिका आई है। डॉ. प्रशांत शर्मा ने बताया कि इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों जैसे मुंबई, दिल्ली भोपाल, लखनऊ इत्यादि से भी डॉक्टर आए हैं। अपने प्यारे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज को देखकर वे सभी भाव विभोर हो उठे। मेडिकल कॉलेज के 1997 के बैच को 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस उपलक्ष्य में इस बैच के सभी डॉक्टर जयपुर में इकट्ठा हो रहे हैं। सभी डॉक्टर अब विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं, और वे मिलकर अपने 25 वर्ष के अनुभवों को साझा करेंगे। इससे उनका आपस का ज्ञान और अनुभव बढ़ेगा, और मरीजों के उपचार में सहायता मिलेगी। विदेश से आने वाले डॉक्टर वहां पर काम में ली जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों के बारे में भी अपने अनुभव साझा करेंगे।

चाकू दिखाकर महिला के गले से चेन तोड़कर भाग रहा बदमाश गिरफ्तार

पुलिस कांस्टेबल ने पीछा किया तो बाइक पर नहीं बैठ पाया था चेन स्नैचर, दूसरा साथी फरार हुआ

विद्याधर नगर क्षेत्र में महिला के गले से चेन तोड़कर भाग रहा बदमाश रैलिंग में फंसकर घायल हो गया, तभी वहां मौजूद पुलिस कांस्टेबल ने उसे दबोच लिया।

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने पैदल चलती महिला की चेन तोड़कर भागने और पीछा करने पर चाकू दिखाकर डराने वाले चेन लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से तोड़ी हुई चेन भी बरामद कर ली। पुलिस ने महिला को डराने के लिए इस्तेमाल किए गए चाकू को भी बरामद कर लिया। जबकि उसका एक साथी फरार हो गया।

डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए थानाप्रभारी वीरेन्द्र कुरील के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। कांस्टेबल मामराज और मुकेश को गश्त के दौरान रसोई रेस्टोरेंट के सामने एक महिला के चिल्लाने की आवाज आई। इस पर वह मौके पर पहुंचे तो बाइक पर दो व्यक्ति महिला के गले से चेन तोड़कर भाग रहे थे। जब पीड़िता व अन्य लोगों ने उनका पीछा किया तो चाकू दिखाकर डराया। उसी वक्त कांस्टेबल मामराज व मुकेश भी चेन स्नैचर के पीछे दौड़े तो बदमाश बाइक पर नहीं बैठ पाया और पैदल ही डिवाईडर की रेलिंग कूदकर भागने लगा। यह देख कांस्टेबल मुकेश ने बाइक से डिवाइडर के दूसरे तरफ पहुंचकर मौके पर तोड़ी गई चेन समेत आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से महिला के गले से तोड़ी गई चेन और वारदात में डराने के लिए इस्तेमाल एक चाकू भी बरामद कर लिया। बदमाश का एक अन्य साथी जो बाइक चला रहा था, मौके से भाग गया, जिसकी तलाश जारी है। आरोपी चेन तोड़कर भागते समय रैलिंग में फंस गया जिससे उसका पैर टूट गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने मालवीय नगर, त्रिवेणी चौराहा, रिद्धि सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, शिप्रापथ, दादी का फाटक और मानसरोवर आदि क्षेत्रों में एक दर्जन से अधिक चेन स्नैचिंग की वारदात कबूली हैं।

'पेपर लीक प्रकरण की जांच सीबीआई से हो'

जयपुर। प्रदेश के युवा बेरोजगारों ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच करवाने समेत 15 मांगों को लेकर बुधवार को शहीद स्मारक पर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान युवा बेरोजगारों ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग रखी।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि कांग्रेस सरकार के शासनकाल में 10 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके है। द्वितीय श्रेणी भर्ती परीक्षा में भी सिर्फ पहली पारी ही नहीं, बल्कि दूसरी पारी के पेपर को लेकर भी धांधली की शिकायत मिल रही है। ऐसे में पूरी परीक्षा की सीबीआई से जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) तत्काल लागू करने, फरवरी में होने वाली तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती से पहले सरकार पेपर लीक करने वाले गिरोह के खिलाफ अभियान चलाकर उसे खत्म किए जाने सहित 15 सूत्री मांग सरकार के समक्ष रखी। युवा बेरोजगारों ने कहा कि अगर सरकार ने हमारी मांगे नहीं मानी तो 9 फरवरी से प्रदेशभर में जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

- युवा बेरोजगारों ने शहीद स्मारक पर धरना देकर सरकार को विरोध जताया

रंजिश के चलते युवक से मारपीट

जयपुर। वैशाली नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक से मारपीट के बाद फायरिंग का मामला सामने आया है। थानाधिकारी शिव नारायण ने बताया ट्रांसपोर्ट नगर निवासी शाहिद (24) और हसनपुरा निवासी मुजम्मिल के बीच पुरानी रंजिश है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित शाहिद को सोमवार रात करीब 10 बजे इलाके स्थित एससीआर हॉस्पिटल के पास बुलाया गया, जहां आधा दर्जन से अधिक बदमाश बाइक पर आए और उससे मारपीट करने लगा। उसे गंभीर हालत में छोड कर बदमाश फरार हो गए। फायरिंग की पुष्टि नहीं हुई है। हमले में पीड़ित के पैरों में चोटें आई हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश में जुटी है।

रोज रात जयपुर परकोटे को साफ-सुथरा बनाएंगे मशीनी लश्कर व 80 कर्मचारी

बड़ी चौपड़ से बुधवार रात 9 बजे शुरू हुई रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था, हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर व आयुक्त विश्राम मीणा ने भी लगाई झाड़ू

जयपुर। स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर की रैंकिंग सुधारने के लिए जयपुर हैरिटेज नगर निगम ने रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू की है। मेयर मुनेश गुर्जर व कमिश्नर विश्राम मीणा का कहना है कि 80 सफाई कर्मचारियों के साथ-साथ 4 रोड स्वीपिंग मशीन, 5 हूपर, एक रिफ्यूज कम्पेक्टर, एक जेसीबी व 2 डम्पर का मशीनी लश्कर भी जयपुर परकोटे की सफाई व्यवस्था सुधारेगा।

बड़ी चौपड़ पर बुधवार को इस स्वच्छता मुहिम की शुरूआत हुई। जहां मेयर, कमिश्नर, उपमहापौर, पार्षदों व अधिकारियों ने भी सफाई कर्मचारियों के साथ झाड़ू लगाकर उनका हौसला बढ़ाया। महापौर मुनेश गुर्जर ने घोषणा की है कि अगर रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था शुरू करने के बाद अगर जयपुर हैरिटेज स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 में टॉप-5 में आया तो इन 80 कर्मचारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देंगे। उन्होंने रात में सफाई करने वाले इन कर्मचारियों को गर्म ड्रेस भी वितरित की, ताकि सर्द मौसम में उन्हें कोई परेशानी नहीं हो।

मेयर मुनेश ने कहा कि जयपुर घूमने आने वाले देशी-विदेशी पावणे यहां से स्वच्छ गुलाबी नगरी की अनुभूति लेकर जाएं, यहीं हमारा प्रयास है। शहर सुंदर बनेगा तो यह जयपुर के लिए गौरव की बात होगी। आमजन, व्यापारी, विद्यार्थी वर्ग भी इस स्वच्छता मुहिम में जुटें। उन्होंने रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को अमलीजामा पहनाने के लिए कमिश्नर विश्राम मीणा व उपायुक्त स्वास्थ्य आशीष कुमार की तारीफ की।

हैरिटेज निगम आयुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि प्रत्येक अफसर व सफाई कर्मचारी का यह भरपूर प्रयास रहेगा कि जयपुर साफ-सुथरा बनें। शहरवासियों को कचरे-गंदगी से निजात मिले।

- स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर हैरिटेज टॉप-5 में आया तो रात्रिकालीन सफाई संभालने वाले 80 कर्मचारियों को मिलेगा आउट ऑफ टर्न प्रमोशन : मुनेश गुर्जर

जयपुर परकोटे की रात्रिकालीन सफाई के लिए हैरिटेज निगम द्वारा तैयार मशीनी लश्कर।

सूने मकान से प्रॉपर्टी दस्तावेज व जेवर चुराने वाले गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने शातिर नकबजन गिरोह का खुलासा करते हुए सरगना सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चुराया हुआ लाखों रुपए का माल और दो बाइक बरामद भी की है। गैंग का सरगना करीब आधा दर्जन मामलों में चालानशुदा है।

डीसीपी (पश्चिम) वंदिता राणा ने बताया कि शोयब खान उर्फ शैफूडा मदीना कॉलोनी झोटवाड़ा मदीना कॉलोनी झोटवाड़ा, शाहरूख खान उर्फ मोटा संजय नगर सी झोटवाडड़ और मकसूद खान गणेश कॉलोनी झोटवाड़ा का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में 22 दिसंबर को परिवादी रघुनाथपुरी झोटवाड़ा निवासी मोहम्मद मैराज गौरी ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 20 दिसंबर को वह जयपुर से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुआ था, 21 दिसंबर को रास्ते में उसे घर पर चोरी की सूचना मिली तो वह जयपुर लौट आया।

यहां पर घर के ताले टूटे हुए थे और अंदर सामान बिखरा हुआ था। चोर घर से जयपुर और झुंझुनूं स्थित प्लॉट के कागज जयपुर स्थित बाबा चौकस की दुकान के असल दस्तावेज, सोने की अंगूठी, ज्वैलरी में चार सोने के गले के सेट, एक रानीहार, एक सोने की चेन, तीन सोने की अंगूठी, एक मंगलसूत्र, तीन जोड़ी चांदी की पायजेब समेत अन्य सामान चुरा ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर एडिशनल डीसीपी रामसिंह शेखावत, एसीपी प्रमोद स्वामी और थानाप्रभारी घनश्याम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए। पूर्व के चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की।

पूर्व के केन्द्रीय कारागृह जयपुर से रिहा बदमाशों पर नजर रखी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में मिले हुलिए के आधार पर सरगना शोएब खान, शाहरूख और मकसूद खान को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी अव्वल दर्जे के शातिर नकबजन है। जो दिन के समय बंद मकानों की रैकी कर रात के समय नकब से मकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते है और चुराए हुए माल को बेचकर नशे का शौक पूरा करते हैं।

- झोटवाड़ा पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का माल व दो बाइक बरामद की

सार-समाचार

राज्यपाल को दिया भागवत का न्यौता

जयपुर (कासं)। नए साल के नव संकल्पों को साकार करने के लिए भगवान की कथाओं के माध्यम से जीवन को और भी अधिक सुंदर बनाने के लिए वर्ष का पहला सप्ताह कथाओं के नाम रहेगा। छोटीकाशी के श्रद्धालु कड़ाके की ठंड में कथाओं की गर्माहट का आनंद लेंगे। एक जनवरी को राजधानी में एक दर्जन से अधिक कथाएं होने के आसार है। मुख्य आयोजन उत्तर भारत की प्रमुख वैष्णव पीठ श्री गलता जी की गोदी में बसे मंदिर श्री गीता गायत्री जी में होगा। एक से सात जनवरी तक यहां श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को गणेश निमंत्रण के बाद प्रदेश के प्रथम नागरिक राज्यपाल कलराज मिश्र को कथा का न्यौता दिया। राज्यपाल ने कथा आयोजन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। पंडित राजकुमार चतुर्वेदी के सान्निध्य में होने वाली कथा में व्यासपीठ से युवा विद्वान डॉ. प्रशांत शर्मा प्रवचन करेंगे। मंदिर के प्रवक्ता नितीश चतुर्वेदी ने बताया एक जनवरी को सुबह 11 बजे मंदिर श्री रघुनाथ जी मोहनबाड़ी के सामने से गाजे बाजे के साथ कलशयात्रा निकाली जाएगी। छोटीकाशी के प्रमुख मंदिरों के संत-महंत भागवत पोथी और कलश यात्रा को रवाना करेंगे। महिलाएं कलश स्वरूप तुलसी का पौधा लेकर चलेंगी। राज्यपाल कलराज मिश्र को आमंत्रण देने के दौरान धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय, पं. राजकुमार चतुर्वेदी, ऋतु चतुर्वेदी, डॉ. प्रशांत शर्मा उपस्थित रहे।

अरूण बगड़िया सहायक प्रांतपाल बने

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के वर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन अरुण बगड़िया को सहायक प्रांत पाल मनोनीत किया गया। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के सचिव डॉ रोहन गुप्ता ने बताया कि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ निर्मल कुनावत ने रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के वर्तमान अध्यक्ष रो. अरुण बगडिया को सहायक प्रांत पाल मनोनीत किया गया। रो. अरुण बगड़िया के बेहतरीन सेवाकार्यों और डिस्ट्रिक्ट के कार्यों में योगदान को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर प्रांतपाल बलवंत चिराना व नीरज अठावाल जी ने शिरकत की। पूर्व प्रांतपाल एवं पथप्रदर्शक डॉ अशोक गुप्ता ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल के सीए राकेश गुप्ता, संजय कौशिक, रवि कामरा, हेमेंद्र शर्मा, हरीश खत्री, पीसी जैन एवं अन्य सदस्यों ने रो. अरुण बगड़िया को सहायक प्रांत पाल मनोनीत किए जाने पर हार्दिक बधाईयाँ दी।

राउंड टाउन की कार्यकारिणी घोषित

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर राउंड टाउन के वर्ष 2023-24 के लिए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए प्रेसिडेंट के चुनाव क्लब मेंटोर एवं इलेक्शन ऑफिसर डॉ. अशोक गुप्ता के निर्देशन में संपन्न हुए। अध्यक्ष रोटे. सुनील दत्त गोयल ने बताया कि चुनाव में वर्ष 2023-24 के अध्यक्ष डॉ. संजीव शर्मा, 2024-25 के अध्यक्ष देवेश बंसल एवं 2025-26 के लिए अध्यक्ष जय शर्मा निर्वाचित हुए। वर्ष 2023-24 के लिए सचिव डॉ. भवानी शंकर मिश्रा, वाइस प्रेसिडेंट रूपेश चंदेल एवं जसमीत नागर, ट्रेजरर विशाल बंका, क्लब ट्रेनर अजय काला, क्लब एडवाइजर रमेश अठावाल, संयुक्त सचिव पवन शर्मा एवं कमल सामोदिया, डायरेक्टर पब्लिक इमेज मधुरिमा शर्मा, डायरेक्टर आलोक अग्रवाल, डायरेक्टर रोटरी फाउंडेशन मनोज बंसल, सार्जेंट एट आर्म्स शरद मोदी एवं शेखर कुमावत, डायरेक्टर क्लब एडमिनिस्ट्रेशन अनिल शर्मा, डायरेक्टर ठीटिंग्स अनिता धींगरा, डायरेक्टर विंस उषा पुगलिया, डायरेक्टर वोकेशनल सर्विस विक्रम शर्मा, डायरेक्टर लिटरेसी दीपक शर्मा, डायरेक्टर सर्विस प्रोजेक्ट शशांक जैन, क्लब बुलेटिन एडिटर चंद्रेश नागर निर्वाचित हुए।

'सरकार रग्बी खेल को प्रोत्साहित करें'

जयपुर। राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ जयपुर द्वारा आयोजित 2022 की वार्षिक बैठक व चुनाव का आयोजन 28 दिसम्बर को बनीपार्क स्थित कार्यालय पर आयोजित हुआ। जिसमें राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ के संबंधित सभी जिला रग्बी फुटबॉल संघ के पदाधिकारियो ने इस बैठक में भाग लिया। राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ के निर्वाचन अधिकारी गोविन्द पारीक, अतिरिक्त निदेशक पब्लिक रिलेशन राजस्थान सरकार ने बताया कि संघ के चुनाव निर्विरोध हुआ जिसमें पं. सुरेश मिश्रा को अध्यक्ष, कुलदीप सिंह राजावत को सचिव, जितेश कुमार को कोषाध्यक्ष एवं संयुक्त सचिव के पद पर अजीत सिंह कल्याणवत, रविन्द्र सिंह राजावत, गौरव कुमार, उपाध्यक्ष के पद पर दिनेश शर्मा, आशीष पाराशर, सत्येन्द्र सिंह राठौड निर्वाचित हुए। साथ में संघ के कार्यकारी सदस्य जितेन्द्र यादव, दशरथ सिंह, जितेंद्र सिंह शेखावत, सनवर खालवा, श्याम सिंह निर्वाचित हुई। राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ के सचिव कुलदीप सिंह राजावत, कोषाध्यक्ष जितेष कुमार, उपाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव रविन्द्र सिंह और गौरव कुमार ने खेल को बेहतर बनाने की और खिलाड़ियों को तैयार करने का मंथन किया और इस खेल को राज्य, जिला, स्कूल और विश्वविद्यालय के खेतों में और अधिक प्रतिभागियों को भागीदारी निभाने का योजना बनाई गई। राजस्थान रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि विश्व के सबसे लोकप्रिय खेल फुटबॉल के बाद सबसे ज्यादा देखे जाने वाला पावर का खेल रग्बी है, सरकार इसे प्रोत्साहन दे।

खटीक समाज की कार्यकारिणी गठित

जयपुर। ग़ाजस्थान खटीक समाज महासमिति, जयपुर की आमसभा और स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री के सलाहकार दूदू विधायक बाबूलाल नागर, सांसद मनोज राजोरिया अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से खटीक समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लिया। इस मौके पर राजस्थान खटीक समाज महासमिति जयपुर कार्यकारिणी के चुनाव भी हुए। निर्विरोध रूप से भगवान सहाय परिडवाल अध्यक्ष, उमेश नरानियां उपाध्यक्ष, राजेश नागौरा मंत्री, कमल पहाडिया कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। विकास नागर, विजेन्द्र परेवा, राजेश चावला, हनुमान सहाय दायमा, ब्रजेश असवाल, कांतिलाल चंदेल, नाथू सिंह किराड कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

देशी कट्टा लेकर घूम रहा बदमाश पकड़ा

जयपुर। रामनगरिया थाना पुलिस ने वारदात को अंजाम देने की फिराक में अवैध हथियार लेकर घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) डॉ.राजीव पचान ने बताया कि आरोपी गणेश उर्फ डेमो (22) निवासी प्रताप नगर को पंचर चौराहा जगतपुरा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। वह हथियार कहां से खरीदकर लाया, इसके बारे में पूछताछ कर रहे हैं।

गायत्री महायज्ञ में 21 ने ली गुरू दीक्षा

जयपुर। गायत्री परिवार जयपुर की ओर से दिल्ली रोड के हीरामन बाबा के मंदिर में बुधवार को दो दिवसीय पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। इस मौके पर 21 दीक्षा संस्कार और एक पुंसवन संस्कार भी कराया गया। यज्ञ में ग्रामवासियों ने बहुत ही उत्साह से भाग लेते हुए यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की। यज्ञ का संचालन गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता रामबाबू सिंघल और अशोक गोयल ने किया। स्थानीय कार्यकर्ता नारायण यादव, कैलाश यादव, हंसराज यादव, बल्लूराम कुम्हार ने यज्ञ आयोजन में सराहनीय सहयोग किया।

ARBiT
it happens here...

Tick Tock Day

Tick… Tock… Tick… Tock… This is the sound of the year, and indeed your life, slowly slipping away. Every moment not spent living life to the fullest is another moment that is gone forever, impossible to reclaim. Tick Tock Day reminds you that the year is almost at an end, and there are things still left to be doing, and in fact, only two days left to do them in. Don't let the year end with regret! Get out there and beat the Tick Tock!

राष्ट्रदूत
THURSDAY
29 December 2022
A-B

#COVID-19

Long Covid Rehab Program

It is based on a gradual or paced increase in a patient's physical activity.

A rehabilitation programme that helps people with long COVID reduce their symptoms and increase activity levels has shown "impressive" results, say scientists.

Before the start of the programme, the people taking part in the programme were reporting on average three "crashes" a week where they were left physically, emotionally or cognitively exhausted after mild physical or mental exertion. Six weeks later, at the end of the programme, that was reduced to an average of one crash a week.

The patients also experienced a "moderate improvement" in their ability to be active and better quality of life.

The pacing programme was run by the long COVID service at Leeds Community Healthcare NHS Trust and evaluated by clinicians and scientists at the University of Leeds and Leeds Beckett University. The findings are reported today (16/12) in the Journal of Medical Virology.

Writing in the paper, the research team say the programme, which involves a supervised increase in physical activity, has the potential to be an effective treatment option.

Dr Manoj Sivan, Associate Clinical Professor in the School of Medicine at the University of Leeds, Consultant in Rehabilitation Medicine at Leeds Teaching Hospitals NHS Trust and research and service evaluation lead for the long COVID service at Leeds Community Healthcare Trust, supervised the research project.

He said: "Long COVID affects around two million people in the UK and it has an impact on their quality of life and in some cases, their ability to work. It is distressing and disabling.

"Post-exertional malaise or post-exertional symptom exacerbation or simply "crashes", as described by patients, is a defining and important symptom of long COVID.

"When patients get a crash, they experience feelings of complete exhaustion and wipe out and are unable to resume activities for hours or sometimes days.

"The findings of this research are exciting because this is the first time that crashing episodes have been used as a marker for the condition and a structured pacing programme has now been shown to substantially reduce symptoms and improve quality of life."

Physical Activity

Thirty-one people with long COVID took part in the six-week study in Leeds. On average, they had been experiencing long COVID for around 17 months before entering this programme. They were suffering from a range of symptoms along with fatigue, including brain fog, breathlessness, headache and palpitations.

The patients followed a gradual return to physical activity programme called the World Health Organisation (WHO) CR-10 Borg pacing protocol, which takes them through five levels of activity. They followed the programme at home.

The first phase is a preparation for return to activity and involves breathing exercises and gentle stretching. The fifth phase involves activities the patients were doing before they were ill such as regular exercise or sports.

During the programme, the patients had weekly phone calls from their long-COVID clinician to check on their progress. They were told to stay at each level for at least seven days and not to overexert themselves, so their condition remained stable.

The patients completed a questionnaire to assess their exertion levels and crashes each week before a decision was made whether to progress to the next level of the pacing protocol.

This protocol was developed for the World Health Organisation by Dr Sivan and his team. Dr Sivan is the WHO advisor for long COVID rehabilitation policy in Europe.

Over the six weeks, not only was there a reduction of crashing episodes, but there were also improvements in activity level and quality of life. In terms of easing long COVID symptoms, the biggest benefit was seen in terms of reducing fatigue, breathlessness and headaches.

Legacy of Long COVID

According to data from the Office of National Statistics, almost two million people in the UK have long COVID, with symptoms that have lasted for more than 4 weeks. The crash or exhaustion that people feel after exerting themselves can start 12 to 48 hours after activity and can last for days and in rare cases, even weeks.

But the researchers point out that there is still a lack of awareness among clinicians supporting long COVID patients that a paced or gradual return to physical activity could aid recovery.

Yet, current advice on safely returning to physical activity without worsening their symptoms is unclear, with patients reporting receiving differing advice from health care professionals.

The battlefields of WWII did not just see soldiers dying or killing for their countries; they also were witness to hundreds of thousands of specially created posters that fluttered down from specially flown airplanes which were created with only one aim- to covert the Indian soldiers to fight for freedom rather than the British Raj.

The Shackles of the Raj...

When Japanese posters urged Indians to destroy them (...1)

Sandeep Mukherjee
The writer is a historian with a special interest Asian history.

#HISTORY

Against a blood-splattered background, a brown, turbaned man is shown with his forefinger outstretched, angrily pointing, almost out of the poster and at the viewer. Upon closer examination, the gory red background reveals piles of skulls and massacred bodies. The text, appearing in sections across the page in Hindi and Bengali, recalls pivotal moments in the subcontinent's history: the 1765 Massacre in Dhaka, the first war of Indian independence in 1857, the 1919 Amritsar massacre, and the First World War sacrifices in 1918.

The singular thing that all these crucial moments have in common is the failings of, and the conflict caused by, the British in India, and as if addressing that, the final piece of text in the centre of the poster reads, "The English claim to understand and care for Indians. But the 300 years of exploitation…"

Psychological Advertising

This poster, dropped into Assam by the Japanese in 1944, is eerily reminiscent of others from history. It has the same directness of War Minister Lord Kitchener's "BRITONS [Kitchener] Wants You!", which was published in 1914 as a call to join the First World War and inspired Uncle Sam's infamous "I want YOU for US Army". It has the same urgency. Above all, the poster is a crystalline example of the psychological advertising and conversion attempts employed by the Axis powers in the Indian subcontinent during World War II.

"During the Second World War, the British and Japanese governments fought a fierce propaganda war in South Asia to influence mass opinion in their favour," said Parthasarathi Bhaumik, assistant professor of comparative literature at Jadavpur University and a British Library Chevening Fellow. "They exploited all available media- wireless, film, print and live performances… The aim was to discredit the opponent and to project their own side as the true friend of South Asian people."

On September 03, 1939, at 8.30 pm, the voice of Viceroy Lord Lithlingow rang through the frequencies of All India Radio, announcing that His Majesty's Government was at war with Germany - and as a colony of that government, so was India. "I am confident," he said, "that India will make her contribution to the side of human freedom rather than against the rule of force."

This announcement sent leaders of the Indian National Congress into rage and frenzy. India's involvement in the Second World War had begun, although the Viceroy had neither consulted his advisors nor the Legislative Assembly or Indian leaders. The Congress leaders were torn. On the one hand was the hostility towards Nazi oppression and a desire to end it, and on the other was the sheer necessity of non-cooperation with the British Empire unless they took concrete steps towards Home Rule in India. How could one expect the soldiers of India to die for the freedom of a nation that denied them the very same right?

Indian Independence League

Decades before, during the Great War, 1,302,394 Indian soldiers had travelled across the black waters to fight for King and Country in unknown lands. For the most part, the recruitment was voluntary, since this was a time when there was a belief in the rule of the King and notions of izzat, or honour. But World War II, set in motion against the backdrop of the struggle for independence in India, was not the same. Though nearly 2.5 million Indian soldiers in all participated in the war, the British were tormented by events on the home front, such as the Quit India Movement in 1942 and the Great Bengal Famine in 1943. What was also harrying them was the rise of the Indian Independence League, a political organisation that was headed by leaders like Subash Chandra Bose and Rash Behari Bose, who were collaborating with the Axis powers.

India was of interest to all. Its strategic location, its abundance of natural and financial resources and armed power had proved it to be an attractive territory in the South Asian theatre of the War, for both the Allied powers to retain, as well as Axis powers to gain.

A folio in the British Library, labelled Japanese Policy in Regard to India since the outbreak of the War of Greater East Asia up to the end of May 1942, has detailed and chronological notes provided to British officers on the activities of Japan, including its occupation of Malaya (1941) and Burma (1942).

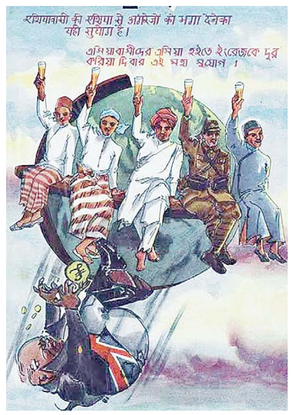

The pro-Japanese, anti-British posters detail the discrimination, racism, xenophobia and inequality propagated by the Empire, and focus on "Asia for Asians" or the idea of racial grouping. A poster shows five different Asian men, including a Japanese soldier, all united and raising a toast, suggesting that Asians can live in harmony. An injured figure (donning the British flag) is falling from the globe. The text reads, "This is an apt occasion to drive out the English from Asia."

The Japanese were at the very threshold of India, threatening the Empire's dominance. There are records of captured Sikh soldiers from these wars being given the option of either joining the Indian Independence League under Bose, or facing persecution, imprisonment or execution. "Japan openly showed her interest in India," the document reads, "and Premier General Tojo publicly announced that the Indians should take this opportunity and revolt in order to drive the British out of India, thereby gaining for themselves, their independence."

Propaganda Cartoons

This interest in India led the Japanese to start a fascinating propaganda effort to convert, as if it was for the benefit of India herself, the Indian soldiers and civilians to the side of the Axis powers. In Farthest Field: An Indian Story of the Second World War, journalist-writer Raghu Karnad describes how after the fall of the city of Rangoon to the Japanese, the air was filled with "thousands of fluttering leaflets. These were propaganda cartoons…depicting starving Indians ground under the heels of fat imperialists or turbaned jawans being kicked out of evacuation lorries by blond-haired Tommies."

The National Army Museum in London holds the original copies of several of these propaganda leaflets-known as Dentan in Japanese-printed on durable, long-weave Japanese paper. These can be quite obviously divided into batches based on the style of imagery and printing technique, but it is clear that within each batch, the scribe and the artist have remained consistent. The pro-Japanese, anti-British posters detail the discrimination, racism, xenophobia and inequality propagated by the Empire, and focus on "Asia for Asians" or the idea of racial grouping. A poster shows five different Asian men, including a Japanese soldier, all united and raising a toast, suggesting that Asians can live in harmony. An injured figure (donning the British flag) is falling from the globe. The text reads, "This is an apt occasion to drive out the English from Asia."

These posters emphasise on intense psychological conversion, and they were distributed to troops and civilians, particularly along the border regions. They also fluttered down from circling airplanes across the battlefields in Europe, North Africa and Burma, hoping to convert the Indian soldier. In The Raj at War: A People's History of India's Second World War, historian Yasmin Khan writes, "Although [the troops] had been trained to ignore Axis propaganda, some of it reaching the Indian troops was extremely unnerving…it was directed at the weakest spots in the psychological armoury of the sepoys. It played on their homesickness, anxieties about hunger and home and on their desire for the war to end."

To be continued…

writetoarbit@rashtradoot.com

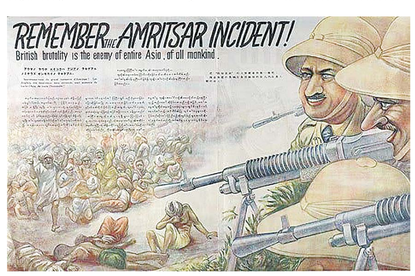

This poster recalls pivotal moments in the subcontinent's history and highlights the failings of the British in India.

#FOOD-PSYCHOLOGY

Eating Just One Potato Chip Is Impossible

High-calorie foods-high in fat, oil, and sugar-can taste good but often cause overeating, leading to obesity and major health problems. But what stimulates the brain to cause overeating?

Recently, it has become clear that a gene called CREB-Regulated Transcription Coactivator 1 (CRTC1) is associated with obesity in humans. When CRTC1 is deleted in mice, they become obese, indicating that functioning CRTC1 suppresses obesity. However, since CRTC1 is expressed in all neurons in the brain, the specific neurons responsible for suppressing obesity and the mechanism present in those neurons remained unknown.

To elucidate the mechanism by which CRTC1 suppresses obesity, a research group led by Associate Professor Shigenobu Matsumura from the Graduate School of Human Life and Ecology at Osaka Metropolitan University focused on neurons expressing the melanocortin-4 receptor (MC4R). They hypothesized that CRTC1

expression in MC4R-expressing neurons suppressed obesity because mutations in the MC4R gene are known to cause obesity.

Consequently, they created a strain of mice that expresses CRTC1 normally except in MC4R-expressing neurons where it is blocked to examine the effect that losing CRTC1 in those neurons had on obesity and diabetes.

When fed a standard diet, the mice without CRTC1 in MC4R-expressing neurons showed no changes in body weight compared to control mice. However, when the CRTC1-deficient mice were raised on a high-fat diet, they overate, then became significantly more obese than the control mice and developed diabetes.

"This study has revealed the role that the CRTC1 gene plays in the brain, and part of the mechanism that stops us from overeating high-calorie, fatty, and sugary foods," said Professor Matsumura. "We hope this will lead to a better understanding of what causes people to overeat."

The research results were published in the FASEB Journal on November 9, 2022.

#DINE OUT

An Earnest Effort

When teaching English literature did not work out for Jaipur's Skand, he decided to bring together his love for literature, art, photography, music and coffee under one roof and share it through 'Café Earnest'. Used as a space for book lovers to meet and discuss books, artists to display their art and freelancers to work, the café inspired by Oscar Wilde, is not just an eatery but a space for a living culture in its own right.

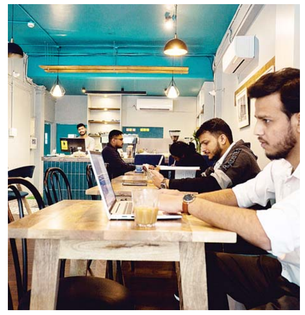

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

"I hate people who are not serious about meals. It is so shallow of them."

-Oscar Wilde, The Importance of Being Earnest

In the heart of Pink City's culinary hub, C-Scheme is a café that takes its inspiration from the famous Irish poet and playwright, Oscar Wilde and is aptly called 'Café Earnest'. Right outside the entrance is a charming, little board that displays different quotes from Wilde's popular comedy fiction, 'The Importance of Being Earnest'. As one enters the café, an evocative portrait of Wilde is almost impossible to miss. The man behind this piece of art is also the brain, heart and soul behind Café Earnest. Skand wanted to study design and animation but because he could not get into his preferred college, he ended up studying English literature. He taught literature too for around a year and a half and realized it was not his cup of tea.

During the pandemic induced lockdown, Skand spent most of his time learning about specialty coffee and brewing it himself. This fascination with coffee led him to brew coffee and run the operations of a café in Vaishali Nagar for around two years. And for him, the next obvious step was moving to C-scheme and opening a space that is a reflection of his persona. "C-Scheme is a historic place in becoming with a sort of a culinary revolution in place. I wanted to be a part of this culinary transformation of this city. Café Earnest is my way of bringing everything I like together under one roof. I love making music, photography, art, literature, coffee and food and in this space I have tried to weave everything together."

Culture, Community and Collaboration

e it the art and the photographs on the wall, the books and antiques on the book shelf and even the music has either been created or chosen by Skand. "Being an artist myself, more than anything I wanted to create a community that perceives Café Earnest as a space for collaboration and participation. It is designed for anyone who loves a peaceful haven to enjoy music, art, literature, or even work, or to just sit back and relax", shares Skand.

As a maiden step towards achieving this spirit of community and collaboration, Earnest recently started its own book club to meet fellow book lovers over coffee and books. "As the first exercise, each attendee brought a book they love and made a case for why it should be in the Earnest book shelf. The book that won the vote of majority was bought by the café and placed in the book shelf", tells Skand. The book club now meets every Sunday.

Cafés have also become popular co-working spaces for those who do not like working from home or an office. "At Earnest, co-working does not stop at plug

points and wifi but also extends to the general vibe of the place which is designed to facilitate anything that requires calm and peace", tells Skand. The café is also open for other artists to display their work.

Best of brews and eats

Earnest is also a great option for someone who likes to experiment and try different coffees from roasters across India. "We want to offer varieties of coffee and an array of roasting profiles from a host of different roasters. When it comes to food, the objective is to serve healthy, unadulterated and fresh food with a global appeal. We try to use everything prepared in-house. The most basic and classic dishes made using an authentic and traditional approach and not just to appeal to the local palate is our main idea", elaborates Skand.

Must Try: Neapolitan pizzas, Rachel Salad, Chocolate brownies, Pumpkin hot bread, Brazilian lemonade, Lemon sparrow and specialty coffees.

THE WALL

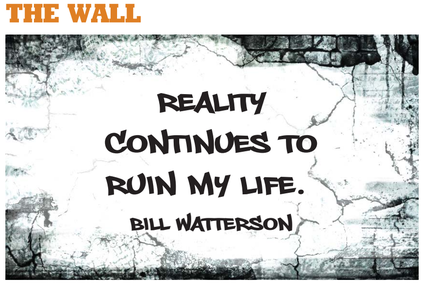

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

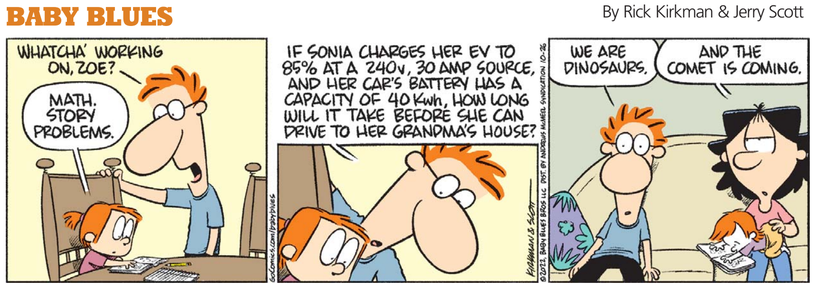

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

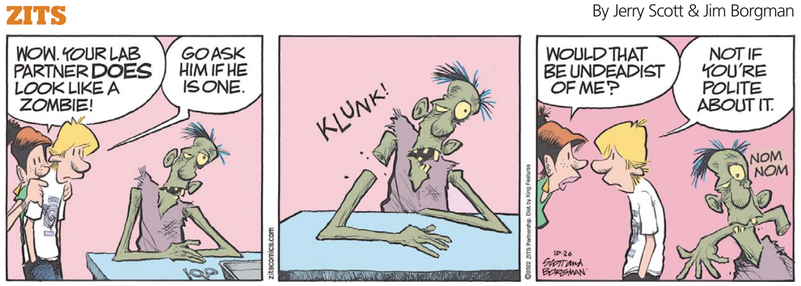

रॉयल्टी ठेकेदार सहित कार्मिकों ने ट्रैक्टर चालक व मालिक पर हमला किया

हमले में घायल दोनों की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए सिरोही रैफर किया

पिंडवाड़ा, (निसं)। सिरोही जिले में पिण्डवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के शिवेरा गांव के खेल मैदान के पास बुधवार सुबह 10 बजे करीब रॉयल्टी ठेकेदार के 6 से 7 कर्मचारी कैंपर गाडी में सवार होकर आए और ट्रैक्टर चालक और मालिक पर सरियों और डंडे से प्राण घातक हमला कर दिया। हमले में घायल दोनों की हालत गंभीर होने पर उपचार के लिए आगे रैफर किया गया।

जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह 10 बजे करीब झालाराम पुत्र निंबाराम भील निवासी मुरी शिवेरा के पास राजपुरा निवासी रमेश कुमार पुत्र गोमाराम मीणा का ट्रैक्टर लेकर शिवेरा मार्ग से आगे खेल मैदान के पास गया था। उसी दौरान एक कैंपर में 6 से 7 जने बजरी रॉयल्टी ठेकेदार के कर्मचारी आए और बिना पूछताछ किए ट्रैक्टर चालक से मारपीट करने लगे। उसी दौरान ट्रैक्टर मालिक अपनी पत्नी को कई छोड़ने जा रहा था। बीच रास्ते में ट्रैक्टर चालक से मारपीट करते देख उन बदमाशों को रोकने की कोशिश की। लेकिन बजरी रॉयल्टी ठेकेदार के बदमाशों ने उसके ऊपर भी सरिये व लाठियों से हमला किया। जिसमें दोनों जने गंभीर घायल हो गए। उस दौरान वहीं पास में नरेगा में काम कर रहे मजदूरों ने मारपीट की घटना

- फरार हुए रॉयल्टी ठेकेदार के दो कर्मचारियों को पकड़कर थाने ले आई पुलिस
- ट्रैक्टर मालिक अपनी पत्नी को कही छोड़ने जा रहा था, तभी मारपीट की घटना देखी

देखकर दौड़कर वहां पहुंचे तो वह बदमाश ट्रैक्टर लेकर मौके से भाग छूटे। जिसके बाद उन्होंने ट्रैक्टर को पुलिस थाने में खडा कर वहां से फरार हुए। इस हमले की जानकारी गांव में फैलते ही लोग इक्कट्ठा हो गये।

वहीं घायलों को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां डॉ. विनोद यादव ने प्राथमिक उपचार कर घायल की स्थिति गंभीर देख कर उपचार के लिए सिरोही रेफर किया। इस घटना से आसपास के गांव में दहशत के साथ आक्रोश फैल गया। जिसके बाद समाज के सैकडों लोग पुलिस थाने के बाहर एकत्रित हुए पुलिस भी हरकत में आई और फरार हुए आरोपियों की तलाश में लगी। जिसके बाद रॉयल्टी ठेकेदार के दो कर्मचारियों को पकड़कर थाने ले आये। हमले में गंभीर घायल रमेश कुमार मीणा और झालाराम भील के परिजन उपचार के लिए आगे ले गए हैं। जिसके चलते पुलिस थाने में इस हमले की घटना की प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

पुलिस थाना पिण्डवाड़ा के थानाधिकारी चम्पालाल ने बताया कि ठेकेदार के कर्मचारियों को कानून हाथ में लेने का कोई अधिकार नहीं है। अगर कोई बजरी से भरा ट्रैक्टर चालक रॉयल्टी नहीं देता है, तो इसके लिए कानूनी कार्रवाई करें ना कि कानून हाथ में लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगावें। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मकान से अवैध हथियार सहित नकदी बरामद

मकान पर दबिश दी तो पुलिस को देख भाग गया युवक

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की कैथवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों के पर बड़ी कार्यवाही करते हुए आरोपी के मकान से तलाशी के दौरान 1 अवैध देशी कट्टा सहित 17 जिंदा कारतूस व 4.30 लाख रूपये बरामद किए। पुलिस द्वारा अवैध हथियार मय कारतूस व रूपयों को जब्त कर थाना कैथवाडा मामला दर्ज किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर श्याम सिंह ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीग रघुवीर सिंह कविया व वृत्ताधिकारी वृत डीग आशीष कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी रामनरेश के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक विश्वामित्र मय जाप्ता

- एक अवैध देशी कट्टा सहित 17 जिंदा कारतूस सहित 4.30 लाख रूपये बरामद किये
- भरतपुर की कैथवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने वालों पर बड़ी कार्यवाही की

द्वारा एक विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्यवाही करते हुये गांव घौंघोर में मजलिस के मकान पर दबिश देकर मकान से 1 अवैध देशी कट्टा मय 17 जिन्दा कारतूस व 4.30 लाख रूपये जब्त किए।

बताया जा रहा है कि सहायक उपनिरीक्षक विश्वामित्र मय जाप्ता द्वारा गश्त के दौरान जरिये मुखबिर सूचना मिली कि गांव घौंघोर निवासी मजलिस पुत्र सुभान मेव के मकान पर अवैध हथियार मिल सकता है।

सूचना पर विश्वामित्र मय जाप्ता द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये सांकेतिक व्यक्ति के मकान पर दबिश दी तो मजलिस पुलिस को देख भाग गया। मकान की तलाशी ली तो तूडे के कमरे से हथियार एवं नकदी बरामद की। पुलिस द्वारा अवैध हथियार मय कारतूस व रूपयों को जब्त कर थाना कैथवाडा मामला दर्ज किया गया है।

पुष्कर में तैनात सहायक लेखाधिकारी रवि शर्मा निलंबित

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने बिल करेक्शन में गड़बड़ी पाए जाने पर पुष्कर उपखंड में कार्यरत सहायक लेखाधिकारी (द्वितीय) को निलंबित कर दिया है। निलंबन काल में सहायक लेखाधिकारी रवि शर्मा का मुख्यालय भीलवाड़ा रहेगा। डिस्कॉम ने अधिक बिल करेक्शन के मामलों पर भी संबंधित कार्यालय के ऑडिट का निर्णय लिया है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सचिव प्रशासन एनएल राठी ने बताया कि प्रबंध निदेशक एनएस निर्वाण के निर्देश पर यह कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि रवि शर्मा के विरुद्ध बिल करेक्शन में गड़बड़झाले की लगातार शिकायत मिली थी। इस पर

- बिल करेक्शन में गड़बड़ी पाए जाने पर निगम प्रशासन ने लिया सख्त एक्शन
- अब सभी कार्यालयों से बिल करेक्शन का आंकड़ा मंगाया जा रहा है
- बिल करेक्शन ज्यादा पाए जाने पर होगी विस्तृत ऑडिट

निगम प्रशासन ने रवि शर्मा के विरुद्ध जांच शुरू की। जांच में रवि शर्मा की बिल करेक्शन में जान बूझकर की गई गलतियां सामने आयी। इस पर निगम प्रशासन ने अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए सहायक लेखाधिकारी (द्वितीय) रवि शर्मा को निलंबित कर दिया है। निलंबन काल में रवि का मुख्यालय अधीक्षण अभियंता कार्यालय (भीलवाड़ा) रहेगा। प्रबंध निदेशक निर्वाण ने अब सभी उपखंड कार्यालयों से बिल करेक्शन का आंकड़ा मंगाया है। किसी भी उपखंड में अगर गड़बड़ी की आशंका होगी तो वहा उसकी विस्तृत ऑडिट कराई जाएगी। ऑडिट में अगर कोई भी कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध निगम नियमानुसार इसी तरह अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

नेचर ड्राइव 2022 : स्विस टेंट और ऑफ़ रोडिंग के चैंपियंस से गुलजार रहा आयोजन

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में नेचर ड्राइव का पांचवां आयोजन धन्नासर के धोरों पर रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। खास बात ये रही कि इस बार का आयोजन स्विस टेंट और ऑफ़ रोडिंग के चैंपियंस की उपस्थिति से गुलजार रहा। जिला प्रशासन के सहयोग से डेजर्ट रेडर्स क्लब की ओर से आयोजित किए गए इस ड्राइव में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली समेत कई राज्यों के पर्यटकों ने हिस्सा लिया।

डेजर्ट रेडर्स क्लब के निदेशक गुरपिंदर सिंह (केपी) ने बताया कि इस बार के आयोजन में कुल 92 गाडियों का रजिस्ट्रेशन हुआ। नेचर ड्राइव को राजवी पैलेस से जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय सिंह द्वारा फ्लैग ऑफ करके रवाना किया गया। उसके बाद दो दिन तक धन्नासर और उसके आसपास के इलाकों में पर्यटकों ने ऑफ रोडिंग और डेजर्ट सफारी का खूब लुत्फ उठाया। क्रिसमिस सेलिब्रेशन भी किया गया। इस

धन्नासर के धोरों पर नेचर ड्राइव का आयोजन किया गया।

दौरान कई खेलों का भी आयोजन हुआ। रात्रि में पंजाबी और राजस्थानी लोक कलाकारों ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। डीआरसी विलेज में इन सभी पर्यटकों ने 3 दिन तक कैंपिंग की।

- रात्रि में पंजाबी और राजस्थानी लोक कलाकारों ने भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुति दी
- जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया आयोजन

गुरपिंदर सिंह ने बताया कि इस बार के आयोजन में मोटर स्पोर्ट्स के इंटरनेशनल खिलाड़ी और एशिया पेसिफिक रैली चैंपियनशिप गौरव गिल, आरएफसी चैंपियन गुरमीत विर्दी, डेजर्ट स्ट्रॉम चैंपियन सन्नी सिद्धू समेत कई इंटरनेशनल प्लेयर और उनके परिवारजनों ने हिस्सा लिया। इंटरनेशनल खिलाडियों और उनके परिवारजनों ने इस आयोजन को बेहतरीन बताया।

सिंह ने बताया कि नेचर ड्राइव के आयोजन में पहली बार स्विस टेंट्स लगाए गए। इससे आयोजन में चार चांद लग गए। स्विस टेंट्स की खूब डिमांड रही। लिहाजा अगले आयोजन में स्विस टेंट्स की संख्या और बढ़ाई जाएगी। धन्नासर के धोरों पर स्विस टेंट्स की मौजूदगी जिले को पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध करती नजर आई। आमतौर पर ये टेंट्स जैसलमेर में लगाए जाते हैं। गुरविंदर सिंह ने बताया कि आमतौर पर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली इत्यादि राज्यों के पर्यटक क्रिसमस के दौरान जैसलमेर जाते हैं। लेकिन बहुत से पर्यटक अब हनुमानगढ़ में ही धन्नासर के धोरों पर नेचर ड्राइंग में हिस्सा लेने लगे हैं। इससे जिले में पर्यटन विकास को और बढ़ावा मिलेगा जिला प्रशासन भी इसके आयोजन को लेकर लगातार सहयोग कर रहा हैं। इसके लिए भी उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताया।

बंद मकान में पौन तीन लाख रुपये की शराब मिली

पाली, (निसं)। आबकारी विभाग पाली ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए एक बंद मकान का ताला तोड़ 67 कर्टन अवैध शराब जब्त की, जिसकी बाजार कीमत करीब पौन तीन लाख रुपए है।

आबकारी विभाग के सहायक आबकारी अधिकारी कैलाश प्रजापति ने

- तलाशी में मकान में बनी दुकान में मिली शराब

बताया कि मुखबिर की सूचना पर बुधवार दोपहर को मंडिया रोड कॉलोनी के निकट स्थित भैरूबाग नगर विस्तार में स्थित श्यामसिंह राजपूत के मकान पर दबिश दी।

मकान पर लगा ताला टीम ने तोड़ा और तलाशी के दौरान मकान में बनी दुकान में शराब स्टोर की हुई मिली। आबकारी विभाग ने यहां से 67 पेटी शराब की जब्त की। जिसकी बाजार कीमत करीब पौने 3 लाख रुपए के करीब है।

आबकारी विभाग पाली ने एक बंद मकान में शराब जब्त करने की कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग निरोधक दल के सहायक आबकारी अधिकारी विकास कुमार, आबकारी निरीक्षक संजय अखावत, प्रहराधिकारी दौलतसिंह मय जाप्ता मौजूद रहे। मकान मालिक श्यामसिंह राजपूत के खिलाफ आबकारी विभाग ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की है।

हरियाणा निर्मित अवैध शराब जब्त, दो गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना पुलिस ने गश्त के दौरान नाकाबंदी करते हुए अवैध शराब की तस्करी करते एक बोलेरो गाडी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अवैध शराब जब्त करने की कार्यवाही की है।

हमीरवास थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि सउनि गोरूराम सरकारी वाहन से गश्त हेतू थाना इलाके में रवाना हुए थे। तभी गश्त करते हुए पिलानी से राजगढ रोही हरपालू में नाकाबंदी की तो राजगढ की तरफ से एक बोलेरो गाडी आई, जिसे रूकने का इशारा करने पर चालक ने गाडी को वापस मोड कर घूमाने का प्रयास किया। जिस पर सउनि गोरूराम ने बोलेरो गाडी को रूकवाया जाकर बोलेरो चालक को गाडी घूमाने का कारण पुछा तो संतोष जनक जवाब नहीं दे पाये तथा चालक के पास बैठा व्यक्ति भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जिस पर गाडी की तलाशी लेने पर बोलेरो गाडी के ऊपर लगे कैरियर के बीच एक लोहे के गेट लगा मिला तथा तलाशी लेने पर गाडी में बनाये गये गेट में 120 बोतल अवैध हरियाणा निर्मित शराब की मिली तथा उनके परिवहन का कोई परमिट नहीं मिला।

हमीरवास थाना पुलिस ने अवैध हरियाणा निर्मित शराब की बोतलों एवं गाडी को जब्त आरोपी सदराम पुत्र रिडमल राम जाति बिश्नोई व देवाराम पुत्र बंरीगा राम जाति बिश्नोई निवासीगण अणदाणियों की ढाणी मंकी थाना धोरीमन्ना जिला बाडमेर को गिरफ्तार कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

ग्राम सेवक पर 5000 का जुर्माना

डीडवाना, (निसं)। राज्य सूचना आयोग ने सूचना के अधिकार अधिनियम के ग्राम विकास अधिकारी को आरटीआई के तहत सूचना नहीं दिए जाने का दोषी मानते हुए 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जानकारी अनुसार खुनखुना ग्राम निवासी इकराम खान ने ग्राम पंचायत खुनखुना से सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्रमाणित सूचना मांगी थी लेकिन ग्राम विकास अधिकारी हरिराम ने निर्धारित समय अवधि में प्रार्थी इकराम खान को सूचना नहीं दी। इस पर इकराम खान ने राज्य सूचना आयोग में इसकी शिकायत की। इस पर कार्रवाई करते हुए राज्य सूचना आयोग ने ग्राम विकास अधिकारी को प्रार्थी को सूचना नहीं दिए जाने का दोषी माना और कार्य में लापरवाही बरतने पर 5 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया है।

18 किलो पॉलीथिन जब्त कर जुर्माना वसूला

प्रतिबंधित पॉलीथिन कैरी बैग्स जब्त

नागौर, (निसं)। बुधवार को नगर परिषद आयुक्त अनिता बिरदा के नेतृत्व में एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के साथ नगर परिषद द्वारा गठित टीम ने बुधवार नागौर शहर के मानासर रोड, बीकानेर रोड, सुगनसिंह सर्किल में बासवानी बेकरी, रिद्धी-सिद्धी, संतोष किराणा स्टोर, बलदेवजी फुट विक्रेता, वासुदेव मिष्ठान भण्डार व बालाजी मिष्ठान भण्डार सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों पर प्रतिबंधित पॉलीथीन कैरी बैग्स जब्त करने की कार्यवाही की।

स्वच्छता निरीक्षक रामेश्वरलाल ने बताया कि कार्रवाई के तहत कुल 18 किलोग्राम पॉलीथीन जब्त करते हुए 2300 रुपये जुर्माना राशि मौके पर वसूल की गयी। इस कार्यवाही के दौरान कनिष्ठ पर्यावरण अभियन्ता तेजस्व मुद्गल, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अनिल कुमार सहित दर्जनों कर्मचारी मौजूद रहे।

- 2300 रुपये जुर्माना राशि मौके पर वसूल
- राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के साथ नगर परिषद ने की जब्ती की कार्यवाही

जालियां पंचायत के सरपंच को स्पष्टीकरण नोटिस जारी

मसूदा, (निसं)। मसूदा पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान आरआरडीएस ने क्षेत्र की जालियां ग्राम पंचायत के सरपंच आदित्य कुमार खेतावत को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है। दरअसल मामला ग्राम पंचायत क्षेत्र की निजी आबादी में सीसी ब्लॉक रोड निर्माण से जुड़ा हुआ है। उक्त कार्य हेतु राज्य वित्त आयोग योजना में 10 लाख रुपये स्वीकृत हैं। जिसकी कार्यकारी संस्था ग्राम पंचायत जालिया हैं।

मामले में पंचायत समिति सदस्य मुकेश शर्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की हाल ही में गठित जांच कमेटी द्वारा की गई मौका जांच रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। जांच रिपोर्ट में हुए

- मामला ग्राम पंचायत क्षेत्र की निजी आबादी में सीसी ब्लॉक रोड निर्माण से जुड़ा हुआ है, उक्त कार्य हेतु राज्य वित्त आयोग योजना में 10 लाख रुपये स्वीकृत हैं।

खुलासे के बाद पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान ने जालिया ग्राम पंचायत के सरपंच आदित्य कुमार खेतावत को उक्त कार्य पेटे ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान किया गया हो तो उसके बिल/वाउचर की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करने हेतु स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है। यद्यपि पंचायत समिति के विकास अधिकारी द्वारा जारी किए गए स्पष्टीकरण नोटिस का ग्राम पंचायत के सरपंच आदित्य कुमार खेतावत द्वारा क्या जवाब प्रस्तुत किया जाता है इसकी तथ्यात्मक पुष्टि तो स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के बाद ही हो पाएगी तथापि इस मामले में ग्राम पंचायत सूत्रों की माने तो संबंधित स्वीकृत राशि से कार्य अवश्य करवाया गया है परंतु इस कार्य संबंधी किसी को कोई भुगतान नहीं किया जाना बताया जा रहा है। बहराल पंचायत समिति के विकास अधिकारी फिरोज खान द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच आदित्य कुमार खेतावत को जारी किए गए स्पष्टीकरण नोटिस का जवाब आने का इंतजार है।

रीट पेपर लीक में सरकार के बड़े मंत्रियों व उच्चाधिकारियों की संलिप्तता : राजेंद्र राठौड़

कोटा, (निसं)। राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कोटा जिले की रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के कुशासन, भ्रष्टाचार व जनविरोधी नीतियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसके बाद जन आक्रोश महासभा में हिस्सा लेकर हजारों की संख्या में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि 17 दिसंबर को कांग्रेस सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर जनता की गाढ़ी कमाई के 120 करोड़ रुपये के बड़े-बड़े विज्ञापन अखबारों बैनर व होर्डिंग में लगाकर मॉडल स्टेट राजस्थान का नारा दिया गया जिसके झांसे में अब कोई नहीं आयेगा।

राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में जनसभा की।

राठौड़ ने कहा कि सरकार मत की पेटी से पैदा होती है। गहलोत सरकार ने कालखंड में महज 9 माह का समय शेष है क्योंकि आखिरी के 3 माह में तो आचार संहिता लग जायेगी। अपने कुशासन को सुशासन बताने वाली कांग्रेस सरकार की नींव अंतर्कलह से प्रारंभ हुई थी जो आज 4 वर्ष बाद भी जारी है। इस दौरान कांग्रेस ने कई प्रभारी लगाये और हटाये। हाल ही में नियुक्त नये कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा गहलोत व पायलट गुट में सुलह के असफल प्रयास कर रहे हैं। वहीं भारत जोड़ो यात्रा में राजस्थान में जो बनावटी समर्थन कांग्रेस पार्टी दिखा रही है वो नरेगा कर्मियों, स्कूली बच्चों और सरकारी संसाधानों से जुटाई भीड़ थी। राठौड़ ने कहा कि शैक्षणिक नगरी कोटा में देशभर से प्रतिवर्ष करीब डेढ़ लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स सुनहरे भविष्य के सपनों के साथ आते हैं जिनके साथ कांग्रेस की हुकूमत खिलवाड़ कर रही है।

राजस्थान में सफलतापूर्वक परीक्षाएं आयोजित करवाने में विफल गहलोत सरकार के शासन में बार-बार भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने से हताश हनुमानगढ़ के कन्हैयालाल ने अपनी जीवन लीला ही समाप्त कर ली जो सरकार के माथे पर कलंक है। कन्हैयालाल के रीट परीक्षा में 135 अंक आने के बाद परीक्षा रद्द हुई और फिर वनरक्षक परीक्षा रद्द हुई, यानी पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होने की भेंट प्रदेश के युवा बेरोजगार चढ़ रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि 24 दिसंबर को वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा का सामान्य ज्ञान का ही नहीं बल्कि उदयपुर बल्कि, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर अजमेर, अलवर, भरतपुर, दौसा और कोटा में 21, 22, और 24 दिसंबर का पेपर लीक होने के भी पुख्ता प्रमाण सामने आये हैं। रीट परीक्षा की रखवाली की जिम्मेदारी तत्कालीन माध्यमिक शिक्षा बोर्ड निदेशक डीपी जारोली व राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े लोगों को दी गई थी लेकिन उन्होंने ही शिक्षा संकुल के स्ट्राँग रूम से पेपर निकाल कर लाखों अभ्यर्थियों के सपनों को चकनाचूर कर डाला।

राठौड़ ने कहा कि रीट पेपर लीक में सरकार के बड़े मंत्रियों व उच्चाधिकारियों की संलिप्तता सामने आई तब जाकर सदन में 23 फरवरी को एंटी चीटिंग कानून विधेयक पारित किया गया था लेकिन दुर्भाग्य है कि इस कानून के तहत किसी भी आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई जबकि उत्तरप्रदेश में पेपर माफिया के पकड़ने पर संपत्ति जब्त हो जाती है। गहलोत राज में तो सीएचओ भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में संलिप्त विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा का स्कूल अब तक सील नहीं किया गया है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में लागू गहलोत पैनल कोड में कोटा जिले में अपराध चरम पर है। सुबह से शाम रोजाना बहन-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया जा रहा है, दुर्भाग्य है कि अब तो आदिवासी क्षेत्रों व भीलवाड़ा में स्टाम्प पेपर पर लड़कियों की नीलामी की जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान पुलिस के अधिकृत दस्तावेज एवं एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति पर अत्याचारों में राजस्थान देश में दूसरे पायदान पर है। राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2019 में 100 से ज्यादा बच्चों की मौत हुई थी और वर्ष 2020 करीब दर्जनभर बच्चों की अस्पताल में मौत के बाद भी अस्पतालों के हालात जस के तस है।

- अंब'कांग्रेस सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर 120 करोड़ रुपये के विज्ञापन अखबारों, बैनर व होर्डिंग में लगाकर मॉडल स्टेट राजस्थान का नारा दिया गया जिसके झांसे में अब कोई नहीं आयेगा'

राठौड़ ने कहा कि भ्रष्टाचार की भट्टी में पूरा राजस्थान जल रहा है। कोटा में कांग्रेस के जनप्रतिनिधि पट्टा बांटों अभियान में चांदी कूटो अभियान चलाये हुए हैं। कोटा जिले के लाडपुरा, सांगोद, रामगंजमंडी, इटावा, कनवास, दीगोद इलाके में बाढ़ से खेत व फसलों को काफी नुकसान पहुंचा लेकिन किसानों के नुकसान की भरपाई भी राज्य सरकार ने नहीं की।

पत्रकार वार्ता में रामगंजमंडी विधायक एवं प्रदेश महामंत्री मदन दिलावर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, भाजपा शहर जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोनी, देहात जिला अध्यक्ष मुकट नागर, पूर्व विधायक अनिल जैन एवं भाजपा प्रदेश सह संयोजक अरविन्द सिसोदिया सहित पार्टी कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

अधीक्षण अभियन्ताओं को माह में दो बार जनसुनवाई के निर्देश

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एनएस निर्वाण ने निगम के अधीक्षण अभियन्ताओं को आम उपभोक्ताओं को ध्यान में रख कर उन्हें राहत प्रदान करने के लिए प्रत्येक माह में दो बार जनसुनवाई करने के निर्देश दिए है। प्रबन्ध निदेशक द्वारा जारी निर्देशों के तहत अब प्रत्येक माह में 10 तारीख तक वृत्त मुख्यालय में तथा 15 से 25 तारीख के मध्य रोटेशन के आधार पर खंड कार्यालय में जनसुनवाई की जाएगी।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक एनएस निर्वाण ने बताया कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही अजमेर डिस्कॉम का परम लक्ष्य है। हमारी प्राथमिकता उपभोक्ता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति और उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण करना ही है। इसी को मद्देनजर रखते हुए सभी वृत्त अधीक्षण अभियन्ताओं को निर्देश दिए गए है कि वे प्रत्येक माह की 10 तारीख तक अपने वृत्त मुख्यालय पर एक तथा 15 से 25 तारीख तक अपने वृत्त के अधीन एक खंड कार्यालय में रोटेशन से जनसुनवाई किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

प्रबंध निदेशक निर्वाण ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी परिवेदनाओं का निस्तारण कर पालना रिपोर्ट मुख्य अभियंता को सूचित करते हुए पूर्व निर्धारित प्रारूप में पूर्व की भांति सॉफ्ट कॉपी में अधिशासी अभियंता (परिवेदना) अजमेर को प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने अधीक्षण अभियन्ताओं को सख्त हिदायत दी।

संक्षिप्त

रैली निकाल जागरूक किया

खैरथल, (निसं)। महर्षि परशुराम महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के चतुर्थ दिवस पर स्वयंसेवकिओं द्वारा रैली निकाल कर बेटियों के प्रति जन जागरुकता का सन्देश दिया। शिविर प्रभारी गोरधन ने बताया कि संस्था के निदेशक संजय खंडेलवाल ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वयं सेविकाओं ने स्लोगन लिखी तख्तियां हाथों से लेकर नारे लगाते हुए भ्रूणहत्या,बाल विवाह को रोकने के साथ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व स्वच्छता रखने का घर घर संदेश दिया और बेटियों का महत्व बताया।

वार्षिक सत्यापन कराने का आह्वान

खैरथल, (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को निर्धारित समयावधि 31 दिसंबर तक वार्षिक सत्यापन करवाने के लिए कहा गया है। पालिका के ईओ पवन कुमार शर्मा ने निर्धारित समयावधि में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों से कहा है कि 31 दिसंबर से पूर्व पैंशन पीपीओ, बैंक पासबुक, आधार कार्ड व जन आधार कार्ड साथ लेकर नजदीकी ई मित्र पर उपस्थित होकर वार्षिक सत्यापन करवाना सुनिश्चित करें अन्यथा सत्यापन के अभाव में आगामी माह से विभाग द्वारा पैंशन बन्द कर दी जाएगी।

दक्ष ने जीता कांस्य पदक

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मऊ निवासी दक्ष शेखावत ने पॉवर लिफ्टिंग में कांस्य पदक जीतकर गांव का नाम रोशन किया है। ग्रामवासी राकेश शर्मा ने बताया कि मऊ के दक्ष शेखावत पुत्र राजपाल सिंह शेखावत ने (रॉ) पॉवर लिफ्टिंग के तत्वाधान में आयोजित नेशनल इंडिया पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता 2022 दिनांक 26-27 दिसंबर को पंजाब के आलिव गार्डन जी.टी. रोड, जाडियाला गुरु (पंजाब) में आयोजित पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 102.5 किलोग्राम पॉवर लिफ्टिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

इंदिरा रसोई का औचक निरीक्षण

बौंली, (निसं)। नगर पालिका मुख्यालय बौंली पर संचालित इंदिरा रसोई क्रमांक 812 का एसडीएम बद्रीनारायण मीणा ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम ने साफ-सफाई रसोई व टोकन व्यवस्था सहित इंदिरा रसोई में भोजन की गुणवत्ता को जांचा। जांच के दौरान एसडीएम ने इंदिरा रसोई में भोजन भी किया। इंदिरा रसोई संचालक शंकर लाल मीणा ने बताया कि उप जिला कलेक्टर बद्रीनारायण मीणा ने जांच के दौरान सभी व्यवस्था सही पाए जाने पर संतोष व्यक्त किया।

जन आक्रोश महासभा आज

बौंली, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बौंली नगर के जगत शिरोमणि जी की धर्मशाला प्रांगण में होने वाली 29 दिसंबर की जनआक्रोश महासभा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओंव पदाधिकारियों ने तैयारियां पूर्ण कर ली है। जनाक्रोश महासभा में मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा होंगे एवं करौली, धौलपुर, सांसद मनोज राजोरिया सहित कई प्रदेश के नेता अपने विचार व्यक्त करेंगे।

डॉक्टर लेट आए तो ग्रामीणों ने सीएचसी पर ताला लगाया

अलवर, (निसं)। अलवर के बहादरपुर में सीएचसी स्टाफ के लेट आने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। ग्रामीणों ने सीएचसी के ताला लगा दिया और देरी से आए स्टाफ को अंदर घुसने से रोक दिया।

ग्रामीणों ने स्टाफ को खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि यहां बच्चे-बुजुर्ग बीमार हैं, लेकिन डॉक्टर समय पर ही नहीं आते हैं। स्टाफ दवा देने से मना कर देता है। जितनी दवा लिखी जाती है,

■ देरी से आए स्टाफ को अंदर घुसने से रोक दिया

अलवर के बहादरपुर में सीएचसी स्टाफ के लेट आने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया।

उसकी आधी भी नहीं दी जाती है। अस्पताल में डॉक्टर 1 से 2 घंटे देरी से आते हैं और दोपहर 3 बजे से पहले ही चले जाते हैं। आज भी सुबह 9.30 बजे तक केवल 2 नर्सिंगकर्मी आए थे और कोई भी डॉक्टर नहीं आया था।

सीएचसी में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के देरी से आने से नाराज ग्रामीणों ने सुबह 9.30 बजे सीएचसी के ताला लगा दिया। जब 11 बजे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ के लोग पहुंचे तो उनको बाहर ही रोक दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल में 5 डॉक्टर हैं, लेकिन एक भी समय पर नहीं आता है। ग्रामीणों ने इसको लेकर कई बार शिकायत की, लेकिन इसके बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सर्दियों में अस्पताल का समय 9 बजे का है, लेकिन डॉक्टर सहित ज्यादातर स्टाफ 11 बजे तक आते हैं, जिसके कारण मरीजों को परेशानी होती है। इसके अलावा स्टाफ 2 बजे ही हॉस्पिटल बंद कर घर चले जाते हैं। विरोध प्रदर्शन की सूचना पर तहसीलदार लालचंद, बीसीएमओ केशव सोनी ने मौके पर पहुंचे और लोगों से बात की। करीब 1 बजे सीएचसी पर लगा ताला खुलवाया। नगरपालिका अध्यक्ष संजय गर्ग ने भी व्यवस्था सुधार के लिए ग्रामीणों को आश्वासन दिया। इस दौरान हेल्पिंग हैंड्स टीम के सदस्य ओम प्रकाश वर्मा, मनीष जांगिड, एमपीएस रघुवीर सैनी, कैलाश शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख रमन गुलाटी, भजन लाल, पूर्व सरपंच इंदु दीक्षित, मनोहर लाल सैनी सहित बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

'कांग्रेस एक दल ही नहीं बल्कि एक विचारधारा है'

दौसा, (निसं)। कृषि विपणन मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस एक दल ही नहीं बल्कि एक विचारधारा और आंदोलन है जो कि असहायों, दलितों, किसानों, मध्यमवर्गीय परिवार, पिछड़े वर्गो की आवाज उठाती रही है।

कृषि विपणन मंत्री मुरारीलाल मीणा बुधवार को पं. नवलकिशोर शर्मा सामुदायिक भवन में कांग्रेस स्थापना दिवस पर आयोजित वयोवृद्ध कांग्रेसजन सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोल रहे थे। उन्होंने वयोवृद्ध कांग्रेसजनों को सम्मान करते हुये कहा कि बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओड ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जहां देश के स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद देश को एक नई दिशा देने में कांग्रेस पार्टी की अहम भूमिका रही है। समारोह में नगर परिषद सभापति ममता चौधरी, दौसा प्रधान प्रहलाद मीणा, नांगल राजावतान प्रधान दिनेश बारवाल, लवाण प्रधान बीना बैरवा, नगर परिषद उपसभापति कल्पना जैमन, पूर्व आरपीएससी सदस्य विनोद बिहारी शर्मा, मानगंज व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौधरी, वरिष्ठ नेता नरेंद्र जैमन, उषा माथुर, मीडिया प्रभारी उमाशंकर बनियाना, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

शिविर में 385 मरीज हुए लाभांवित

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। एमजेएफ ग्रुप के चेयरपर्सन कैलाश राज सैनी के सानिध्य में बुधवार को ग्राम पंचायत विमलपुरा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिखाने आए बुजुर्ग मरीज रघुनाथ व मुकेश शर्मा ने बताया कि निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर कैलाश राज सैनी मरीजों के लिए घणों चोखो काम करियो छः। हम उनको धन्यवाद देना चाहते हैं। कैलाश राज सैनी द्वारा विगत 8 वर्षों से सभी ग्राम पंचायतों के गांव गांव ढाणी ढाणी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर मानसेवार्थ कार्य कर रहे हैं। शिविर प्रभारी डॉ सुरेन्द्र गौतम ने बताया कि शिविर में स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, त्वचा रोग, पेट संबंधित रोग, मिर्गी रोग, मौसमी बीमारियो, पायल्स तथा आंख, कान, गला, मुख संबंधित विभिन्न बीमारियो का पंचकर्म विधि से इलाज किया गया। चिकित्सा शिविर में डॉ विभास, डॉ सुमन, डॉ अमित, डॉक्टर केवी राजू , डॉ नरेश व इंटर्न डॉक्टर नितेश कुमारी, डॉ अनीता यादव, डॉ सतीश सैनी व वेल जितेन्द्र वर्मा ने मरीजो को परामर्श देकर निःशुल्क दवा वितरण की गई। शिविर में करीब 385 मरीज लाभांवित हुए।

ओम माथुर ने मां शाकंभरी के दर्शन किए

सांभरझील, (निसं)। पूर्व राज्यसभा सांसद ओम माथुर मंगलवार देर शाम सांभर से 25 किलोमीटर दूर सुदूर पहाड़ी पर स्थित चौहान शासकों की कुलदेवी शाकंभरी माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। मंदिर की भव्यता को देख माथुर काफी अभिभूत भी हुए। मंदिर की प्राचीनता और मां शाकंभरी के महत्व से जुड़ी जानकारी भी उनसे साझा की गई। सांभर पहुंचने पर उनका कार्यकर्ताओं की ओर से जोरदार अभिनंदन किया गया। मंदिर पुजारियों द्वारा विधि विधान से शक्ति पीठ मां शाकंभरी की पूजा करवाई गई। ओम माथुर के साथ स्थानीय विधायक भी साथ रहे। मंदिर कमेटी द्वारा माता की चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया।वहीं स्थानीय कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी अगवानी की गई। इस मौके पर पार्षद धर्मेंद्र जोपट, भाजयुमो अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सैनी, पार्षद गौतम सिंघानिया, पार्षद पति सत्यनारायण स्वामी सहित भाजपा युवा मोर्चा की टीम के सभी सदस्यगणों ने उनका जोरदार अभिनंदन किया।

138वां कांग्रेस स्थापना दिवस मनाया

चौंमू / कालाडेरा, (निसं)। चौंमू शहर के मोरीजा रोड पर स्थित कांग्रेस कार्यालय गोठवाल भवन पर नगरपालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी व कांग्रेस कार्यकर्ताओं के द्वारा 138वां कांग्रेस स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी द्वारा पार्टी का झंडारोहण किया गया। चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 में की गयी थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक भारत में कांग्रेस पार्टी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकांत जोशी, वरिष्ठ कांग्रेसी शरद चन्द चौहान, पार्षद आशीष यादव, एडवोकेट धीरेन्द्र कुमार सैनी, इमामुद्दीन कुरेशी, अशोक कुमार रच्छौया, रमेश चन्द्र सैनी, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष चंद्रकला नागौरी, सुनील सैनी, मामराज गोठवाल, सुरेश फौजी, अभिषेक भदाला, धर्मेन्द्र यादव व राकेश इंदौरा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापारियों ने एक मंच पर आकर धरना दिया

अलवर, (निसं)। शहर के व्यापारियों ने एक मंच पर आकर धरना दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध जताया।

■ लूट, चोरी, छीना-झपटी के अलावा साइबर ठगी की घटनाओं से रोष

अलवर शहर में आए दिन हो रही चोरी, लूट, छीना-झपटी और साइबर ठगी की घटनाओं के विरोध में बुधवार को सभी व्यापारिक संगठनों ने एक मंच पर आए और इन घटनाओं को लेकर विरोध जताते हुए धरना दिया। व्यापारियों का कहना है कि आए दिन अपराध होता है, गुंडों में पुलिस का खौफ नहीं है और व्यापारी सुरक्षित नहीं हैं। अभी हमने विरोध जताया है। आगे रणनीति बनाकर बडा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने कहा कि पुलिस हर मोर्चे पर विफल है। बार-बार लूट, चोरी, छीना-झपटी के अलावा साइबर ठगी की घटनाएं होती रही है। पुलिस को ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज तक दिए गए हैं, लेकिन इसके बाद भी आरोपी पकडे नहीं जाते हैं। दोषियों को जेल के पीछे होना चाहिए, लेकिन वो खुले में घूम रहे हैं। अब गुंडा तत्वों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। लोग न घर में सुरक्षित हैं और न बाजार में। इस कारण व्यापारियों में भारी आक्रोश है। अभी सांकेतिक धरना दिया गया है। आगे रणनीति बनाकर आंदोलन करेंगे।

व्यापारियों ने शहर में गुंडागर्दी करने वाले कुछ बदमाशों के फुटेज जुटाकर पुलिस को दिए हैं। इसके बाद भी इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों में नाराजगी है।

व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने बताया कि सभी व्यापारिक संगठनों में पुलिस प्रशसन के खिलाफ नाराजगी है। असल में व्यापारी खुद को असुरक्षित महसूस करता है। बदमाशों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है। दुकान पर धमकी देकर जाते हैं। घर में घुसकर मारपीट और चोरी करते हैं। बैंक में रखा पैसा ठग लिया जाता है।

गहलोत-पायलट विवाद से रुका विकास : राजेन्द्र राठौड़

निवाई, (निसं)। भाजपा उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का बुधवार को भाजपा युवा मोर्चा मंडल पीपलू द्वारा जयपुर से रामगंजमंडी कोटा जाते समय सोहेला बायपास पर स्वागत किया गया।

सोहेला में भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया, अध्यक्ष दशरथसिंह राजावत, एबीवीपी नगर अध्यक्ष रामकल्याण प्रजापत, गहलोद मंडल अध्यक्ष राजेश जांगिड़ के नेतृत्व में सैकडों कार्यकर्ताओं ने तलवार भेंट करते हुए स्वागत किया गया। इस दौरान राजेन्द्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए गहलोत-पायलट विवाद को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों नेताओं की कुर्सी की लडाई का सबसे ज्यादा खामियाजा टोंक के लोगों को ही भुगतना पड़ा है।

निवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का स्वागत किया।

पायलट के यहां से विधायक चुने जाने पर लोगों को ऐतिहासिक विकास कार्यों की उम्मीद थी। वहीं आज पायलट का यह क्षेत्र विकास कार्यो की दृष्टि से पूरी तरह उपेक्षित हो गया है। राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव 2023 में विजय का संकल्प दिलाया। भाजपा में आगामी विधानसभा चुनाव के नेतृत्व पर बोले कि पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर भाजपा राजस्थान में चुनाव लडेगी और सफलता हासिल करेगी।

पत्रकारों से बात करते हुए राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के चार साल का शासन विफलताओं से भरा रहा है। सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह से विफल साबित हुई है। राठौड ने कहा कि पेपर लीक पर सरकार ने भले ही एक्ट बना दिया हो। लेकिन पेपर लीक का सिलसिला लगातार बना हुआ है। राठौड नें प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के दावों को मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा बताते हुए कहा कि इस बार भाजपा की जीत सुनिश्चित है। इस अवसर पर पीपलू युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दशरथसिंह, महामंत्री सचिन मेहरा, नितीश लक्षकार, सूर्यप्रकाश योगी, जीतराम, रामबाबू, रामकल्याण प्रजापत, राजू सैनी, सियाराम योगी, राजू सैनी, सूरज चौधरी आदि मौजूद थे।

जनाक्रोश महासभा की तैयारी बैठक

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र में कांग्रेस सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ 4 जनवरी को विराटनगर में आयोजित होने वाली जनाक्रोश महासभा की तैयारी को लेकर बुधवार को कस्बे के रामलीला मैदान में भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनखड के मुख्य आतिथ्य में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक संपन्न हुई।

धनखड ने बताया कि विराटनगर विधानसभा क्षेत्र की यह सबसे बड़ी सभा होगी, जिसमें करीब 10,000 लोगों की भीड का लक्ष्य रखा गया है। सभा में अधिक से अधिक भीड जुटाने के लिए विराटनगर शहर में 30 व 31 दिसंबर को पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थान चिन्हित कर नुक्कड सभाओं के तहत जनसंपर्क किया जाएगा तथा उपस्थित लोगों को पत्रक एवं पीले चावल वितरित किए जाएंगे। इसी प्रकार 1 जनवरी को समीपवर्ती पंचायतें पापडा, कुहाडा, सोठाना, छीतोली, जयसिंह पुरा, बीलवाडी में भी नुक्कड सभाओं के तहत जनसंपर्क किया जाएगा। जिसके लिए संबंधित क्षेत्रों में टीम बनाकर जिमेदारी सौंपी गई। बैठक में पूर्व चेयरमैन भागीरथ मल सैनी, पूर्व पार्षद बद्री प्रसाद सैनी, घनश्याम गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, अशोक जैन, मामराज सोलंकी, मंडल उपाध्यक्ष गणपत लाल शर्मा, मंडल महामंत्री छाजू लाल जांगिड महेश चंद सैनी, रामेश्वर प्रसाद मीणा, निर्मल जैन, देशराज बंजारा, महेश यादव, बलवीर यादव, राकेश स्वामी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेपर लीक मामले में युवाओं का फूटा गुस्सा

चौमूं, (निसं)। आरपीएससी की ओर से आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की ओर से शहर में नगरपालिका के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और स्थानीय विधायक रामलाल शर्मा और युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्जुन यादव के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पेपर लीक प्रकरण के मामले में युवाओं के हितों पर कुठाराघात बताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग कर पुतला फूंका।

■ नगरपालिका के बाहर सरकार के खिलाफ भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी व पुतला जलाया

विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार पूरी तरीके से फेल हो चुकी है। युवाओं को रोजगार के केवल सब्जबाग दिखाए जा रहे हैं। धरातल पर कोई काम नहीं हो रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लगातार प्रश्न पत्र लीक होते जा रहे हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लगातार प्रश्न पत्र लीक होते जा रहे हैं। बात चाहे राज्य कर्मचारी चयन आयोग की करें या राजस्थान लोक सेवा आयोग की दोनों ही एजेंसी आपने कार्यशैली पर खरी नहीं उतर रही है। हाल ही द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती प्रतियोगी परीक्षा के दौरान जिस तरीके से प्रश्नपत्र आउट होने के मामले सामने आए। उससे यह बात साबित हो रही है कि युवाओं को रोजगार के नाम पर केवल भ्रमित किया जा रहा है।

ऑनलाइन ठगी कर खाते से 25 हजार उड़ाये

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर के वार्ड 7 निवासी आईटीबीपी जवान के साथ ऑनलाइन ठगी होने का मामला सामने आया है।

मामले में युवक ने साइबर क्राइम में सूचना देकर मामला दर्ज कराया है। पीडित जवान भवानी सिंह ने बताया कि उसने एसबीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड को बंद करवाने के लिए काफी दिन पहले बैंक के टोल फ्री नंबरों पर कॉल किया था। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे उसके पास एक मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने उससे कहा कि आपका एसबीआई क्रेडिट कार्ड अभी चालू है और क्रेडिट कार्ड खाते को परमानेंट ब्लॉक करवाने का झांसा देकर उसे टीम व्यूअर एप डाउनलोड करने के लिए कहा और इसके लिए उसके मोबाइल पर एक लिंक भेजा। जैसे ही उसने मोबाइल पर आए लिंक पर क्लिक करकर टीम व्यूअर एप डाउनलोड किया तो ठग ने उसके मोबाइल को हैक करकर उसके एसबीआई अकांउट पर ऑनलाइन 1 लाख 25 हजार रूपयों का लोन करवाया और खाते से 25 हजार रूपए निकाल लिए। खातें से रूपए निकलने का मैसेज आते ही उसने बैंक में जाकर पता किया तो मालूम चला कि किसी सुरेश कुमार नाम के व्यक्ति के खातें में ये रूपए ट्रांसफर हुए है।

सेना में हवलदार संदीप गुर्जर की ड्यूटी के दौरान मौत

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के गांव जयसिंहपुरा निवासी पंजाब ब्रिगेड ऑफ दी गार्ड्स थलसेना 10 गार्ड में हवलदार के पद पर कार्यरत संदीप पुत्र रामकरण गुर्जर की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। जिसकी सूचना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

जिनकी पार्थिव देह बुधवार सुबह प्रागपुरा से सैन्यकर्मी के सम्मान में युवाओं ने प्रागपुरा से बड़ी संख्या में तिरंगा व बाइक रैली सहित उनके पैतृक गांव जयसिंहपुरा लाई गई। संदीप की मौत के बाद मृतक की पत्नी केशंता देवी सहित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। मृतक के दो बच्चे है। जिनमें छह वर्षीय प्रियांशी व पांच वर्षीय क्रिश है।

बड़ी संख्या में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने हवलदार संदीप गुर्जर के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना बंधाई। वहीं मृतक के छोटे भाई देशराज के बताया कि संदीप 2011 में सेना में

पैतृक गांव जयसिंहपुरा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया।

भर्ती हुआ था। हवलदार संदीप गुर्जर की मृत्यु की सूचना मिलते ही विरानगर विधायक इंद्राज गुर्जर, पूर्व विधायक रामचंद्र सराधना, रानी रत्नाकुमारी, भाजपा पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकड प्रधान प्रतिनिधि कन्हैयालाल गुर्जर, भाजपा नेता हरिप्रशाद बल्लीवाल, भाजपा नेता महेश हलसर, भाजपा नेता गौरव यादव, भाजपा नेता जीएल यादव, छितोली सरपंच शीशराम दायमा, किसान संघ से भगवत सिंह, भाजपा नेता महेंद्र सिंह शेखावत, हरिसिंह सिंधु, हीरालाल बुनकर, कुनेड पूर्व सरपंच राजेश यादव सहित जनप्रतिनिधियों ने पीडित परिवार को सांत्वना दी व शव यात्रा में शामिल होते हुए श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पचक्र अर्पित किया। वही प्रशासनिक प्रोटोकॉल के लिए भाभरू व प्रागपुरा थाना अधिकारी मय जाप्ता, डीएसपी संजीव चौधरी, राजवीर सिंह यादव उपखंड अधिकारी पावटा, अधिशासी अधिकारी अनीता यादव समेत अनेक जनप्रतिनिधि समेत सैकडों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लंबी कूद में श्रेया प्रथम, निशा द्वितीय

किशनगढ़ बास, (निसं)। भारतीय ग्रुप ऑफ महाविद्यालय में 3 दिवसीय आंतरिक खेलकूद प्रतियोगिता में भारती पीजी कॉलेज भारतीय टीटी कॉलेज एवं जीएलएम कृषि महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। भारतीय ग्रुप ऑफ कॉलेज डायरेक्टर डॉ रितेश शर्मा ने प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया।

कॉलेज डायरेक्टर अरविंद अग्रवाल ने बताया कि तीन दिवसीय आंतरिक महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वामीनाथ टीम प्रथम व द्वितीय स्थान पर राधा कृष्ण रही। लंबी कूद प्रतियोगिता में छात्रा श्रेया मीणा प्रथम व निशा द्वितीय स्थान पर रही छात्र वर्ग में दीपक यादव प्रथम राहुल सैनी द्वितीय रहे। ऊंची कूद प्रतियोगिता में राहुल खान प्रथम लोकेश द्वितीय स्थान पर रहे। गोला फेंक प्रतियोगिता में पुष्पा प्रथम वह वर्षा यादव द्वितीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में मुदित प्रथम आकाश द्वितीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार खो-खो रस्साकशी रूमाल झपट्टा प्रतियोगिता में छात्रा वर्ग की टीम स्वामी विवेकानंद प्रथम वह लक्ष्मीबाई सदन द्वितीय स्थान पर रही। छात्र वर्ग में राधा कृष्ण प्रथम भगत सिंह द्वितीय स्थान पर विजेता रही।

राजस्थान-सरकार
निष्पादन अधिकारी एवं कार्यवाहक ऋण प्रभारी
दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
दीवान चैम्बर नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाज़ार, जयपुर, फ़ोन नं. - 0141-2573236

क्रमांक RLB/5751/2022-23 — **नीलामी की सूचना** — दिनांक: 28.12.2022
(राजस्थान सहकारी सोसायटी नियम 2003 के नियम 94 के अन्तर्गत)
05.01.2023 प्रातः 11:30 बजे से

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित ऋणी सदस्यों द्वारा डिक्रीधारी दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की बकाया ऋण राशि नहीं चुकाने के कारण इनकी निम्नांकित सम्पत्ति दिनांक 16.01.2020 को कुर्क कर कब्जे में ले ली गई है। उक्त कब्जा शुदा सम्पत्ति "जहां जैसी भी स्थिति में है", के आधार पर दिनांक 05.01.2023 को प्रातः 11:30 बजे वर्णित नीलामी स्थल पर खुली बोली से नीलाम की जायेगी। अतः इच्छुक व्यक्ति नियमानुसार नीलामी स्थल पर मौके पर उपस्थित होकर आवेदन कर बोली लगावे।

ऋणी सदस्यों का नाम	सम्पति का विवरण	आरक्षित मूल्य	धरोहर राशि
शाहीन पत्नी व् सहआवेदक मोहम्मद इस्माइल निवासी प्लाट संख्या 1841 मेहरो की नदी, चौकड़ी रामचंद्र, रामगंज बाजार, जयपुर	प्लाट संख्या 1-N राधा विहार, जयसिंह नगर, चुंगी नाका के पास, दिल्ली रोड, जयपुर क्षेत्रफल 86.66 वर्गगज	7,00,000/- अक्षरे सात लाख रुपये	आरक्षित मूल्य का 25% राशि

नीलामी स्थलः- दी राजलक्ष्मी महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. दीवान चैम्बर, नवाब साहब की हवेली, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर। (नीलामी की कार्यवाही से पूर्व नीलामी स्थल बदलने का अधिकार निष्पादन अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा। नीलामी की शर्तें :- नीलामी स्थल अथवा निष्पादन अधिकारी के उपरोक्त वर्णित कार्यालय अथवा डिक्रीधारी बैंक के प्रधान कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी या प्राप्त की जा सकती है।
(सादत अली) निष्पादन अधिकारी, दी राजलक्ष्मी महिला अरबन कॉ-ऑपरेटिव बैंक लि

कार्यालय ग्राम पंचायत मलिकपुरा पं.स. किशनगढ रेनवाल

क्रमांक-ग्रा.प.म./2022-23/181 — दिनांक-28/12/2022

ऑन लाईन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मलिकपुरा पंचायत समिति किशनगढ रेनवाल में वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की अन्य योजनाओं के अंतर्गत करवाये जाने वाले निर्माण कार्यों की आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार सामग्री आपूर्ति हेतु, जी.एस.टी. के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 28.12.2022 से 26.01.2023 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है उक्त निविदा सूचना की ग्राम पंचायत वार विवरण दिनांक एवं शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं download कर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्तानुसार निविदा की विवरण निम्नानुसार है।

UBN-ZJP2223GLRC02076, NIB-ZJP2223A0885

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मलिकपुरा, पं.स.कि.रेनवाल, जयपुर
सरपंच, ग्राम पंचायत मलिकपुरा, पं.स.कि.रेनवाल, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत मण्डाभीमसिंह पं.स. किशनगढ रेनवाल

क्रमांक-196 — दिनांक-27/12/2022

ऑन लाईन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत मलिकपुरा पंचायत समिति किशनगढ रेनवाल में वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज की अन्य योजनाओं के अंतर्गत करवाये जाने वाले निर्माण कार्यों की आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार सामग्री आपूर्ति हेतु, जी.एस.टी. के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 28.12.2022 से 06.01.2023 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है उक्त निविदा सूचना की ग्राम पंचायत वार विवरण दिनांक एवं शर्तें www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं download कर प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्तानुसार निविदा की विवरण निम्नानुसार है।

UBN-ZJP2223GLRC02077, NIB-ZJP2223A0886

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत मण्डाभीमसिंह, पं.स.कि.रेनवाल, जयपुर
सरपंच, ग्राम पंचायत मण्डाभीमसिंह, पं.स.कि.रेनवाल, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 46/2022 — (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री महावीर गिरी, निवासी ग्राम भण्डोडी, तहसील मालाखेडा जिला अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत जय महाकाली मॉ मंदिर ट्रस्ट, ग्राम भण्डोडी तहसील मालाखेडा, जिला अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन – पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त षक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाषित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन –पत्र निर्धारित रीति से निर्णत किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 27.12.2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारीख पेशी 28.02.2023

सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

संक्षिप्त

घायल युवक ने दम तोड़ा

किशनगढ़ बास, (निसं)। क्षेत्र के गांव मोठूका जेस्तीका सड़क पर अचेत अवस्था में मिले युवक के दम तोड़ देने पर युवक की हत्या किए जाने का संदेह करते हुए पिता ने पुलिस में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। युवक गांव मोठूका सपेरा बस्ती का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि मोठूका सपेरा बस्ती निवासी श्यामनाथ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का संदेह जाहिर करते हुए मामला दर्ज कराया है। युवक मनोज नाथ उम्र 20 साल को सुबह करीब 9 बजे जेस्तीका सडक से निकल रहे नरेगा कर्मचारियों ने अचेत अवस्था में पडा देखा गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अचेत अवस्था में लेकर घर पहुंची और इलाज के लिए अस्पताल लेकर आने लगे तो रास्ते में दम तोड दिया।

ट्रेन का ठहराव आज से

फुलेरा, (निसं)। रेलवे प्रशासन द्वारा रेलयात्रियों की सुविधा हेतु अजमेर आगरा फोर्ट अजमेर एक्सप्रेस का नरैना पर एवं दिल्ली सराय रोहिल्ला उदयपुर सिटी चेतक एक्सप्रेस का फुलेरा स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव प्रारंभ किया गया है। देनिक रेलयात्री संघ एकिकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि नरैना व फुलेरा रेलयात्रियों के द्वारा काफी दिनों से इन ट्रेनों के ठहराव की मांग उठायी जा रही थी इस हेतु रेलयात्री संघ ने जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन राठौड, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव,रेल्वे अधिकारीयो को पत्र प्रेषित कर ट्रेनो के ठहराव की मांग की थी। जिसपर रेल मंत्रालय द्वारा उपरोक्त ट्रेनो के ठहराव की स्वीकृति दे दी है।

सूरजकरण ब्लॉक अध्यक्ष बने

मालपुरा, (निसं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ मालपुरा ब्लॉक की बुधवार को सुरेश चौधरी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महासंघ से जुड़े प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। संगठन के जिलाध्यक्ष रामनारायण चौधरी, आईटी संघ प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र बैरवा की गरीमामय उपस्थिति में संगठन के मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर सुरजकरण गुर्जर को मनोनीत किया गया। वहीं बाबूलाल वर्मा को ब्लॉक मंत्री व बीरबल खीचड को ब्लॉक कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवमनोनीत पदाधिकारियो का माला पहना स्वागत किया।

कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस पर पार्टी का झण्डा रोहण किया

टोंक, (निसं)। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस एवं कांग्रेस सेवादल के स्थापना दिवस पर पार्टी का झण्डा रोहण निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता ने किया और इस मौके पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं को कांग्रेस स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि चाहे देश स्वतंत्रता की लडाई हो अथवा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की परिस्थितियां हो, कांग्रेस का राष्ट्रसेवा, जनसेवा उद्देश्य रहा है।

इस मौके पर कहा कि हम सब के लिए गर्व की बात है कि हम देश की एकता, अखण्डता, सप्रभुता को कायम रखने वाली पार्टी का हिस्सा हैं। आगामी 26 जनवरी, 2023 से हाथ से हाथ जोडों अभियान जिला स्तर पर चलाया जायेगा, जिसमें जिले के समस्त बूथों, ब्लॉकों पर कार्यकर्त्ता कांग्रेस की जन भावनाओं को आम लोगों तक पहुंचायेंगे और यह कार्यक्रम दो महिने तक चलेगा।

संगोष्ठी में शिवजीराम मीणा, पार्षद शब्बीर अहमद, सेवादल जिलाध्यक्ष अब्दुल खालिक, शिक्षक नेता मेहमूद शाह, ओसाफ खान, शिवपाल खण्डवा, एहसान बाबा, जर्रार खान, मो. अजमल देवपुरा आदि ने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा पर अपने विचार व्यक्त कियें। जिला प्रवक्ता जर्रार खांन ने बताया कि अजीज कुरैशी, मुराद गांधी, रामधन जाट, आमिर फारूख, सेवादल महिला अध्यक्ष शबाना बी, शौकत हुसैन कायमखानी के अलावा बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने कांग्रेस स्थापना दिवस मनाया।

- 'हर परिस्थितियों में कांग्रेस का राष्ट्रसेवा, जनसेवा उद्देश्य रहा है'

कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस एवं कांग्रेस सेवादल के स्थापना दिवस पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता ने पार्टी का झण्डा रोहण किया।

लापता युवक का नहीं लगा सुराग

देवली, (निसं)। शहर से 3 सप्ताह पहले लापता हुए युवक की गुत्थी नहीं सुलझ पा रही। शहर के वार्ड नंबर 5 खटीक मोहल्ले से एक युवक शादी में जाने की बात कहकर अब तक नहीं लौटा है। इसको लेकर युवक के मां-बाप ने स्थानीय पुलिस थाने में युवक की तलाश किए जाने के लिए रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने भी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद युवक की तलाश पुरजोर से शुरू कर दी है। मगर न तो मां-बाप को राहत मिल पा रही है ना ही पुलिस को युवक की तलाश में सफलता मिल पा रही है। मामला यह है कि पप्पू खटीक पुत्र नाथू खटीक निवासी देवली ने 10 दिसंबर 2022 को पुलिस थाने पहुंचकर अपने बडे बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी पुलिस ने उक्त पीडित की रिपोर्ट दर्ज किए जाने के बाद युवक की तलाश करने की कवायद भी शुरू कर दी परंतु अब तक लापता युवक का सुराग पुलिस को नहीं लग पाया है। पप्पू खटीक पुत्र नाथू खटीक ने रिपोर्ट में बताया कि उसका बडा बेटा दीपक कुमार खटीक 3 सप्ताह पहले अपने किसी दोस्त की शादी में जाने की बात कह कर घर से निकला एवं कहा कि वह तीन-चार दिन बाद वापस लौटेगा ऐसे में एक सप्ताह गुजर जाने के बाद उसके नहीं लौटने पर पप्पू खटीक ने अपने लापता पुत्र दीपक कुमार की तलाश किए जाने को लेकर स्थानीय पुलिस थाने में 10 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सार-समाचार

गौरीशंकर भारत जोड़ो यात्रा में साथ रहे

फुलेरा, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश संयुक्त सचिव गौरीशंकर सैनी भारत जोड़ो यात्रा में राजस्थान बॉर्डर झालरापाटन-झालावाड़ से लेकर हरियाणा बॉर्डर तक साथ यात्री चले। फुलेरा विधानसभा का नेतृत्व करते हुए मात्र अकेले गोरी शंकर सैनी ही राहुल गांधी के साथ चले। गौरी शंकर सैनी ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य यह है कि आपस में नफरत छोड़कर भारत देश की एकता, अखंडता, प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारा कायम कर देश की जनता का विकास करे। वहीं आगे बताया कि भारत जोड़ो यात्रा कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक चलेगी। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी गोरीशंकर सैनी ने आजादी गौरव यात्रा में भी ब्यावर से चंदवाजी तक राष्ट्रीय ध्वज लेकर लगातार पैदल यात्रा की थी। इसके लिए सोनिया गांधी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था। इसी क्रम में भारत जोड़ो यात्रा में हरियाणा बॉर्डर से वापस लौटे गौरीशंकर सैनी का फुलेरा कांग्रेस सेवादल विधानसभा कांग्रेस सेवादल नगर कांग्रेस सेवादल फुलेरा कांग्रेस सेवा दल के रीति रिवाज के अनुसार सूत की माला पहना कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

सिद्धार्थ को अटल कवि सम्मान मिला

कोटपूतली, (निसं)। देश भर में कविताओं के मंचों पर तेजी से अपनी अलग पहचान बना रहे कोटपूतली के ग्राम चेची का नांगल निवासी युवा शायर व कवि कुमार सिद्धार्थ को अटल कवि सम्मान से पुरूस्कृत किया गया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न स्व. पं. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर राजधानी जयपुर स्थित जयपुर प्रैस क्लब में आयोजित किये गये अटल कवि सम्मेलन में कुमार सिद्धार्थ को यह पुरूस्कार भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर के द्वारा प्रदान किया गया। इस मौके पर आयोजित कवि सम्मेलन में उन्हें स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि कुमार सिद्धार्थ तेजी से उभरते हुए शायर व कवि है, जिन्होंने अपनी रचनाओं से प्रत्येक वर्ग के दिलों को छुआ है। वे अपनी कविताओं व गीतों के लिए बेहद मशहुर है।

नरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। उपखंड अधिकारी दिलिप सिंह राठौड ने पंचायत समिति अजीतगढ के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत ग्राम किशोरपुरा में चल रहे नरेगा कार्यों का औचक निरीक्षण किया। राठौड़ ने बताया कि पंचायत समिति अजीतगढ के विकास अधिकारी को नरेगा कार्य स्थल पर श्रमिकों के लिए पीने के पानी, प्राथमिक उपचार किट, महिला श्रमिकों के छोटे बच्चों हेतु उचित व्यवस्था इत्यादि करने तथा कार्य की माप उचित तरीके से कर तकनीकी कर्मचारी से सत्यापन करवाने एवम श्रमिकों के कार्य में उपयोग होने वाले संसाधन आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद श्रमिकों से बातचीत की गई तो उन्होंने अवगत करवाया कि हमें कोई परेशानी नहीं है। निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर कार्य संतोषजनक पाया गया।

चरागाह से अतिक्रमण हटाने की मांग

टोंक, (नि.स.)। जिले के टोडारायसिंह उपखण्ड की ग्राम पंचायत बावडी में चरागाह भूमि पर अतिक्रमण कर कब्जा करने को लेकर ग्रामीणों ने जिला कलक्टर को ज्ञापन देकर गौचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि गांव बावडी में भूमाफियाओं द्वारा गौचर भूमि पर अतिक्रमण कब्जा किया हुआ है। बावडी क्षेत्र में करीब 422 बीघा चरागाह भूमि पर इन लोगों ने कब्जा कर रखा है। जिससे बेजुबान मवेशियों के सामने चरने का संकट खडा हो रहा है। यही भूमाफिया जानवरों को मारते है और कभी कभी तस्करी करते है। ज्ञापन में बताया कि तीन माह पूर्व भी ज्ञापन दिया गया था, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे मवेशियों के सामने संकट बना हुआ है। चरागाह भूमि केवल मवेशियों के लिए आरक्षित की गई है, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा इन चरागाहों पर कब्जा कर निजी उपयोग किया जा रहा है।

अवैध ब्लास्टिंग व खनन को लेकर धरना जारी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम जोधपुरा-मोहनपुरा में ग्रामीणों द्वारा श्मशान घाट पर दिया जा रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को लगातार 21 वें दिन भी बदस्तुर जारी रहा। ग्रामीणों को प्रशासन द्वारा सर्वे करवाये जाने का आश्वासन दिया गया था।

लेकिन सर्वे टीम में कम्पनी के अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया। सर्वे टीम में पीडब्ल्युडी से इंजीनियर, कुजोता, मोहनपुरा व कांसली के पटवारियों सहित कम्पनी के तीन अधिकारी शामिल थे। ग्रामीणों ने अपने मकानों का शांतिपूर्ण तरीके से सर्वे करवाया। लेकिन कम्पनी के अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर सर्वे कार्य पूर्ण नहीं हो पाया। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

आपको बता दें कि मोहनपुरा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी द्वारा आबादी के निकट अवैध हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें ना तो पुर्नवासित किया जा रहा है और ना ही कम्पनी प्रबंधन द्वारा उनका गांव अधिगृहित किया गया है साथ ही कम्पनी द्वारा आबादी के निकट ब्लास्टिंग व क्रेशर लगा दिये जाने से भय का माहौल है।

ग्रामीण निरन्तर आबादी के नजदीक ब्लास्टिंग व खनन को बंद किये जाने की मांग कर रहे है। धरने पर समाजसेवी रामनिवास यादव, जगदीश ओवरसियर, रामकरण खोला, रामजीलाल ग्राम सेवक, महेन्द्र यादव, विजय यादव, रामावतार योगी, गिरधारी यादव, सत्यनारायण सैन, सुभाष घोघड, रामकिशोर अध्यापक, झाबरमल अध्यापक, सत्यपाल अध्यापक व कैलाश यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

- सर्वे टीम में कम्पनी के अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों में आक्रोश
- मोहनपुरा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी द्वारा आबादी के निकट अवैध हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है

पावटा में सर्विस रोड पर धूल व गड्ढ़ों का साम्राज्य

पावटा में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के दोनों ओर बने सर्विस रोड पर दोनों तरफ गहरे गड्ढे बने हुए हैं।

पावटा, (निसं)। शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के दोनों ओर बने सर्विस रोड पर जहां धूल व गड्ढों का साम्राज्य स्थापित हो चला है शहरवासी वर्षों से इन दो समस्याओं से झूझ रहे हैं। लेकिन नगरपालिका व एनएचएआई के अधिकारियों के कानो पर जू नहीं रेंग रही है।

शहर के हालात बद से बद्तर होते जा रहे है। न ही शहर की गलियों से गड्ढे खत्म हो रहे हैं न ही सड़कों से गड्ढे व चेबरों के ऊंचे नीचे ढक्कनों से निजात मिल रही है। सर्विस रोड पर दोनों तरफ गहरे गड्ढे बने हुए हैं यही नहीं इसी सर्विस रोड से बड़ी संख्या में लोग व्यवसाय के लिए पावटा कस्बे में आते हैं, वहीं पावटा सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्र व निजी चिकित्सालयों में दूर दूर गांवों से लोग इलाज कराने आते हैं। वहीं प्रागपुरा थाने में परिवादी इसी सर्विस रोड से आते जाते हैं। लेकिन यहां उन्हें पहले गर्द भरी हवा से सामना करना पड़ता है। व्यस्त मार्ग होने के कारण दिन भर वाहनों की रेलमपेल चलती है तथा धूल उड़ती है। लेकिन सबंधित अधिकारियों व प्रशासन के ढीले रवैये के चलते अभी लोगो को धूल से निजात या गहरे गड्ढे भरने की उमीद नजर नहीं आ रही है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि वे बहुत बार नगरपालिका व संबंधित अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं कि कम से कम सड़क के गड्ढों को भरा जाए ताकि धूल न उडे लेकिन कोइ सुनवाई नहीं हो रही है।

एडीएम बीसलपुर के खिलाफ जांच की मांग

टोंक, (नि.स.)। राष्ट्रीय विस्थापित संघर्ष समन्वय समिति के बैनर तले बुधवार को अध्यक्ष एवं संयोजक घीसालाल जांगिड़ की अगुवाई में अतिरिक्त कलेक्टर पुनर्वास बीसलपुर परियोजना प्रभातीलाल जाट के खिलाफ जांच किए जाने तक उन्हें वर्तमान पद से अविलम्ब हटाए जाने या एपीओ करने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिले के टोडारायसिंह नायब तहसीलदार जीवन कुमार शर्मा को ज्ञापन दिया गया।

विस्थापित संघर्ष समन्वय समिति अध्यक्ष ने ज्ञापन में बताया कि तहसील देवली में पदस्थापित अधिकारी अतिरिक्त कलेक्टर पुनर्वास प्रभातीलाल जाट व विभाग के कर्मचारियों के द्वारा आपस में मिलीभगत करके बीसलपुर बांध परियोजना देवली के विस्थापितों को जारी आवंटन अवार्ड कृषि भूमि को उन पर दबाव डालकर अपने रिश्तेदार तेजपाल चौधरी के नाम से नियम विरूद्ध आवंटन जबरन रूप से करवाया जा रहा है।

ज्ञापन में बताया कि उक्त अधिकारी देवली में रहते हुए अपने पद का दुरूपयोग करते हुए अपने रिश्तेदारों व आर्थिक लाभ प्राप्त करने में लगे हुए है। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि बीसलपुर विस्थापितो को 6 तहसीलों में तथा 4 विधानसभा क्षेत्र में भूमि आवंटन किया गया है, ऐसे गरीबों की भूमि को अपने रिश्तेदारों को आवंटन कराने में लगे हुए है। इसी प्रकार कई प्रकरणों में अतिरिक्त कलक्टर की संलिप्तता होने का संदेह है, इन प्रकरणो की जांच होने तक अतिरिक्त कलक्टर प्रभातीलाल जाट को एपीओ करने तथा अन्यत्र पदास्थापित करने की मांग की है।

भाजपा कार्यकर्ता पूनिया से मिले

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र लालसोट से भाजपा प्रत्याशी रहे वरिष्ठ भाजपा नेता राम विलास डूंगरपुर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया से मुलाकात की। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया को गुलदस्ता भेंट कर शिष्टाचार मुलाकात करते हुए लालसोट विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक हालातों एवं मौजूदा समय की गतिविधियों की जानकारी दी गई। भाजपा मीडिया प्रभारी मोती लाल शाहजहांनपुरा ने बताया कि लालसोट विधानसभा से भाजपा का नेतृत्व कर रहे भाजपा नेता रामबिलास डूंगरपुर ने जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया के निवास पर पहुंचकर संगठन के दायित्व का तीन साल का कार्यकाल सफलता पूर्वक संपन्न होने पर कार्यकर्ताओं के साथ भेंट कर बधाई दी। इस अवसर पर डॉ शम्भू लाल कुईवाला बाबु बिहारीपुरा भाजपा महामंत्री हरिमोहन शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कोविड-19 को लेकर बैठक आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में बुधवार को एसडीएम ऋषव मण्डल की अध्यक्षता में चिरंजीवी योजना की ई-केवाईसी व कोविड-19 को लेकर बैठक आयोजित हुई।

बैठक में बीसीएमओ डॉ. बिजेय यादव ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत चयनित सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना 2011 के परिवारों का सदस्यवार आयुष्मान-चिरंजीवी कार्ड की समीक्षा की। इस दौरान पीएचसी देवता, सीएचसी दांतिल व राजकीय सरदार जनाना अस्पताल की प्रगति रिपोर्ट संतोषप्रद नहीं पायी गई। आशा सहयोगिनी/सीएचओ व एएनएम को सूची अनुरूप चयनित परिवारों की घर-घर जाकर पीएमजेवाई मोबाईल एप के माध्यम से 07 दिवस में शत् प्रतिशत ई-केवाईसी करने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। कोविड-19 की समीक्षा करते हुए बीसीएमओ डॉ. बिजेय यादव ने सर्दी, जुकाम, बुखार के मरीजों की आरटीपीसीआर सैम्पलिंग करने के निर्देश दिये। साथ ही कोविड वैक्सीनेशन में द्वितीय व बुस्टर डोज से वंचित लाभार्थियों को प्रेरित कर वैक्सीनेशन करने एवं इस हेतु चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों से वैक्सीनेशन का प्लान भिजवाने के निर्देश भी दिये। एसडीएम ऋषव मण्डल ने कोरोना महामारी को देखते हुये चिकित्सा विभाग को अलर्ट रहने के निर्देश दिये। इस दौरान डॉ.आशीष सिंह शेखावत, डॉ.राहुल शर्मा, डॉ.सुरेन्द्र चौधरी, डॉ. पवन सैनी, डॉ.नेहा यादव, डॉ.रोहित, डॉ.मनोज सांखला, डॉ.संदीप मुहानिया, डॉ.नवनित कुंतल, महेन्द्र शर्मा, महेन्द्र स्वामी, प्रेमप्रकाश सैनी, विष्णु मीना, राजवीर गुर्जर समेत एलएचवी व डीईओ सहित अन्य मौजूद रहे।

सामूहिक विवाह समिति की बैठक

कोटपूतली, (निसं)। सैनी समाज के सामूहिक विवाह समिति की बैठक सैनी विकास संगठन के तत्वावधान में बुधवार को पप्पूराम बायलान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें आगामी 15 मार्च 2023 को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर पहला परिचय सम्मेलन 8 जनवरी, दूसरा सम्मेलन 29 जनवरी, तीसरा सम्मेलन 19 फरवरी, चौथा सम्मेलन 26 फरवरी व पांचवा सम्मेलन 5 मार्च 2023 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष बबलू बबेरवाल, रामस्वरूप सैनी, पूरणमल भगत, रामजीलाल सैनी, राधेश्याम सैनी, रामावतार मिस्त्री, मन्नालाल लाल सैनी, रामचंद्र सैनी, उमराव सैनी, किशनलाल सैनी, बाबूलाल, ओमप्रकाश, मोनू, रोहित व सुमित सहित अन्य लोग मौजुद थे। फोटो। कोटपूतली। विवाह समिति की बैठक आयोजित।

ब्राह्मण समाज की तीन सौ छह प्रतिभाओं का सम्मान किया

बहरोड़/अलवर, (निसं)। बहरोड़ तहसील में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में ब्राह्मण समाज के प्रमुख स्तंभों की उपस्थिति में 306 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कस्बे के कंचन वाटिका में आयोजित सम्मान समारोह में सरस्वती एवं भगवान परशुराम के फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि विप्र कल्याण बोर्ड राजस्थान के अध्यक्ष महेश शर्मा के साथ विशिष्ट अतिथि अनिल भंवर लाल शर्मा विधायक सरदारशहर, संजय शर्मा विधायक अलवर, डॉ. रोहिताश शर्मा पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार, रेखा रानी व्यास सीईओ जिला परिषद अलवर, गोविंद भारद्वाज पूर्व चेयरमैन एच ए आई सी नारनौल, बाबूलाल शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष राजस्थान ब्राह्मण महासभा, मंजू शर्मा उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड राजस्थान, नीता सजन मिश्रा चेयरमैन नगरपालिका बानसूर, डॉ अनीता मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व ब्राह्मण महासभा, केजी कौशिक, पूर्व विधायक सुभाष शर्मा कोटपूतली, एलसी जोशी समाजसेवी, प्रदेश उपाध्यक्ष कांग्रेस राजेंद्र शर्मा, सिद्ध सेवा धाम के अनिल पुरोहित एवं सरपंच संघ प्रदेश महासचिव वीरेंद्र पंडित आदि की उपस्थिति में 306 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

सरस्वती एवं भगवान परशुराम के फोटो के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम के दौरान दसवीं कक्षा के 71 व 12वीं के 85 तथा स्नातक के 40 एवं स्नातकोत्तर के 20 विद्यार्थियों के साथ ही सरकारी नौकरी के 10 तथा खेल प्रतिभागी 15 एवं 65 वृद्धजनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक एवं परशुराम सेवा समिति के कमल नयन शर्मा ने बताया कि पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित ब्राह्मण समाज बहरोड़ के कार्यक्रम में उमेश शर्मा, भारत भूषण शर्मा, अनिल शर्मा, महेंद्र शर्मा, प्रकाश शर्मा, संजय शर्मा पार्षद, कपिल शर्मा पार्षद, संतोष शर्मा पार्षद, अरुण शर्मा, केशव शर्मा, सुनील दत्त शर्मा, अक्षय शर्मा, तरुण शर्मा, संजय शर्मा, गोपी शर्मा, गोविंद शर्मा, पंकज शर्मा, बोनी सिमरिया, नवीन शर्मा, आरती शर्मा, पार्षद चिंटू अमित शर्मा, रामपाल शर्मा, शिव कुमार शर्मा, एडवोकेट हुकम चंद शर्मा, कमल कांत शर्मा, बालकिशन शर्मा, सुभाष शर्मा, नीमराणा पूर्व सरपंच सतीश मुद्गल, करीना शर्मा, आरती शर्मा, पूजा शर्मा, दीपक शर्मा आदि सहित क्षेत्र के करीब 1500 लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन होने पर ब्राह्मण समाज की तरफ से प्रसन्नता व्यक्त की गई।

दस्तकारों के पक्ष में 12 प्रस्ताव पास

फुलेरा, (निसं)। उद्योग भवन स्थित मुख्य सभा कक्ष में शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के गवर्निंग बोर्ड की तृतीय बैठक का आयोजन शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री डूंगरराम गेदर की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी चम्पालाल कुमावत ने बताया कि बैठक के दौरान बोर्ड के 4 सदस्यों सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव/संयुक्त शासन सचिव स्तर के कुल 16 सदस्यों ने भाग लिया। वहीं बैठक में राज्य सरकार द्वारा मनोनीत किये जाने वाले सदस्यों की संख्या 5 से बढ़ाकर 11 करने, बोर्ड का जिला स्तर पर विस्तार करने हेतु जिला स्तरीय समितियों के गठन, दस्तकारों के लिए मिट्टी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, शहरी क्षेत्रों में मिट्टी के उत्पाद बेचने में सुविधा हेतु क्योस्क के आवंटन सहित कुल 12 प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। साथ ही बैठक के दौरान बोर्ड के मनोनीत सदस्य सम्पतराज कुमावत, रामकरण कुमावत, रघुनाथ कुम्हार, कैलाश कुमावत, उद्योग विभाग, राजस्व विभाग, खनन विभाग, ऊर्जा विभाग, श्रम एवं नियोजन विभाग, राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के सचिव सहित अन्य विभागों के अधिकारीगणों ने भाग लिया।

स्काउट गाइड जम्बूरी दल को रवाना किया

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय से राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड की 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी के 80 सदस्यों के प्रथम दल को नगर पालिका चेयरमैन व स्काउट उप प्रधान रक्षा मिश्रा एवं स्काउट उप प्रधान ओम प्रकाश चतुर्वेदी ने हरी झंडी दिखाकर पाली रवाना किया।

इस अवसर पर स्काउट गाइड को सम्बोधित करते हुये चेयरमैन रक्षा मिश्र ने कहा कि स्काउट गाइड जम्बुरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा की बड़े गौरव का विषय है कि राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जा रहा है एवं अध्यक्षता राज्यपाल कर रहे है एव साथ ही मुख्यमंत्री की उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा बढाएगी।

दौसा जिले से जम्बूरी दल नेत्री प्रिन्सिपल चेतना बंशीवाल ने बताया की श्रीकान्त शर्मा के नेतृत्व में प्रत्येक विद्यालय से नौ चयनित स्काउट गाइड भाग ले रहे हैं। ये सभी 29 दिसम्बर से 2 जनवरी तक राज्य स्तरीय जम्बूरी तैयारी शिविर में भाग लेंगे। इस अवसर पर जिला दल सदस्य गौरव ग़ोयल, रामकेश माली,मनीषा मीना विजेंदर कुमार माली अदिति शर्मा प्रियंका नागर उपस्थित थे। सीओ गाइड इंदु तंवर ने बताया की स्काउट गाइड दौसा की पहचान बन चुके डोवठा,पीली लुगड़ी,सफेद तौलिया के साथ आभानेरी की बावड़ी हर्षद माता,पपलाज माता हेला ख्याल दंगल, मीणा हाईकोर्ट, मेहन्दीपुर बालाजी, पावटा की होली, निर्झरना का रामजानकी धाम, दौसा का खादी, देवनगरी दौसा के पाँच महादेव, सिकन्दरा का स्टोन मार्ट, दौसा का गिरिराज धरण मन्दिर, बलाहेड़ी के पीतल के बर्तन को प्रदर्शित करेंगे।

लालसोट उपखंड मुख्यालय से 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी दल को चेयरमैन रक्षा मिश्र ने हरी झंडी दिखा रवाना किया।

मुझे इसकी (उपकप्तानी) उम्मीद नहीं थी। मैं यही कह सकता हूं। इस साल मैंने इस तरह से बल्लेबाजी की है। यह उसका पुरस्कार है। इससे वास्तव में अच्छा महसूस हो रहा है। और मैं यह जिम्मेदारी संभालने के लिये उत्सुक हूं।

- सूर्यकुमार यादव

भारतीय बल्लेबाज, टी-20 टीम का उपकप्तान बनाये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

निक किर्गियोस

निक किर्गियोस एक ऐसा नाम जिन्हें टेनिस की दुनिया में बैड बॉय का तमगा मिला हुआ है। टेनिस कोर्ट पर फैंस के साथ उलझना हो या फिर अपने पर्सनल लाइफ का विवाद हर जगह निक किर्गियोस का नाम उछला। हालांकि अब वह किसी दूसरे कारण से सुर्खियों में हैं। दरअसल उन्होंने 6 साल के बाद फ्रेंच ओपन में खेलने का फैसला किया है। हालांकि निक का यह फैसला उनका खुद का नहीं है बल्कि अपनी गर्लफ्रेंड के कहने पर उन्होंने फ्रेंच ओपन में खेलने का मन बनाया है। दरअसल निक की गर्लफ्रेंड कोस्टिन हैट्जी की चाहत है कि वह निक को पेरिस में देखें।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

कैरी का शतक, ऑस्ट्रेलिया ने कसा शिकंजा

मेलबर्न 28 दिसंबर। एलेक्स कैरी (111) की शतकीय पारी की मदद से आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन बुधवार को पहली पारी में आठ विकेट पर 575 रन बना कर पारी समाप्ति की घोषणा कर दी और 386 रन की बढ़त हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। दिन का खेल खत्म होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान डीन एल्गर (0) का विकेट खोकर दूसरी पारी में 15 रन बना लिये थे। इस लिहाज से मेहमान टीम अभी भी आस्ट्रेलिया की पहली पारी के स्कोर से 371 रन पीछे है। सरेल एरवी सात और थूनिस डी ब्रुइन छह रन बना कर क्रीज पर मौजूद हैं।

आज के खेल का मुख्य आकर्षण कैरी का करियर का पहला शतक रहा जिसे उन्होने 243 मिनट क्रीज पर टिक कर 149 गेंद खेल कर पूरा किया। इस दौरान उन्होने 13 बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। कैमरन ग्रीन 51 रन बना कर नाबाद वापस लौटे। दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नार्जे तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे वहीं कैसिगो रबाडा ने 144 रन खर्च कर दो विकेट हासिल किये।

पहली पारी में मात्र 189 रन पर सिमटने वाली दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी की शुरूआत भी निराशाजनक रही जब पारी के दूसरे ओवर में ही पैट कमिंस ने कप्तान एल्गर को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच करवा कर पवेलियन लौटा दिया। कमिंस के पहले ओवर की तीसरी आउट स्विंगर बाल पर बल्ला अड़ाने की गलती एल्गर ने की और गेंद बल्ले का बाहरी किनारा चूमती हुयी कैरी के दस्तानों में समा गयी।

लैथम और विलियम्सन के शतकों से न्यूज़ीलैंड मजबूत

कराची 28 दिसंबर। टाम लैथम (113) और कप्तान केन विलियम्सन (105 नाबाद) की बेहतरीन शतकीय पारियों की मदद से न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान की पहली पारी के स्कोर 438 रन के जवाब में बुधवार को अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 440 रन बना कर स्थिति मजबूत कर ली थी।

लैथम ने पहले विकेट के लिये डेवान कानवे (92) के साथ मिल कर 183 रन का मजबूत प्लेटफार्म तैयार किया जिस पर विलियम्सन ने डेरिल मिचेल (42),टाम ब्लंडेल (47) के साथ साझीदारी कर रनों की इमारत खड़ी कर दी। दिन का खेल खत्म होने के समय विलियम्सन का साथ देने ईश सोढी एक रन बना कर क्रीज पर डटे थे। न्यूजीलैंड को दो रन की बढत मिल चुकी है और यदि कल उसके बल्लेबाज लंच तक विकेट पर टिकने में सफल होते हैं तो मेहमान टीम को मिली लीड पाकिस्तान की मुश्किलों में इजाफा कर सकता है।

लैथम ने अपने टेस्ट करियर की 13वीं शतकीय पारी के दौरान 191 गेंदों का सामना किया और दस चौके लगाये वहीं दूसरे छोर पर कानवे अपने नर्वस 90 का शिकार बने हालांकि उन्होने 14 चौके लगा कर पाकिस्तानी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी। बाद में क्रीज पर आये विलियम्सन ने 25वां टेस्ट शतक संयम पूर्ण बल्लेबाजी कर पूरा किया। अपने अनुभव का भरपूर फायदा उठाते हुये 32 साल के विलियम्सन ने सिर्फ ढीली गेंदों पर प्रहार किया जिसके चलते उन्हे शतक पूरा करने में 200 से ज्यादा गेंदे खेलनी पड़ी। पाकिस्तान के अबरार अहमद तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे वहीं नौमान अली ने दो और मोहम्मद वसीम ने एक विकेट चटकाया।

शतरंज खिलाड़ी खादेम ने बिना हिजाब के प्रतियोगिता में भाग लिया

दुबई, 28 दिसंबर। ईरान की महिला शतरंज खिलाड़ी सारा खादेम ने एक अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिना हिजाब के हिस्सा लिया है। मीडिया रिपोर्टो के अनुसार सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के शुरु होने के बाद किसी भी प्रतियोगिता में बिना हिजाब के दिखाई देने वाली यह पहली महिला खिलाड़ी हैं। ईरान में सितंबर के मध्य में 22 वर्षीय ईरानी कुर्द महिला महसा अमिनी की मौत के बाद हिजाब के खिलाफ प्रदर्शन की शुरूआत हुयी थी। पुलिस ने अमिनी को 'अनुचित पोशाक' के आरोप में हिरासत में लिया था।

ईरान के समाचार आउटलेट ख़बरवर्ज़ेशी और एतेमाद ने सोमवार को रिपोर्ट एक में कहा कि सारा खादेम ने अल्माटी, कजाकिस्तान में फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप में बिना हिजाब के बिना भाग लिया था। ईरान के सख्त ड्रेस कोड के तहत सिर पर स्कार्फ़ अनिवार्य है। दोनों आउटलेट्स द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें टूर्नामेंट के दौरान सिर पर बिना स्कार्फ़ की हैं। ख़बरवर्ज़ेशी ने सिर पर स्कार्फ़ पहने हुए अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की, लेकिन बिना यह बताए कि क्या यह उसी कार्यक्रम में ली गई थी। खादम के इंस्टाग्राम पेज पर टूर्नामेंट या रिपोर्ट के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की गई थी। अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की वेबसाइट के अनुसार 1997 में पैदा हुई खादेम को दुनिया में 804वां स्थान मिला है। 25-30 दिसंबर के आयोजन के लिए वेबसाइट ने उन्हें रैपिड और ब्लिट्ज दोनों प्रतियोगिताओं में एक प्रतिभागी के रूप में सूचीबद्ध किया। इससे पहले ईरान की पर्वतारोही एल्नाज़ रेकाबी ने अक्टूबर में बिना सिर पर स्कार्फ़ के दक्षिण कोरिया में भाग लिया।

राजस्थान की पुडुचेरी पर जीत में चमके सुतार

पुडुचेरी, 28 दिसंबर। मानव सुतार ने नाबाद 96 रन बनाने के बाद मैच में 11 विकेट लिए जिससे राजस्थान में रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच में बुधवार को यहां पुडुचेरी को पारी और 101 रन से करारी शिकस्त देकर बोनस सहित सात अंक हासिल किए।इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने एक दिन पहले आखिरी विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी करके राजस्थान का स्कोर 335 रन पर पहुंचाने के बाद बुधवार को गेंदबाजी में कमाल दिखाया तथा मैच में 62 रन देकर 11 विकेट लिए। उनकी शानदार गेंदबाजी से पुडुचेरी पहली पारी में 104 रन पर आउट हो गया। फॉलोऑन के लिए उतरे पुडुचेरी के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी नहीं चल पाए और उसकी टीम 130 रन पर आउट हो गई। सुतार ने पहली पारी में 17 ओवर में 33 रन देकर आठ विकेट लिए थे। उन्होंने दूसरी पारी में 29 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। महिपाल लॉमरोर ने दूसरी पारी में 38 रन देकर चार विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया।

ईपीएल : मैनचेस्टर युनाइटेड ने फोरेस्ट को हराया

मैनचेस्टर, 28 दिसंबर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की रवानगी के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल के पहले मैच में मैनचेस्टर युनाइटेड ने नॉटिंघम फोरेस्ट को 3.0 से हरा दिया । युनाइटेड के लिये मार्कस रशफोर्ड और एंथोनी मार्शल ने पहले हाफ में गोल दागे । तीसरा गोल 87वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी फ्रेड ने किया। इस जीत के बाद अब युनाइटेड चौथे स्थान पर काबिज टोटेनहम से एक ही अंक पीछे है । दूसरे मैच में चेलसी ने तीन मैचों में हार का सिलिसला तोड़ते हुए बोर्नमाउथ को 2.0 से हराया । उसके लिये केइ हेवट्र्स और मासन माउंट ने पहले हाफ मं गोल किये।

पीसीबी ने रमीज राजा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी

कराची, 28 दिसंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रमीज राजा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी है।रमीज को पीसीबी से बाहर करने के बाद इस पूर्व अध्यक्ष और नई प्रबंधन समिति के बीच वाक युद्ध छिड़ा हुआ है। पाकिस्तान सरकार ने पिछले गुरुवार को रमीज को पीसीबी के अध्यक्ष पद से हटाकर क्रिकेट बोर्ड के संचालन के लिए नजम सेठी की अगुवाई में 14 सदस्यों की समिति नियुक्त की थी। रमीज ने इसके बाद आरोप लगाया था कि उन्हें अपनी निजी वस्तुओं को लाने के लिए भी बोर्ड के कार्यालय में नहीं आने दिया जा रहा है। उन्होंने पूरे घटनाक्रम को तमाशा करार दिया था और कहा था कि नई समिति के रहते हुए किसी को भी पाकिस्तान क्रिकेट की भलाई की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। सेठी और समिति ने रमीज के बयान को गंभीरता से लेते हुए बयान जारी किया और कहा कि उन्होंने पूर्व कप्तान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखा है।

वॉलीबॉल टीमों का चयन : उच्चतम न्यायालय ने केंद्र को नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली, 28 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है जिसमें कहा गया था कि भारतीय वॉलीबॉल महासंघ (वीएफआई) राज्यों की टीम का चयन कर उन्हें गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों के लिए भेज सकता था।न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने युवा मामलों और खेल मंत्रालय, वीएफआई और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने कहा, "नोटिस जारी करें, छह सप्ताह में लौटाया जा सकता है।" गुजरात में 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया गया।

भारत में टेस्ट श्रृंखला तक फिट होने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा : ग्रीन

मेलबर्न, 28 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया के चोटिल ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा कि वह भारत के खिलाफ अगले साल फरवरी के शुरू में होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला तक फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेंगे क्योंकि यह बेहद महत्वपूर्ण दौरा होगा।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में दूसरी सबसे बड़ी कीमत पर बिकने वाले 23 वर्षीय ग्रीन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए। उनकी उंगली में चोट लगी है जिसके कारण वह सिडनी में तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। ग्रीन हालांकि भारत के 'मानसिक और शारीरिक' रूप से चुनौतीपूर्ण दौरे के लिए जल्द से जल्द फिट होना चाहते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिहाज से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी काफी महत्वपूर्ण है और ग्रीन ने कहा कि वह इस तरह की महत्वपूर्ण श्रृंखला से बाहर नहीं होना चाहते हैं।

ग्रीन ने कहा," यह वास्तव में आहत करने वाला है कि मैं (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सिडनी में आखिरी टेस्ट में) नहीं खेल पाऊंगा। मैंने पदार्पण करने के बाद प्रत्येक मैच खेला है और ऐसे में घर में बैठकर टेस्ट क्रिकेट देखना थोड़ा अजीब होगा।" इस ऑलराउंडर ने दर्द के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में बल्लेबाजी की और अर्धशतक बनाया। आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस द्वारा 17.5 करोड़ रुपए में खरीदे गए ग्रीन की निगाहें अब भारतीय श्रृंखला पर टिकी हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार ग्रीन ने कहा," ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत शानदार है और निश्चित तौर पर मुझे इसकी कमी खलेगी। मैं भारत दौरे के लिए पूरी तरह फिट होने के लिए अपनी तरफ से वह हर संभव प्रयास करूंगा जो मैं कर सकता हूं।" उन्होंने कहा," बहुत से लोग भारतीय दौरे को लेकर बात करते हैं कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से कितना कड़ा होता है। यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण दौरा होगा। हम हमेशा की तरह इसके लिए तैयार हैं।

अर्शदीप, रेणुका और यस्तिका आईसीसी के साल के उभरते हुए क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

दुबई, 28 दिसंबर।। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को बुधवार को मार्को जेनसन, फिन एलेन और इब्राहिम जादरान के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के उभरते हुए (इमर्जिंग) क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नामित किया गया।आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा कि इन पुरस्कारों के लिए वोटिंग जनवरी में शुरू होगी।

महिला वर्ग में भारत की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और बल्लेबाज यस्तिका भाटिया के अलावा ऑस्ट्रेलिया की डार्सी ब्राउन और इंग्लैंड की एलिस कैप्सी को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। अर्शदीप को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के छह महीने से भी कम समय में इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

इस तेज गेंदबाज ने 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 18.12 की औसत से 33 विकेट चटकाए हैं। अर्शदीप नई और पुरानी दोनों गेंद से विकेट हासिल करने में सफल रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में प्रभावी प्रदर्शन के बाद अर्शदीप ने भारत के लिए भी अच्छा प्रदर्शन किया जो 2021 टी20 विश्व कप की निराशा के बाद वापसी की कोशिशों में जुटा था।

अर्शदीप ने हाल में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी पदार्पण किया। अर्शदीप ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहद कम समय में कुछ यादगार प्रदर्शन किए जिसमें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान के खिलाफ बेहद दबाव वाले टी20 विश्व कप मैच में प्रभावी प्रदर्शन भी शामिल है। अर्शदीप ने अपनी गति और स्विंग की बदौलत पाकिस्तान के दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को पवेलियन भेजा। इस तेज गेंदबाज ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी में वापसी करते हुए आसिफ अली को भी आउट किया और मैच में 32 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

अर्शदीप को इस पुरस्कार की दौड़ में दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेनसन, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज एलेन और अफगानिस्तान के बल्लेबाज जादरान से चुनौती मिलेगी। दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका को सीमित ओवरों के दोनों प्रारूपों में इस साल 29 मैच में 40 विकेट चटकाने के बाद इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया। झूलन गोस्वामी के संन्यास लेने के बाद उन्होंने अधिकांश मौकों पर इस अनुभवी तेज गेंदबाज की कमी नहीं खलने दी है।

छब्बीस साल की रेणुका एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अधिक प्रभावी रही हैं जहां उन्होंने 14.88 के औसत से 18 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने इस साल सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को परेशान करते हुए आठ विकेट चटकाए। रेणुका ने इसके अलावा इस साल बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों और ढाका में एशिया कप में भी प्रभावी प्रदर्शन करते हुए 11 मैच में 17 विकेट हासिल किए।

यस्तिका ने भी पूरे साल मध्यक्रम में भारत के लिए उम्दा प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यूजीलैंड में 50 ओवर के विश्व कप से पहले 41 और 31 रन की पारी खेलने के अलावा ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक जड़े।

विश्वकप जीतने पर हरमनप्रीत ब्रिगेड होगी मालामाल

नई दिल्ली, 28 दिसंबर। अगले महीने ओडिशा में होने वाले हाकी के महाकुंभ यानी एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 में भारतीय टीम को प्रोत्साहित करने के लिये हाकी इंडिया ने नगद पुरस्कारों की घोषणा की है।

भारतीय टीम यदि विश्वकप का स्वर्ण पदक जीतती है तो टीम के प्रत्येक सदस्य को 25 लाख रूपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा जबकि सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को पांच पांच लाख रूपये मिलेंगे। भारत ने आखिरी बार 1975 में विश्व कप का खिताब जीता था। मलेशिया के कुआलालंपुर में फाइनल में उसने पाकिस्तान को हराकर प्रतिष्ठित खिताब जीता था।

हरमन ब्रिगेड अगर विश्वकप के फाइनल में हारती भी है, फिर भी हर खिलाड़ी को 15 लाख और सहयोगी स्टाफ को तीन लाख का नगद पुरस्कार दिया जायेगा जबकि कांस्य पदक की उपलब्धि पर हर खिलाड़ी 10 लाख रुपये से सम्मानित किया जाएगा, जबकि सहायक कर्मचारी दो लाख रुपये के पुरस्कार के हकदार होंगे।

यह निर्णय हॉकी इंडिया के कार्यकारी बोर्ड ने पिछली 24 दिसंबर को एक आभासी बैठक में लिया जिसका मकसद टीम के मनोबल को और बढ़ाने का था। विश्वकप में दुनिया की 16 शीर्ष टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा घरेलू विश्व कप में पदक जीतना निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए उनके सजे हुए करियर की सबसे अच्छी यादों में से एक होगा। हम उन्हें एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला के लिए शुभकामनाएं देते हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम देश का गौरव है और हम चाहते हैं कि वे इस खेल में सभी संभव ऊंचाइयों को छूएं। इसे हासिल करने में उनकी मदद करने और इस लक्ष्य के प्रति उन्हें और प्रेरित करने के लिए हमने टीम के लिए इस पुरस्कार की घोषणा की है। हरमनप्रीत एंड कंपनी बहुत सक्षम और प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यकीन है कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

हॉकी इंडिया ने पिछले सप्ताह विश्वकप के लिये 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। भारतीय टीम इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ पूल डी में है। टीम 13 जनवरी को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ उनका दूसरा मैच होगा। वे वेल्स के खिलाफ अपने तीसरे पूल मैच के लिए भुवनेश्वर जाएंगे।

नॉकआउट चरण 22 जनवरी और 23 जनवरी को क्रॉसओवर मैचों के साथ शुरू होगा जिसके बाद 25 जनवरी को क्वार्टर फाइनल और 27 जनवरी को सेमीफाइनल होंगे। कांस्य पदक मैच और फाइनल दो फरवरी को होगा।

भारत की सविता श्री ने विश्व रैपिड शतरंज में कांस्य पदक जीता

अलमाटी (कजाखस्तान), 28 दिसंबर। भारत की 15 वर्षीय महिला इंटरनेशनल मास्टर बी सविता श्री ने बुधवार को यहां फिडे विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में महिलाओं के वर्ग में कांस्य पदक जीता।सविता को 36वीं वरीयता हासिल थी। उन्होंने 11 दौर की बाजियों में आठ अंक हासिल करके तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले आठ दौर के बाद उनके 6.5 अंक थे। नौवें दौर में कजाकिस्तान की झांसाया अब्दुमालिक से हारने से सविता शीर्ष दो में जगह नहीं बना पाई।

उन्होंने 10वें दौर में सिंगापुर की कियान्युन गोंग को हराकर वापसी की और अंतिम दौर में कजाखस्तान की दिनारा सदुआकासोवा के साथ बाजी ड्रॉ खेली। भारत की शीर्ष खिलाड़ी और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कोनेरू हंपी ने भी आठ अंक बनाए लेकिन वह छठे स्थान पर रही। सविता और हंपी के अलावा दो अन्य खिलाड़ियों ने समान आठ-आठ अंक हासिल किए। सविता को हालांकि बेहतर टाईब्रेक स्कोर के कारण तीसरा स्थान मिला। चीन की तेन झोंग्यी ने प्लेऑफ में सदुआकासोवा को हराकर खिताब जीता।

अविष्का फर्नांडो की भारत दौरे के लिए श्रीलंका टीम में वापसी

कोलंबो, 28 दिसंबर। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो की मुंबई में तीन जनवरी से भारत के खिलाफ शुरू हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए बुधवार को श्रीलंका की टीम में वापसी हुई।फर्नांडो ने श्रीलंका की ओर से पिछला मैच फरवरी में खेला था जिसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गए थे। इस 24 वर्षीय बल्लेबाज ने हाल में संपन्न लंका प्रीमियर लीग में प्रभावी प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका की टी20 और एकदिवसीय दोनों टीम में वापसी की है। श्रीलंका क्रिकेट ने तीन टी20 और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की श्रृंखला के लिए 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। लंका प्रीमियर लीग में उम्दा प्रदर्शन करने वाले सदीरा समरविक्रम को दिनेश चांदीमल पर तरजीह देते हुए टीम में शामिल किया गया है जबकि चमिका करूणारत्ने की भी टीम में वापसी हुई है।

दासुन शनाका को दोनों टीम की कप्तानी सौपी गई है। टी20 प्रारूप में वानिंदु हसरंगा जबकि एकदिवसीय प्रारूप में कुसाल मेंडिस को उप कप्तान बनाया गया है। मुंबई में पहले टी20 मुकाबले के बाद श्रृंखला के दो अन्य मैच पुणे (पांच जनवरी) और राजकोट (सात जनवरी) में खेले जाएंगे। एकदिवसीय श्रृंखला के मुकाबले गुवाहाटी, कोलकाता और तिरुवनंतपुरम में क्रमश: 10,12 और 15 जनवरी को होंगे।

टीम इस प्रकार है :- दासुन शनाका (कप्तान), पाथुम निसंका, अविष्का फर्नांडो, सदीरा समरविक्रम, कुसाल मेंडिस, भानुका राजपक्षे (केवल टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए), चरिथ असलंका, धनंजय डि सिल्वा, वानिंदु हसरंगा, एशेन बंडारा, महेश थीकसाना, जेफरी वांडरसे (केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के लिए), चमिका करुणारत्ने, दिलशान मदुशंका, कासुन राजिता, नुवानिदु फर्नांडो (केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय के लिए), डुनिथ वेलालागे, प्रमोद मदुशान, लाहिरू कुमारा, नुवान तुषारा (केवल टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए)।

हॉकी विश्वकप के लिये छह राज्यों के मुख्यमंत्री को भेजा गया न्यौता

भुवनेश्वर, 28 दिसंबर। ओडिशा सरकार ने 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में खेले जाने वाले पुरुष हाकी विश्वकप के लिये छह राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है। सूबे के खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री अतनु सब्यसाची नायक ने चेन्नई में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और पुडुचेरी में पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी से मुलाकात की और व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की ओर से हॉकी विश्वकप का दीदार करने के लिये निमंत्रण पत्र दिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अशोक चंद्र पांडा ने दिल्ली में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की और उन्हें व्यक्तिगत रूप से पटनायक को निमंत्रण सौंपा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। एसटी/एससी मंत्री जगन्नाथ सरका ने रांची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की और उन्हें विश्व कप हॉकी में भाग लेने के लिए पटनायक का निमंत्रण सौंपा।राज्य के वित्त मंत्री निरंजन पुजारी ने दिल्ली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और राज्य के इस्पात और खान मंत्री प्रफुल्ल मल्लिक ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की और उन्हें विश्व कप हॉकी के लिए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का निमंत्रण दिया। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने देश के सभी मुख्यमंत्रियों को विश्वकप हाकी में आमंत्रित करने का फैसला किया है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा दुकान संख्या- सी.सी.-216 जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल 32.766 वर्ग मीटर का आवंटन श्री रईसउद्दीन पुत्र श्री रहमऊद्दीन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र कमांक 92 दिनांक 02.05.1998 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त दुकान के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर चतुर्थ में दिनांक 02.08.2006 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री रईसउद्दीन पुत्र श्री रहमऊद्दीन के द्वारा उक्त दुकान का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्रीमती बीना गोयल पत्नी श्री श्याम गोयल को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर पंचम में दिनांक 02.08.2006 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती बीना गोयल पत्नी श्री श्याम गोयल के द्वारा उक्त दुकान का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री हरिन्द्र सिंह पुत्र श्री भूपेन्द्र सिंह को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर षष्ठम में दिनांक 12.03.2019 को करवाया गया। श्री हरेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 26.04.2021 को हो जाने के कारण श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी स्व. श्री हरिन्द्र सिंह अगमदीप सिंह (नाबालिक) एवं हर्षलीन कौर (नाबालिक) संरक्षिका माता श्रीमती रविन्द्र कौर के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त दुकान का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी स्व. श्री हरिन्द्र सिंह, अगमदीप सिंह (नाबालिक) एवं हर्षलीन कौर (नाबालिक) संरक्षिका माता श्रीमती रविन्द्र कौर के पक्ष में उक्त दुकान के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 4/746 जवाहर नगर, जयपुर क्षेत्रफल 87.63 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमती पुष्पलता पत्नी श्री महेन्द्र सिंह को किया गया था। जिसका आंवटन पत्र कमांक 265 दिनांक 11.04.1983 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 31.03.1993 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती पुष्पलता पत्नी श्री महेन्द्र सिंह के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्रीमती राजरानी खन्ना पत्नी श्री शैलेन्द्र खन्ना को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 13.11.2003 को करवाया गया। तत्पश्चात श्रीमती राजरानी खन्ना पत्नी श्री शैलेन्द्र खन्ना के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री जितेन्द्र कुमार ज्ञानचन्दानी पुत्र श्री गोपाल दास ज्ञानचन्दानी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर, द्वितीय में दिनांक 16.10.2006 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री जितेन्द्र कुमार ज्ञानचन्दानी पुत्र श्री गोपाल दास ज्ञानचन्दानी के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री हरेन्द्र सिंह पुत्र श्री भूपेन्द्र सिंह को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर द्वितीय में दिनांक 22.09.2006 को करवाया गया। श्री हरेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 26.04.2021 को हो जाने के कारण श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी स्व. श्री हरिन्द्र सिंह अगमदीप सिंह (नाबालिक) एवं हर्षलीन कौर (नाबालिक) संरक्षिका माता श्रीमती रविन्द्र कौर के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- श्रीमती रविन्द्र कौर पत्नी स्व. श्री हरिन्द्र सिंह, अगमदीप सिंह (नाबालिक) एवं हर्षलीन कौर (नाबालिक) संरक्षिका माता श्रीमती रविन्द्र कौर के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में बुधवार को आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से कई मुद्दों पर चर्चा की।

कांग्रेस अधिवेशन में पदाधिकारी बोले, यू.पी. की कानून व्यवस्था बेहतर, इसलिए रिपीट हुई योगी सरकार

- **प्रदेश कांग्रेस सचिव गजेन्द्र सांखला ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था की आलोचना की।**
- **विधायकों ने नौकरशाही की शिकायत की। डूंगरपुर विधायक गणेश धाधरा ने कहा, जिस अफसर के खिलाफ धरना दिया उसे फिर मेरे क्षेत्र में लगा दिया। विधायक नईमुद्दीन गुड्डू ने मुख्यमंत्री से एस.डी.एम. को हटाने को कहा था, मुख्यमंत्री ने हां भी कहा था पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई।**
- **अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने घोषणा की कि, हर महीने की 28 तारीख को मंत्री-विधायक 15 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे।**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मालाखेड़ा में सुझाव दिया था कि जनता की समस्याएं जानने के लिए कांग्रेस के मंत्री विधायकों को हर महीने 15 किलोमीटर पैदल चलना चाहिए। इस पर अमल करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने घोषणा की है कि हर महीने की 28 तारीख को मंत्री विधायक 15 किलोमीटर पद यात्रा करेंगे।

इधर बजट पर सुझाव लेने के लिए बुलाए गए कांग्रेस अधिवेशन में एक कांग्रेस पदाधिकारी ने उत्तर प्रदेश के योगी शासन की कानून व्यवस्था को बेहतर बता कर राज्य सरकार पर सवाल खड़े कर दिए। और ब्यूरोक्रेसी को लेकर नेता एक बार फिर बरसे।

बिड़ला ऑडिटोरियम में बुलाए गए कांग्रेस अधिवेशन में डोटासरा ने कहा हम सबको 2023 में सरकार रिपीट करनी है। यह सरकार रिपीट तभी होगी, जब हम सरकार की योजनाओं के बारे में बतायेगें और जिन कार्यकर्ताओं ने खून पसीना एक करके हमें यहां तक पहुंचाया, हमारी सरकार बनवाई अगर उनकी कोई दुख तकलीफ है, तो उन्हें ठीक करना होगा। उनके व्यक्तिगत काम हो, चाहे गांव के काम हों, वह सरकार में बैठे लोगों को करने पड़ेगें। डोटासरा ने कहा कि चुनाव सिर पर हैं। संगठन को और ज्यादा सक्रिय होना पड़ेगा, सबको साथ देना होगा। यह मेरा तेरा, यह गुट वो गुट, यह जाति, यह सब बातें छोड़नी होगी।

डोटासरा ने कहा, हमें पूरा भरोसा है हमारे प्रभारी और हमारे अध्यक्ष खाली पड़े संगठन के पदों पर जल्द नियुक्ति करेंगे। अगर ये पदाधिकारी 26 जनवरी से पहले नियुक्त होते हैं तो इसका फायदा हमें हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में भी मिलेगा।

इसी अधिवेशन में जब कांग्रेस नेताओं को बोलने के लिए बुलाया गया तो कोटा के कांग्रेस नेता नईमुद्दीन गुड्डू ने कहा कि "मेरे क्षेत्र में जो एसडीएम लगा हुआ है। वह आर.एस.एस. का आदमी है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैंने मुख्यमंत्री से एस.डी.एम. को हटाने के लिए कहा था। मुझसे मुख्यमंत्री ने हां भी कही थी। आज 20 दिन हो गए, लेकिन वह एस.डी.एम. वहीं पर लगा हुआ है। अब वह मुझे मैसेज करवा रहा है कि मुख्यमंत्री से शिकायत करवा मेरा क्या बिगाड़ दिया? मैं तो यहीं पर हूं। जब इस तरह के हालात होंगे तो ग्राउंड पर बैठा कार्यकर्ता क्या महसूस करता होगा। जैसलमेर जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह ने कहा कि "बड़े नेताओं और विधायकों से फीडबैक लेते हुए 4 साल हो गए। विधायकों के काम करते-करते भी 4 साल हो चुके हैं। अब तो कम से कम चुनावी साल में कार्यकर्ताओं से फीडबैक लीजिए कार्यकर्ताओं के काम कीजिए। अगर अब भी कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हुई, तो कब होगी।"

बजट सुझाव पर बोलते हुए प्रदेश काग्रेस सचिव गजेंद्र सांखला ने यूपी की कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए राजस्थान की खराब कानून व्यवस्था पर सवाल उठा दिया। सांखला ने कहा कि "राजस्थान में 8 बजे बाद भी धड़ल्ले से शराब बिकती है। देर रात शराब बिकने से अपराध बढ़ रहे हैं। महिलाओं में भय का माहौल पैदा होता है। रात 8 बजे बाद पुलिस के संरक्षण में शराब की दुकानें खुलती हैं और अपराधियों का बोलबाला होता है। सांखला ने कहा कि मुख्यमंत्री जी, शासन इस तरह का होना चाहिए जैसे उत्तर प्रदेश में सरकार रिपीट हुई है, तो वह कानून व्यवस्था में मजबूती से हुई है। यूपी में भयमुक्त वातावरण दिया था, कानून व्यवस्था मजबूत थी इसलिए वहां सरकार रिपीट हुई।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि" जिस अफसर को ट्रांसफर करके जोधपुर भेजा गया, उसे फिर से वहीं लगा दिया गया है। अगर इस तरह से ब्यूरोक्रेसी हमारे विधायक और जनप्रतिनिधियों के साथ मिस बिहेव करती रहेगा और उन अफसरों को वापस वहीं पर लाकर पोस्टिंग दे दी जाएगी तो क्या मैसेज जाएगा। मेरे खिलाफ घेराव वाले केस को भी अब तक वापस नहीं लिया गया है। उल्टे जिस अफसर के खिलाफ मैंने धरना दिया, उसे वापस वहीं लगा दिया। घोघरा के स्वर से स्वर मिलाते हुए प्रतापगढ़ विधायक रामलाल मीणा ने कहा कि हमारे जनप्रतिनिधि और हम तो काम कर रहे हैं, लेकिन ब्यूरोक्रेसी सरकार की छवि और सरकार के कामकाज पर बट्टा लगाने का काम कर रही है। ऐसे में आप समझ लीजिए सरकार रिपीट कैसे होगी।

भाजपा के अनुसार, इंटरनल सर्वे में पार्टी को राजस्थान में 180 से अधिक सीटें मिल रही है, हकीकत 2023 में नतीजों से पता चलेगी

गुजरात की तरह राजस्थान में भी भाजपा प्र.मंत्री मोदी के नाम पर 2023 का चुनाव लड़ेगी

- **हिमाचल चुनाव से सबक लेकर भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को राजस्थान में बागियों से निपटने के लिये अभी से तैयारी करनी होगी।**
- **डॉ. सतीश पूनिया 2023 में बतौर प्रदेश अध्यक्ष भाजपा को सत्ता में लाकर केन्द्रीय नेतृत्व की नज़रों में स्वयं को सफल कुशल संगठनकर्ता साबित करना चाहते हैं।**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.सं.)। भाजपा केन्द्रीय आलाकमान का पूरा ध्यान अब मिशन 2023 के तहत राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक इत्यादि राज्यों पर है और लोकसभा चुनाव वर्ष 2024 में होने है, जिसमें भाजपा 400 प्लस सीटों का लक्ष्य लेकर चल रही है।

उत्तर भारत के राज्यों में गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश में राजनीतिक और सामाजिक तौर पर काफी समानतायें हैं, इन तीनों ही राज्यों में ओबीसी, दलित और आदिवासी वोट महत्वपूर्ण हैं और राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का सीधा असर राजस्थान पर पड़ेगा।

राजस्थान में भाजपा नेतृत्व की बात करें तो संघ के स्वयंसेवक सतीश पूनिया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के रूप में 27 दिसंबर को तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। पर उनके कार्यकाल को लेकर कोई संदेह की स्थिति नहीं है, क्योंकि उत्तरप्रदेश, गुजरात सहित तमाम राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल चुनावी सालों में बढ़ाये गये।

चुनावी राज्यों में भाजपा अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाने के पीछे सबसे बड़ा तर्क यह है कि प्रदेशभर में तमाम जमीनी कार्य उनकी देखरेख में होता है। इसलिये तय माना जा रहा है कि राजस्थान में मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व में ही वर्ष 2023 का विधानसभा चुनाव व 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा। डॉ. पूनिया ओबीसी समुदाय से है, जिसकी राजस्थान में 54 प्रतिशत से अधिक आबादी है, साथ ही प्रदेश भाजपा की टीम में आदिवासी, दलित, ब्राह्मण, राजपूत सहित तमाम सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नडडा, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय महामंत्री व राज्य के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कुशल नेतृत्व और संगठन कुशलता की पीठ थपाथपा चुके हैं।

पिछले तीन वर्षों में सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा ने किसान कर्जमाफी, लंबित भर्तियां, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा जैसे तमाम जनहित के मुद्दों पर जयपुर से लेकर पूरे प्रदेश में बड़े आंदोलन किये। करोनाकाल में भी पार्टी ने जनसेवा के महत्वपूर्ण कार्य किए। जिसकी तारीफ प्र.मंत्री मोदी भी कर चुके हैं। जरूरतमंदों त

बीकानेर संभाग के बूथ सम्मेलन व जयपुर में प्रदेश कार्यसमिति में जेपी नडडा, जोधपुर संभाग के बूथ सम्मेलन और जयपुर के जनप्रतिनिधि सम्मेलन में अमित शाह संबोधन के दौरान खुलकर प्रदेश नेतृत्व को शाबासी दे चुके हैं। इसके अलावा आमेर में भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक, जोधपुर में ओबीसी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यसमिति, विभिन्न संभागों में प्रदेश कार्यसमितियां, लगभग 52048 में से 49 हजार बूथों पर फोटो युक्त बूथ समितियों के गठन, और विस्तारक कार्ययोजना का काम जमीनी स्तर पर तेजी से चल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक सतीश पूनिया के व्यक्तित्व, कार्यशैली और इनकी संगठन की कुशलता के बारे में बताते हैं, सहज मिलनसार, लगातार प्रदेश के प्रवास पर और सभी प्रमुख नेताओं को साथ लेकर उनका मार्गदर्शन लेते हुये संगठन को गुजरात मॉडल की तरह मजबूत करने में लगे हुये हैं। ओबीसी किसान परिवार से आने वाले सतीश पूनिया संघ पृष्ठभूमि से हैं, मिलनसार हैं, सभी समुदायों में इनके अच्छे संपर्क हैं, प्रदेश के किसानों में लोकप्रिय होने के साथ-साथ वागड़ अंचल में आदिवासी और प्रदेश में दलित समाज में इनकी अच्छी पकड़ है। सतीश पूनिया का पूरा कॉलेज छात्र जीवन एक हरिजन के घर में बीता, जहां वह जयपुर में एक हरिजन परिवार के घर में किराये पर कमरा लेकर रहते थे और पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फिर भारतीय जनता युवा मोर्चा और फिर भाजपा में अनेक दायित्वों को संभाला और पार्टी का जनाधार बढ़ाने का काम किया।

डॉ. सतीश पूनिया पिछले तीन वर्षों में गुजरात की सीमा से सटे आदिवासी क्षेत्र से लेकर पूर्वी राजस्थान में 200 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा कर जनसंवाद कर चुके हैं और गाड़ी एवं ट्रेन द्वारा सवा लाख किलोमीटर से अधिक की यात्रा कर 200 में से 190 से अधिक सीटों पर चार-पांच बार विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये प्रवास कर चुके हैं। वर्ष 1998 में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर डॉ. पूनिया अजमेर से लेकर भरतपुर तक कार्यकर्ताओं को साथ लेकर 551 किलोमीटर की पदयात्रा की थी। गुजरात मॉडल की तर्ज पर राजस्थान में भी भाजपा नेतृत्व पार्टी को अभेद्य बनाने में जुटा है। पार्टी के तमाम प्रमुख लोग मिशन 2023 को सफल बनाने में जुटे हैं, और जन आक्रोश सभाओं के जरिये सभी नेता जमीनी नब्ज टटोल रहे हैं।

वहीं हिमाचल प्रदेश की तरह राजस्थान में भी भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को बागियों से निपटने की अभी से तैयारी करनी होगी। इंटरनल सर्वे और मीडिया रिपोर्टस का दावा है कि 2023 विधानसभा चुनावों में पार्टी को 180 से अधिक सीटें मिलने की संभावना है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि डॉ. पूनिया वर्ष 2023 में भाजपा को सत्ता में लाकर केन्द्रीय नेतृत्व की नजरों में स्वयं को सफल कुशल संगठनकर्ता साबित करना चाहते हैं। हालांकि यह भी स्पष्ट है कि राजस्थान में 2023 का चुनाव भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर लड़ेगी और चुनाव के बाद ही भाजपा संसदीय बोर्ड मुख्यमंत्री का चेहरा तय करेगा।

'भगवान कृष्ण ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भगवान श्री कृष्ण की भूमिका निभाई थी। वे दो बार लोकसभा के सदस्य के रूप में भी चुने गए। कलासाधकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद में भारद्वाज ने कहा, हम कलाकार सृजन करने की शक्ति लेकर पैदा होते हैं। कला और साहित्य हर संस्कृति का ऐसा रंग होता है जो उसको पहचान देता है। हमने एक पुरानी संस्कृति में जन्म लिया, जो आज भी जीवित है। भगवान राम ने मर्यादाओं की स्थापना की। वहीं श्री कृष्ण ने मर्यादाओं को नहीं माना। श्री कृष्ण ने कहा, मैं ही मर्यादाओं का निर्माण करूंगा। इस दौरान नीतीश भारद्वाज से कला साधकों ने कई सवाल किए।

एक सवाल के जबाव में भारद्वाज ने कहा, जिसकी आवश्यकता नहीं हो वो बच्चों को नहीं दें, जैसे मोबाइल। उन्होंने कहा आज बच्चे मोबाइल में अंतर्मुखी हो रहे हैं और सोशल कॉन्टैक्ट से दूर हो रहे हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए गोपाल शर्मा ने कहा कि ज्ञान, मन और कर्म मिलकर कला बनाती हैं। उन्होंने कहा, क्या संगीत, नाटक, नृत्य ही कला है? बाल काटना, मालिश करना भी कला है। शर्मा ने कहा हर वर्ग का व्यक्ति कलाकार है।

'यात्रा के दौरान दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को बदनाम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जो इसे बाधित करना चाहते हैं, वे अपनी पुलिस और अपने मीडिया के जरिए ऐसा प्रयास कर रहे हैं।"

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के राहुल गांधी को पत्र लिखे जाने के बाद सुरक्षा में चूक को लेकर कांग्रेस के बयान सामने आए हैं। मंडाविया ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अनुरोध किया था वे अपनी यात्रा में कोविड प्रोटोकॉल्स की पालना सुनिश्चित करें अथवा इस यात्रा को राष्ट्रीय हित में स्थगित कर दें।" कांग्रेस सांसद ने यह कहते हुए इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है कि यह सब यात्रा को रोकने के "बहाने" हैं।

खेड़ा ने भाजपा और उसके समर्थकों को चेतावनी दी कि वे भारत जोड़ो यात्रा को बदनाम करने से बाज आएं। उन्होंने कहा कि "भारत जोड़ो यात्रा को रोकने का प्रयास ना करें। आप सफल नहीं होंगे। जो कोई भी भारत को एकजुट होने से रोकने की कोशिश कर रहा है, वह निश्चित रूप से एकीकृत भारत की परिकल्पना के खिलाफ है और भारत को तोड़ने के प्रयास करने के लिए जवाबदेह है। उनके चेहरे अब सामने आ गए हैं। भारत को एकजुट करने की परिकल्पना के खिलाफ कौन हो सकता है, स्पष्ट रूप से वे लोग जो भारत को एकजुट नहीं देखना चाहते। उनके चेहरे अब सबके सामने आ गए हैं।"

उन्होंने कहा कि "हम जम्मू-कश्मीर और पंजाब में प्रवेश कर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा में सुरक्षा को लेकर हो रही नियमित चूक को लेकर हमने इस पत्र के माध्यम से माननीय गृह मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया है।" खेड़ा ने कहा कि उनके साथी वैभव वालिया ने गत 23 दिसम्बर को सोहना सिटी पुलिस स्टेशन में एक एफ.आई.आर. दर्ज करवायी थी क्योंकि आई.बी.के कुछ अधिकारियों ने पूर्णत: अवैध रूप से हमारे वाहनों में घुसने की कोशिश की।

रणथम्भौर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गई थी। टीम द्वारा एक्सरे करवाने पर जांच में टाइगर टी-24 के पिछले दायें पैर की हड्डी बढ़ना सामने आया, इस पर उसका उपचार शुरू किया। गत 23 दिसम्बर को अचानक उस्ताद का स्वास्थ्य खराब हुआ। विभाग द्वारा खून की जांच करवाई तो उसमें न्यूट्रोफिल का बढ़ना पाया गया, जिस पर तुरंत इलाज शुरू किया। बुधवार सुबह उस्ताद को स्कुईस केज में लेने का प्रयास किया लेकिन सफलता नही मिली और दोपहर 2 बजे उस्ताद ने अंतिम सांस ली।

गौरतलब है कि, 7 साल पहले 16 मई 2015 को रणथम्भौर नेशनल पार्क से टाइगर टी-24 को शिफ्ट कर उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लाया गया था। टाइगर टी-24 ने रणथम्भौर नैशनल पार्क में दो वनकर्मियों और दो स्थानीय लोगों कुल 4 लोगों पर हमला कर उन्हें मार दिया था। जिसमें आखिरी हमला उसने 8 मई 2016 को एक वनकर्मी पर किया था। वनकर्मी की मौत के बाद स्थानीय स्तर पर टी-24 को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे, दबाव में आकर वन विभाग ने उसे नेशनल पार्क खुले जंगल से सज्जनगढ़, बायोलॉजिकल पार्क के एनक्लोजर में शिफ्ट कर दिया था। टी-24 को वापस नेशनल पार्क में लाने के लिए कई वन्यजीव प्रेमियों ने प्रदर्शन भी किये और कोर्ट में याचिका भी लगाईं और यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बना, लेकिन टी-24 की वापस रिहाई नही हो सकी।

चाइनीज़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

16 चरखियां जब्त की। जब्त किये गये मांझे को कस्बे के गांधी चौक में पालिका की टीम ने जलाकर नष्ट किया। इस टीम में थानाधिकारी जगदीश प्रसाद, सफाई जमदार अमित कुमार व कई सफाईकर्मी साथ थे। उल्लेखनीय है कि, उपखण्ड अधिकारी श्योराम वर्मा ने 21 दिसम्बर को थानाधिकारी पुलिस थाना बीदासर, साण्डवा व छापर, विकास अधिकारी पंचायत समिति बीदासर, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बीदासर को मकर संक्राति के पर्व को लेकर कस्बे में बिक रहे चाइनीज मांझे की मिल रही शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिये थे, लेकिन गत दो दिनों मे दो जनों के घायल होने के बाद प्रशासन की नींद खुली।

'पेपर लीक कांड सरकार की विफलता है'

राज्यमंत्री राजेन्द्र गुढ़ा ने पेपर लीक पर सीधे सरकार को दोषी ठहराया और कहा, सरकार के काम एक तरफ और पेपर लीक एक तरफ

- **उन्होंने कहा 'हम फेयर एग्ज़ाम नहीं करवा पा रहे हैं बच्चों में भारी निराशा है।'**

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में एक के बाद एक हो रहे पेपर लीक को लेकर अब तक विपक्ष के निशाने पर राज्य की कांग्रेस सरकार थी, लेकिन अब कांग्रेस सरकार के ही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि, "सरकार के सारे काम एक तरफ और पेपर लीक दूसरी तरफ। सरकार के अब तक के सारे कामों को अकेला पेपर आउट प्रकरण खा जाएगा।"

सीनियर टीचर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में कांग्रेस सरकार की जिम्मेदारी है, यह हमारा फेलियर है कि हम फेयर एग्जाम नहीं करवा पा रहे हैं। पेपर आउट हो रहे हैं, कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। बच्चों के अंदर भयंकर निराशा है।"

उन्होंने कहा "जब हम सही तरीके से पेपर नहीं करवा सकते तो यह सही नहीं है। हमारे प्रदेश के जो बच्चे हैं, जो तैयारी कर रहे हैं, उनमें निराशा का भाव आ गया है। पूरी तरह निराशा का भाव आ गया। कहीं न कहीं लीकेज तो है। सच तो यही है कि हम पेपर नहीं करवा सकते। गुढ़ा ने कहा- पेपर आउट होना हमारे लिए खतरनाक है। हमारे पेपर बार-बार आउट हो रहे हैं, हम एक भी परीक्षा ठीक तरीके से नहीं करवा पा रहे, सच यह है कि हम फेल हो गए।

सरकार रिपीट करने के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि जिस तरह पेपर आउट हो रहे हैं, उसमें तो मुश्किल ही लग रहा है।

राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की ओर से फीडबैक लेने के कार्यक्रम को लेकर गुढ़ा ने कहा कि "रंधावा जी अच्छे आदमी हैं, दिल से बोलते हैं। उनको सुनकर अच्छा लगा, जमीन से जुड़े आदमी हैं, शायद कुछ कर सकें। वहीं पायलट को मुख्यमंत्री बनाने और समर्थन के सवाल पर गुढ़ा ने कहा कि हम बसपा से आने वाले छह विधायकों ने कांग्रेस जॉइन की थी, किसी व्यक्ति को जॉइन नहीं किया था। कांग्रेस हाईकमान जो फैसला करेगा, हम उस फैसले के साथ हैं। सचिन पायलट उर्जावान नेता हैं, कांग्रेस में ऐसे नेता बचे कहां हैं।

'भ्रष्टाचार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय की सभी सरकारों ने इस क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की है तथा कन्नड़ एवं मराठी भाषी लोग शान्तिपूर्ण तरीके एवं मेल-जोल के साथ रहते आये हैं। इस क्षेत्र में मराठी भाषी लोगों का भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। लेकिन, मुख्यमंत्री बोम्मई के व्यापक भ्रष्टाचार से लोगों को हटाने के उपाय के अलावा, इस मुद्दे का इस तरह भड़कना और कुछ भी नहीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह चाल भाजपा और बोम्मई को नहीं बचा सकेगी तथा लोग अपना मन पहले ही बना चुके हैं।

जनवरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देगी। बी एफ-7 ऑमिक्रोन वैरिएंट का एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचने की गति एवं क्षमता बहुत ज्यादा है तथा एक अनुमान के अनुसार एक संक्रमित व्यक्ति 16 अन्य व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है।

'केन्द्रीय सरकार में तमिल लोगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोर-शोर से हिन्दुत्व का राग अलायती है तथा हिन्दुत्व का मुद्दा हिन्दी वोटों को एकजुट कर के केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा के पीछे खड़ा कर देता है और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि स्टालिन की इस माँग के चलते, अन्य गैर-हिन्दी भाषी राज्यों की ओर से भी ऐसी ही माँगें शुरू हो सकती हैं क्यों कि उन्हें भी इस बात का अहसास हो सकता है कि केन्द्र सरकार की नौकरियों उन राज्यों के युवाओं के अवसर शुद्ध रूप से भाषाई आधार पर कम हो रहे हैं।

तमिल भाषा में प्रतियोगी परीक्षाएं कराने की मामले का आगे लाने के लिये तर्काधारित दलीलों की मदद ली है। इसे समझाते हुये, उन्होंने कहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं तमिल भाषा में आयोजित किये जाने यहाँ के युवाओं को यह अवसर मिलेगा कि वे देश के प्रशासन में अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग और बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

मोदी को लिखे गये पत्र में, स्टालिन ने कहा है कि "जैसा कि आप जानते हैं कि जन-केन्द्रित प्रशासन, जो सुशासन के लिये अनिवार्य शर्त होती है, के लिये जनता के साथ ताकात्म्य जरूरी होता है तथा इस शर्त को स्थानीय भाषा एवं संस्कृति के परिचित लोग ही पूरा कर सकते हैं।

इसके अलावा, तमिलनाडु के मानव-संसाधनों में ज्ञान तथ कौशल की मात्रा एंव गुणवत्ता, तकनीकी तथा शैक्षिक दोनों ही क्षेत्रों में, अपेक्षाकृत रूप से बेहतर है तथा उनके इन गुणों का उपयोग अच्छी तरह हो सकता है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टाफ सलेक्शन कमीशन की 2021-22 का वार्षिक प्रतिवेदन कहता है कि कुल 28,081 पात्र व्यक्तियों में से दक्षिणी क्षेत्र के पात्र अभ्यर्थियों की संख्या मात्र 4.5 प्रतिशत रही। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस साल रेल्वे भर्ती बोर्ड द्वारा भर्ती उम्मीदवारों में से अधिकांश लोग ऐसे थे, जो तमिलनाडु के निवासी नहीं थे।

मीडिया के साथ साझा किये गये इस पत्र में स्टालिन ने लिखा, "इस स्थिति से बेरोजगार युवकों में जबरदस्त निराशा पैदा हो जाती है तथा सामाजिक-राजनैतिक हल्कों में भी यह चिन्ता का कारण बन जाती है। भर्ती के इस पक्षपात पूर्ण तौर-तरीके के निहितार्थों तथा नतीजों से बचने की जरूरत है।"

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुये कहा कि सभी केन्द्रीय भर्ती एजेंसियों, जैसे- स्टाफ सलेक्शन कमीशन, रेलवे भर्ती बोर्ड, द इन्स्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल एलेक्शन-द्वारा कराई जाने वाली परीक्षाएं तमिल भाषा में भी कराई जानी चाहिये।

ऐसा करना तमिलनाडु के आशार्थियों के लिये केन्द्र सरकार केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों तथा रेलवे के तमिलनाडु में स्थित कार्यालयों में नौकरी पाने के लिये मददगार रहेगा।

स्टालिन का निवेदन था कि "सेवाएं प्रदान करने के लिये बेहतर जन-सम्पर्क तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दृष्टि से, तमिलनाडु में स्थित केन्द्र सरकार तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. कार्यालय में नियुक्तियों के दौरान तमिलनाडु के लोगों को प्राथमिकता दी जा सकती है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु में स्थित रेल सेवाओं तथा 20 प्रतिशत आरक्षण के तहत सीधी भर्ती के लिये चयन हेतु "एक्ट अप्रेंटिसेज" के चयन के दौरान, तमिलनाडु में रहने वाले "एक्ट अप्रेन्टिसेज" को प्राथमिकता दी जा सकती है ताकि क्षेत्रीय प्रतिनिधि सुनिश्चित हो सके। "इसलिये, मेरा आपसे निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों पर विचार करते हुये, तमिल मूल के लोगों के लिये रोजगार के अवसर सुधारने की दिशा में आवश्यक कदम उठायेंगे।"

स्टालिन ने पत्र में प्रधानमंत्री को 2021 में दिये गये एक ज्ञापन तथा उन्हें भेजे गये एकपत्र की भी याद दिलाई, जिनमें तमिलनाडु में स्थित केन्द्र सरकार तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. कार्यालय में नियुक्ति के मामले में तमिलनाडु के लोगों को प्राथमिकता दिये जाने की माँग की गई थी ताकि तमिल मूल के लोगों के लिये नौकरी के पर्याप्त अवसर सुनिश्चित हो सके।

स्टालिन ने कहा कि सभी क्षेत्रों को नौकरी पर्याप्त अवसर देने से, जहाँ बेहतर सेवाएं तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकते हैं, वहीं केन्द्र सरकार के कार्यालयों तथा केन्द्रीय पी.एस.यू. में विभिन्न स्तरों पर नौकरी पाने की तमिल लोगों की आकांक्षाएं भी पूरी हो सकती हैं।

रूस 1 फरवरी से यूरोपियन यूनियन व ऑस्ट्रेलिया को क्रूड ऑयल नहीं देगा

- **क्रूड ऑयल की प्राइस कैपिंग व यूक्रेन की मदद करने के कारण नाराज़ रूस ने इन देशों से इस तरह बदला लेने का निश्चय किया है।**

मॉस्को, 29 दिसम्बर। राष्ट्रपति पुतिन यूरोपीय संघ व अमेरिका और आस्ट्रेलिया को पहले भी इसके लिए कई बार चेतावनी भी दे चुके हैं, लेकिन अमेरिका और नाटो देशों की ओर से यूक्रेन को मदद जारी है। इससे पुतिन अब गुस्से में आ गए हैं। लिहाजा उन्होंने यूरोपीय संघ के देशों और आस्ट्रेलिया को भी तबाह करने का प्लान तैयार कर लिया है।

पुतिन ने इन देशों में तबाही शुरू करने की तारीख भी बता दी है। इससे यूरोपीय यूनियन और आस्ट्रेलिया के साथ दुनिया भर में खलबली मच गई है। यूक्रेन के बाद आस्ट्रेलिया और यूरोपीय यूनियन अब रूस के निशाने पर है।

पुतिन इन देशों को तबाह करने के लिए कुछ ऐसा कदम उठाने जा रहे हैं, जिससे यहां हाहाकार मच जाए और जनता सड़कों पर आ जाए। इसके लिए पुतिन का ब्ल्यू प्रिंट तैयार है। आपको बता दें कि हाल ही में यूक्रेन पर सैन्य हमले के दोष में यूरोपीय यूनियन ने रूस के कच्चे तेल पर 60 डॉलर प्रति बैरल का प्राइस डिक्री कैप लगा दिया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908